शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 10 | गुवाहाटी | गुरुवार, 3 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

इस्लामी कट्टरता के कारण उग्र हो रहे हिंदू : शिलादित्य पेज 3
गोवा में आईएनएस हंसा पर समुद्री राफेल प्रशिक्षण स्क्वाड्रन बनाएगी नौसेना पेज 4
आइकॉनिक बिल्डिंग के तौर पर हो वाराणसी और गोरखपुर के कमिश्नरी कार्यालयों... पेज 5
नूंह में जेहादी, आतंकवादी हमला पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रकृति का कोप सभी कोपों से बड़ा होता है।

- आचार्य चाणक्य

अमृत वृक्ष आंदोलन ऐप लॉन्च

असम 17 सितंबर को एक करोड़ पौधे लगाएगा : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य के वन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए 17 सितंबर को तीन घंटे के भीतर व्यावसायिक पेड़ों के एक करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। यहां एक समारोह में सीएम ने *अमृत वृक्ष आंदोलन* अभियान का वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और थीम सॉन्ग लॉन्च किया। इसके साथ ही, इस क्षेत्र में व्यापार करने में आसानी के लिए लकड़ी आधारित उद्योग के पंजीकरण के लिए एक वेबसाइट भी बुधवार को लॉन्च की गई। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि यह आंदोलन असम की सुंदरता को समृद्ध करेगा, वन क्षेत्र को बढ़ाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करेगा और वृक्ष आधारित अर्थव्यवस्था के साथ लोगों को सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को, विभिन्न स्वयं सहायता समूह, फ्रंटलाइन कार्यकर्ता, शैक्षणिक संस्थान और सरकारी कर्मी तीन घंटे में एक करोड़ व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य पौधे लगाने के लिए एक साथ आएंगे, जो रिकॉर्ड बुक में जगह बनाने के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित करेंगे। पर्यावरण एवं वन मंत्री चंद्र मोहन पटोवारी ने कहा कि राज्य सरकार अगले साल से सरकारी नर्सरियों में छह करोड़ पौधे उगाने का -शेष पृष्ठ दो पर

इंफाल में बेकाबू भीड़ ने दो घरों को किया आग के हवाले

इंफाल। जातीय हिंसा में मणिपुर अभी भी जल रहा है। बुधवार तड़के इंफाल वेस्ट जिले के दो घरों को बेकाबू भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक, इन घरों में रहने वाले लोग पलायन कर चुके थे। जिन घरों में आग लगाई गई उनकी सुरक्षा सीआरपीएफ जवान कर रहे थे। गार्ड बदलने के बीच के अंतराल के दौरान भीड़ ने हिंसा को अंजाम दिया। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया। एक अधिकारी ने जानकारी दी कि इम्फाल वेस्टव जिले एक मैतेई-बहुल जिला है, जहां मई में जातीय दंगे शुरू होने के बाद से अधिकांश आदिवासी पलायन कर चुके हैं। मणिपुर पुलिस नियंत्रण कक्ष द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया, जिसमें जानकारी दी गई कि राज्य में स्थिति अभी भी अस्थिर और तनावपूर्ण लेकिन हालात नियंत्रण में है। राज्य के संवेदनशील इलाकों और सीमांत क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच अधिकारियों ने कहा कि कोम यूनियन मणिपुर के अध्यक्ष सर्टो अहाओ कोम (45) को मंगलवार देर रात चुराचांदपुर जिले के चिंगफेई गांव के पास उग्रवादियों द्वारा हमला किए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इंफाल के एक अस्पताल में इलाज करा रहे सर्टो ने संवाददाताओं से कहा कि उग्रवादियों ने उन पर अरामबाई टेंगोल, मैतेई लीपुन और कोकोमी -शेष पृष्ठ दो पर

चर्बी घटाने में लगी है असम पुलिस

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस के सिपाही से लेकर आईपीएस अधिकारी तक इन दिनों राज्यभर में कसरत करते देखे जा रहे हैं। यह कसरत नौकरी बचाने के लिए की जा रही है। नवंबर माह जितना ही नजदीक आता जा रहा है, कसरत की रफ्तार उतनी ही तेज होती जा रही है। उल्लेखनीय है कि नवंबर के अंत तक राज्य के कनिष्ठ से लेकर वरिष्ठ तक-सभी पुलिसकर्मियों को अपनी चर्बी को घटा लेना होगा। निर्देशों के अनुसार यदि पुरुष पुलिसकर्मी की बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 30 और महिला पुलिसकर्मी की -शेष पृष्ठ दो पर

हथियार प्रशिक्षण : बजरंग दल के दो सदस्य गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने बुधवार को दरांग जिले के एक स्कूल में हथियार प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने पर बजरंग दल के दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। बंदूक चलाते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया था। दरांग के पुलिस अधीक्षक प्रकाश सोनोवाल ने बताया कि संगठन के दो सदस्यों बिजॉय घोष और गोपाल बोरो को मंगलदोई में महर्षि विद्या मंदिर स्कूल के परिसर में शिविर आयोजित करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। स्कूल में अवैध हथियार प्रशिक्षण शिविर में शामिल अन्य लोगों को पकड़ने के लिए हमारी जांच जारी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर पर चर्चा होने दें : भाजपा विधायक

इंफाल (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक राजकुमार इमो सिंह ने विपक्ष से आग्रह किया है कि वे अशांत, हिंसाग्रस्त मणिपुर के वास्तविक मुद्दों पर संसद में चर्चा होने दें। जब, केंद्र सरकार मणिपुर की मौजूदा स्थिति पर चर्चा के लिए सहमत हो गई है, लेकिन वे यह नहीं समझ पा रहे हैं कि विपक्षी सांसद संसद के कामकाज में बाधा क्यों डाल रहे हैं। एक वीडियो संदेश में, भाजपा विधायक सिंह ने विपक्षी राजनीतिक दलों से संसद में काम करने और राज्य में प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए माहौल बनाने का आग्रह किया। एक वीडियो -शेष पृष्ठ दो पर

भूकंप से पहले सिग्नल देगा सेंसर : प्रो. वारिज

देहरादून (हि.स.)। भूकंप का पता लगाने के लिए एक ऑर्गेनिक सेंसर भूकंप से पहले आने वाले सूक्ष्म कंपनों की सूचना भेज सकता है और भवनों में सीपेज या क्रेक आने पर भी सिग्नल भेजकर अलर्ट कर सकता है। केंद्र सरकार ने नई खोज के रूप में इसका पेटेंट ग्राफिक एरा के नाम दर्ज कर लिया है। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी के इलेक्ट्रॉनिक्स कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. वारिज पंवार ने यह आविष्कार किया है। प्रो. वारिज ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

लोकसभा में तब तक नहीं आऊंगा, जब तक... : ओम बिरला

नई दिल्ली। मानसून सत्र शुरू होने के बाद से ही लोकसभा में मणिपुर मुद्दे पर लगातार हो रहे हंगामे और कामकाज बाधित होने से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अप्रसन्न हैं और संसद भवन में मौजूद होने के बावजूद उन्होंने बुधवार को अभी तक सदन में आकर कार्यवाही का संचालन नहीं किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों से अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें इसके बारे में बता भी दिया है। सूत्रों के अनुसार, बिरला ने कहा है कि सदन की गरिमा उनके लिए सर्वोच्च है और -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर मुद्दे पर राष्ट्रपति दखल दें : विपक्षी दल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी और भारतीय गठबंधन पार्टियों के 20 सांसदों ने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। सभी सांसदों ने मणिपुर की स्थिति पर उनके हस्तक्षेप की मांग की है। इसके अलावा मणिपुर की स्थिति पर विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ज्ञापन सौंपा है। मुर्मू को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि हम बिना किसी देरी के राज्य में शांति और सद्भाव स्थापित करने के लिए आपसे (राष्ट्रपति) तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं। प्रभावित समुदायों को न्याय प्रदान करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों को अपना कर्तव्य पूरा करना चाहिए। हम आपसे निवेदन करते हैं कि आप प्रधानमंत्री पर मणिपुर की मौजूदा स्थिति पर संसद को तत्काल संबोधित करने के लिए दबाव डालें, जिसके बाद इस मामले पर एक

विस्तृत और व्यापक चर्चा हो। मुर्मू से मुलाकात से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि वह आज राष्ट्रपति से मिलेंगे और मणिपुर की स्थिति और यात्रा के अनुभवों से अवगत कराएंगे। वहीं, अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हम -शेष पृष्ठ दो पर

कामरूप (मेंट्रो) में स्कूलों का समय बदला

गुवाहाटी। देश का पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में है और कई स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक है। इस उद्देश्य से सरकार ने कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में स्कूलों की कक्षा के समय को बदलने का निर्णय लिया है। यह आदेश बुधवार को पारित किया गया और गुरुवार से लागू हो गया। सार्वजनिक भलाई के हित में, पारा स्तर में लगातार वृद्धि और दोनों सरकारों के लिए भीषण गर्मी के कारण सामान्य स्कूल के समय को फिर से पुनर्निर्धारित किया गया है। कामरूप मेट्रो जिले के अंतर्गत प्रांतीयकृत और निजी स्कूल -शेष पृष्ठ दो पर

एचसी को स्थानांतरित करने का बार एसोसिएशन ने किया विरोध

गुवाहाटी। गौहाटी बार एसोसिएशन ने उसने गौहाटी उच्च न्यायालय को शहर के मध्य से ब्रह्मपुत्र नदी के पार लगभग 23 किमी दूर उत्तरी गुवाहाटी के रंगमहल में स्थानांतरित करने के असम सरकार के फैसले का विरोध किया। एसोसिएशन ने कहा कि अन्य बार एसोसिएशनों ने भी उच्च न्यायालय के प्रस्तावित स्थानांतरण के विरोध में एसोसिएशन के प्रस्ताव का समर्थन किया है और जिन वकीलों ने प्रस्ताव के खिलाफ 27 जून को प्रदर्शन किया था, वे जरूरत पड़ने पर इस मामले पर अपना आंदोलन और तेज करेंगे। मालूम हो कि इस साल 23 मई को एक अधिसूचना जारी की गई थी, जिसमें कहा गया था कि उच्च न्यायालय को उत्तर गुवाहाटी के रंगमहल में स्थानांतरित किया जाएगा। गुवाहाटी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मृणाल कुमार चौधरी ने कहा कि शिफ्टिंग से वकीलों, वादिकारियों और आम लोगों को परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि यह व्यावहारिक विचार नहीं है...यह निर्णय लेते समय जमीनी हकीकत पर विचार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि वकीलों या जनता की ओर से कोई शिकायत नहीं है कि उन्हें मौजूदा परिसर में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चौधरी ने कहा कि परिसर को गुवाहाटी से उत्तरी गुवाहाटी में स्थानांतरित करने में कोई सार्वजनिक हित शामिल नहीं है। औचित्य यह दिया गया है कि मौजूदा परिसर में अदालतों और वकीलों के लिए पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण विस्तार की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे सामने कभी-कभी एकमात्र समस्या पार्किंग की होती है, जो एक बहुत छोटी समस्या है और इसे हल किया -शेष पृष्ठ दो पर

दंगाइयों से ही होगी नुकसान की भरपाई : सीएम खट्टर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में राज्य के नूंह जिले में सोमवार को हुई सांप्रदायिक झड़पों को संबोधित किया। हिंसा में छह लोग मारे गए और पिछले दो दिनों में भीड़ ने कई कारों और दुकानों को आग लगा दी। उन्होंने लोगों से राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर किसी की रक्षा नहीं कर सकते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने एक अधिनियम पारित किया है जिसमें यह प्रावधान है कि किसी भी नुकसान के लिए, सरकार सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान के लिए मुआवजा जारी करती है लेकिन जहां तक निजी संपत्ति का सवाल है, जिन लोगों ने नुकसान पहुंचाया है वे इसकी भरपाई के लिए उत्तरदायी हैं। खट्टर ने कहा कि हम सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान के लिए प्रावधान करेंगे और निजी संपत्ति के लिए हम कहेंगे कि उन लोगों से मुआवजा वसूला जाए जो इसके लिए उत्तरदायी हैं। उन्होंने कहा कि नूंह में -शेष पृष्ठ दो पर

मानहानि मामला : माफी नहीं मांगेंगे राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उन्होंने हमेशा कहा है कि वह *मोदी उपनाम* टिप्पणी मानहानि मामले में अपराध के दोषी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दोषसिद्धि टिकाऊ नहीं है और अगर उन्हें माफी मांगनी होती और अपराध को कम करना होता, तो वह बहुत पहले ही ऐसा कर चुके होते। शीर्ष अदालत के समक्ष गांधी के हलफनामे में शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने पूर्व कांग्रेस प्रमुख का वर्णन करने के लिए *अहंकारी* जैसे निंदनीय शब्दों का इस्तेमाल केवल इसलिए किया क्योंकि उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उन्होंने हमेशा कहा है कि वह अपराध के लिए दोषी नहीं हैं और दोषसिद्धि टिकाऊ नहीं है और अगर उन्हें माफी मांगनी होती और अपराध को कम करना होता, तो उन्होंने बहुत पहले ही ऐसा कर लिया होता। गांधी के हलफनामे में कहा गया है कि शिकायतकर्ता, गुजरात भाजपा विधायक पूर्णेश ईश्वरभाई मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपने जवाब में गांधी का वर्णन करने के लिए अहंकारी जैसे निंदनीय शब्दों का इस्तेमाल किया, क्योंकि उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया था। राहुल गांधी के हलफनामे में कहा गया है कि बिना किसी गलती के माफी मांगने के लिए राहुल गांधी को बांह मरोड़ने के लिए जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत आपराधिक प्रक्रिया और परिणामों का उपयोग करना, न्यायिक प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है और इस -शेष पृष्ठ दो पर

ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी बरकरार

नई दिल्ली (हि.स.)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 51वीं बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने का फैसला बरकरार रखा गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई जीएसटी परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया है, जिसकी छह महीने बाद समीक्षा की जाएगी। सीतारमण ने बुधवार को यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि जीएसटी परिषद ने ऑनलाइन गेमिंग की 28 फीसदी दरों को बरकरार रखने का फैसला किया है। हालांकि, तीन राज्यों दिल्ली, गोवा और सिक्किम ने 28 फीसदी की दर को रिव्यू करने की मांग बैठक में उठाई है। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी परिषद ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने के फैसले की छह महीने समीक्षा करेगी, उसके बाद इस पर फैसला लिया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि मानसून सत्र में सीजीएसटी कानून में संशोधन किया जाएगा। यह अधिनियम एक अक्तूबर से लागू हो सकता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जीएसटी परिषद ने विदेशी गेमिंग कंपनियों पर सख्ती करने पर सहमति जताई है। विदेशी कंपनियों को अब रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। इस बैठक में निर्मला सीतामरण के साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव -शेष पृष्ठ दो पर

विदेशी नागरिकों को आयुष वीजा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने आयुष प्रणालियों एवं भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के तहत इलाज कराने वाले विदेशी नागरिकों के लिए वीजा की नई श्रेणी आयुष (एवाई) वीजा की शुरुआत की है। आयुष -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नेपाल में सुप्रीम कोर्ट के कारण बताओ नोटिस से भूचाल

110 सांसदों की सदस्यता पर लटकी खतरे की तलवार

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के कारण बताओ नोटिस से राजनीति में भूचाल आ गया है। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता बालकृष्ण न्यौपाने की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए बड़ा आदेश दिया है। इससे संसद के निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) के 110 समानुपातिक सांसदों की सदस्यता पर खतरे की तलवार लटक गई है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने इन सांसदों को एक सप्ताह के भीतर लिखित जवाब देने का आदेश दिया है। अदालत ने पूछा है कि क्यों न आपकी सदस्यता रद्द कर दी जाए? न्यौपाने ने याचिका में कहा है कि नेपाल की प्रतिनिधि सभा में संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक समानुपातिक आधार पर राजनीतिक दलों की सिफारिश पर 110 लोगों को सांसद बनाया गया है। इनका चयन संवैधानिक प्रावधानों को ताक पर रखकर किया गया है। इसलिए इनकी संसद सदस्यता रद्द की जाए। याचिका में उल्लेख किया गया है कि नेपाल के संविधान में प्रतिनिधि सभा में 275 सांसदों का प्रावधान है। इनमें से 165 सांसद प्रत्यक्ष निर्वाचन (चुनाव) के तहत चुनकर आते हैं। 110 सांसदों का चयन राजनीतिक दलों को मिले समानुपातिक मत प्रतिशत के आधार पर किया जाता है। वरिष्ठ अधिवक्ता बालकृष्ण न्यौपाने ने याचिका में साफ किया है कि समानुपातिक सांसद बनाने का अधिकार उन्हीं राजनीतिक दलों को दिया जाता है जिनको कुल मत का न्यूनतम तीन प्रतिशत वोट प्राप्त हुए हों। नेपाल के संविधान की धारा में 42(1) के मुताबिक आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े आदिवासी, जनजाति, दलित, मधेशी, थारू, अल्पसंख्यक, खसआर्य एवं मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व कराने के लिए समानुपातिक सांसद बनाने का प्रावधान रखा गया है। याचिका में सभी राजनीतिक दलों पर आरोप लगाया गया है कि समानुपातिक सांसदों का चयन जाति के आधार पर तो कर दिया गया है लेकिन इनमें से कोई भी आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ा व्यक्ति नहीं है। समानुपातिक आधार पर चयनित सांसद आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से संपन्न हैं जोकि संविधान के मूल भावना के खिलाफ है। प्रधान न्यायाधीश हरिकृष्ण कार्की, न्यायाधीश विश्वंभर प्रसाद श्रेष्ठ, न्यायाधीश ईश्वर प्रसाद खतिवडा, न्यायाधीश डॉ. आनन्द मोहन भट्टराई और न्यायाधीश अनिल कुमार सिन्हा की संविधान पीठ ने सभी 110 सांसदों को लिखित स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। आदेश के अनुसार पत्र प्राप्त होने के सात दिन के भीतर न्यायालय के सम्मुख अपना लिखित पक्ष रखना होगा। सांसदों के अलावा नेपाल सरकार, प्रधानमंत्री कार्यालय और निर्वाचन आयोग को भी इस मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि संविधान पीठ ने इस साल 18 जनवरी को ही यह आदेश दिया था, लेकिन यह आदेश संसद सचिवालय से होकर सांसदों तक पहुंचते-पहुंचते छह महीने से अधिक का समय लग गया है। अधिकांश सांसदों को 31 जुलाई को और कई सांसदों को एक अगस्त की देर शाम न्यायालय का यह आदेश मिल पाया है। याचिकाकर्ता बालकृष्ण न्यौपाने का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय और संसद सचिवालय की दूरी महज 600 मीटर की भी नहीं है लेकिन न्यायालय का यह आदेश पहुंचते पहुंचते छह महीने का समय लग गया है। यह अपने आपमें हास्यास्पद है। नोटिस मिलने के बाद देश में राजनीतिक हड़कंप मच गया है। सांसद और राजनीतिक दल इस मसले पर कानूनी सलाह लेने में व्यस्त हैं।

पंचर बनाने से मना करने पर दलित युवक को पीटा

भीलवाड़ा (हिंस)। जिले के बदनोर थाना क्षेत्र के पाटन गांव में एक दलित युवक के चौपहिया वाहन का पंचर निकलने से मना करने पर दबंगों उसके हाथ पैर तोड़ दिए। वक्त अधिक होने से युवक ने पंचर बनाने से मना कर दिया था। घायल युवक परिजनों के साथ बदनौर थाने पर पहुंचकर मारपीट करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। घायल युवक को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया है। इस मामले में बदनोर पुलिस तत्परता दिखाते हुए एससी एसटी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस दबिश देकर आरोपियों की धरपकड़ में जुट गयी है। बदनोर थाना प्रभारी रामकिशन ने बताया कि पाटन निवासी शिला बलाई पत्नी अर्जुन लाल बलाई ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि उसके पति अर्जुन की पाटन बस स्टैंड पर पंचर निकालने की दुकान है। मंगलवार शाम को करीब 5 बजे पाटन गांव में रहने वाला सांवर लाल गुर्जर पुत्र हालुराम, प्रकाश पुत्र चंपालाल गुर्जर निवासी पाटन व उसके साथी बोलेरो गाड़ी में सवार होकर दुकान पर पंचर बनाने के लिए आए थे। अर्जुनलाल ने उन्हें पंचर बनाने से मना कर दिया। जिस पर सभी ने पहले तो अर्जुन से गाली-गलौज किया।

करीमगंज जिले में भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद, 6 गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज जिले में विभिन्न स्थानों पर गुप्त सूचना के आधार पर आज पुलिस द्वारा चलाए गए सघन छापामारी अभियान के दौरान भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार यह अभियान बदरपुर, आरके नगर और बाजारीचेरा थाना क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर चलाया गया। इस अभियान के तहत बदरपुर से 10 हजार याबा गोलियां, आरके नगर से 26 ग्राम हेरोइन और बाजारीचेरा थाना क्षेत्र से 200 कफ सिरप बरामद किए गए। अभियान के दौरान ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया। और ड्रग्स तस्करों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस का अभियान जारी है।

फुटबॉल लीग : चाराली प्रक्षालन क्लब फाइनल में

रंगिया (विभास)। रंगिया जिला खेल संघ के सौजन्य से जयंतीपुर योगेश्वर विद्यापीठ हाई स्कूल मैदान में चल रहे रंगिया *बी डिवीजन फुटबॉल लीग* प्रतियोगिता के मंगलवार को पहले सेमीफाइनल खेल में बाईहाटा चाराली के प्रक्षालन क्लब ने कमलपुर एफ सी को 8-3 गोल से पराजित कर फाईनल में प्रवेश किया। प्रक्षालन क्लब के 9 नंबर जर्सी धारी खिलाड़ी प्रांजल डेका और 4 नंबर जर्सी धारी खिलाड़ी दीप बोड़ो ने लगातार तीन गोल कर हैट्रिक किया। आयोजित मैच का संचालन रेफरी आनसारुद्दीन आहमेंद, जयंत माधव दास, ध्रुवज्योति कलिता और पहरेद अली अहमद ने किया। दूसरा सेमीफाइनल बुधवार को केतेकेरीबारी ज्ञानदा संघ और पीताम्बर बारदई क्लब के बीच खेला जाएगा।

जैन मंदिर से चोरी हुई मूर्ति चिरांग से बरामद

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के खारुपेटिया बाजार स्थित जैन मंदिर से चोरी हुई भगवान महावीर की मूर्ति मंगलवार को चिरांग जिले से बरामद कर ली गई। इस सिलसिले में खारुपेटिया पुलिस थाना में आईपीसी की धारा 457और 380 के तहत दर्ज केस नंबर 153/23 की जांच जारी रखते हुए चिरांग पुलिस की मदद से चिरांग जिले के काजलगांव से चोरी की गई यह मूर्ति बरामद की गई। गौरतलब है कि 14 जुलाई को चोरी हुई इस मूर्ति के सिलसिले में पुलिस ने दो चोरों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इन चोरों के पास से जैन मंदिर से चुराई गई मूर्तियां बरामद हुई थीं। पकड़े गए चोरों की निशानदेही पर आज एक और मूर्ति बरामद कर ली गई। इस बरामदगी को लेकर खारुपेटिया जैन समाज के लोगों ने संतोष व्यक्त किया है।

नूंह हिंसा के नुकसान को भी पोर्टल पर दर्ज करा सकेंगे नागरिक

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार ने अपने नागरिकों लिए प्रदेश में बाढ़ से घर, पशुधन, फसल, वाणिज्यिक और चल-अचल संपत्ति की क्षति व नुकसान की जानकारी दर्ज कराने के लिए बुधवार को एक पोर्टल लांच किया है। इस पोर्टल पर नूंह हिंसा में हुए नुकसान को भी दर्ज कराया जा सकेगा। नुकसान के दावे अपलोड करने के लिए यह पोर्टल आम जनता के लिए 18 अगस्त तक खुला रहेगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षतिपूर्ति पोर्टल को नए स्वरूप में लांच किया है। इस पोर्टल पर नागरिक बाढ़ से घर, पशुधन, फसल, वाणिज्यिक और चल-अचल संपत्ति की क्षति व नुकसान की जानकारी दर्ज करा सकेंगे। इसी पोर्टल के माध्यम से हाल ही में नूहं में हुई घटना के दौरान संपत्ति को हुए नुकसान की जानकारी भी दर्ज कराई जा सकेंगे और एक योजना बनाकर उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले क्षतिपूर्ति पोर्टल पर केवल किसान ही अपनी फसलों के नुकसान का ब्यौरा दर्ज कर सकते थे, लेकिन अब सरकार ने पोर्टल में नए फीचर शामिल किए हैं, जिससे आम नागरिक भी जान-माल के नुकसान की जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
Apollo HOSPITALS
हड्डी रोग शल्य चिकित्सक
डॉ. कुनाल पटेल, MBBS, MS (Ortho)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
13 अगस्त, 2023 को
जो मरीज कमर (हिप), घुटना, स्पाइन ज्वाइंट, समस्याओं से परेशान हैं और कम, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी करना चाहते हैं, वे अपने-अपने नाम रजिस्टर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

असम 17 सितंबर ...

लक्ष्य लेकर चल रही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि लोग अपनी जमीन पर व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य पेड़ उगाएं ताकि लकड़ी आधारित उद्योगों के लिए जंगलों को नष्ट न किया जाए। पटोवारी ने यह भी कहा कि सफेद सैंडल जैसे व्यावसायिक पेड़ सरकारी नर्सरी में उगाए जा रहे हैं और ये लोगों को मुफ्त में दिए जाएंगे। उधर इस कार्यक्रम के माध्यम से पौधे लगाने के इच्छुक लोगों को *अमृत वृक्ष आंदोलन* ऐप पर पंजीकरण करना होगा। विभिन्न वितरण केंद्रों के माध्यम से इसके लिए पौधे प्राप्त किए जा सकते हैं । पौधे लगाने की जीओ टैग फोटो को अमृत वृक्ष आंदोलन ऐप पर अपलोड करना होगा। जो पौधे लगाने के लिए पात्र माने जाएंगे, उन्हें एक-एक सौ रुपए मिलेंगे। अगर पेड़ तीन साल बाद जीवित रहता है, तो उसे अतिरिक्त दो सौ रुपए मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 17 सितंबर को राज्य में एक करोड़ व्यापार योग्य पौधे लगाने का असम सरकार का निर्णय असम सरकार द्वारा अपने हरित आवरण का विस्तार करने और वृक्ष आधारित अर्थव्यवस्था का विस्तार करने के लिए एक बड़ा कदम है। सरकार इसके लिए पूरी तरह से तैयारी करने में जुटी हुई है।

इंफाल में बेकाबू भीड़ ...

जैसे मैतेई निकायों के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया है। मणिपुर सरकार ने कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार के मद्देनजर इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में कर्फ्यू में छूट की अवधि एक घंटे बढ़ा दी है। इंफाल के दोनों जिलों में कर्फ्यू में छूट की अवधि अब सुबह 5 बजे से रात 8 बजे तक थी। दोनों जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों के कार्यालय द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों में कहा गया है कि कानून और व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है और आम जनता को दवाओं और भोजन सहित आवश्यक वस्तुओं की खरीद की सुविधा के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई है। वहीं, राज्य के अन्य जिलों जैसे-थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर में कर्फ्यू में छूट की अवधि सुबह 5 बजे से शाम 5 बजे तक है। 3 मई से जारी जातीय हिंसा में अब तक 160 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, सैकडों लोग घायल हो चुके हैं। मणिपुर में मैतेई समुदाय के लोगों की संख्या 53 प्रतिशत है। वहीं, राज्य में नगा और कुकी समुदाय की आबादी 40 प्रतिशत है।

चर्बी घटाने में ...

बीएमआई 36 से ऊपर हुए तो उन्हें नवंबर के बाद बीआरएस यानी स्वैच्छिक अवकाश दे दिया जाएगा। यही वजह है कि अभी राज्य के प्रत्येक जिले के पुलिस लाइनों में पुलिस अधिकारी तथा अन्य पुलिस कर्मी कसरत करते देखे जा रहे हैं।

हथियार प्रशिक्षण : बजरंग...

है। एसपी सोनोवाल ने कहा कि मंगलवार को स्कूल के प्रिंसिपल हेमंत पायेंग और प्रशासक रतन दास को हथियार प्रशिक्षण में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया। आगे बताया कि पायेंग और रतन दास को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। फिलहाल हम संगठन के अन्य सदस्यों की तलाश कर रहे हैं। शिविर का एक कथित वीडियो जिसमें युवाओं को पिस्तौल और बंदूकों के साथ प्रशिक्षण लेते देखा गया, सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे राज्य भर में आलोचना और आक्रोश फैल गया। असम में कांग्रेस विधायक दल के नेता देबब्रत सैकिया ने सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को लिखे एक पत्र में आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इससे पहले बजरंग दल ने दावा किया था कि जिले के मोरनोई गांव में आयोजित शिविर में 350 युवाओं को बंदूकें चलाने, मार्शल आर्ट के अलावा कला, राजनीति और आध्यात्मिकता का पाठ सीखने का प्रशिक्षण दिया गया। बजरंग दल के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि ऐसे शिविर पड़ोसी देशों से अवैध अप्रवासियों से सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने के लिए नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाते हैं। दरांग पुलिस ने सोमवार को ट्वीट किया, मंगलदोई पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 153ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और धारा 34 (सामान्य इरादे को आगे बढ़ाने के लिए कई व्यक्तियों द्वारा किया गया आपराधिक कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस बीच, रायजोर दल के अध्यक्ष और विधायक अखिल गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को पत्र लिखा है और सवाल किया है कि क्या प्रशिक्षण शिविर राज्य में सांप्रदायिक झड़पों को अंजाम देने की तैयारी थी। उन्होंने कहा कि क्या 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कोई गड़बड़ी होगी? आपके अधीन गृह विभाग और असम पुलिस की भूमिका ने असम के नागरिकों को चिंतित कर दिया है। गोगोई ने मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूए (पी)ए) जैसे कानून के अन्य कड़े प्रावधान जोड़ने की भी मांग की। वहीं जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा था कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है और जरूरी कदम उठा रही है। साथ ही कृषि मंत्री अतुल बोरा ने कहा था कि यह घटना गंभीर चिंता का विषय है और कानून अपना काम करेगा। हालांकि, पर्यटन मंत्री जयंत मल्ल बरुआ ने कहा था कि शिविर में आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

लोकसभा में तब तक ...

सदन में मर्यादा कायम करना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सूत्रों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष का कहना है कि सदन में कुछ सदस्यों का व्यवहार सदन की उच्च परंपराओं के विपरीत है। उन्होंने दोनों पक्षों से साफ कहा कि जब तक सांसदों के व्यवहार में सुधार नहीं आएगा और वे सदन की गरिमा का पालन नहीं करेंगे, तब तक वह लोकसभा में नहीं आएंगे। समझा जाता है कि मंगलवार को निचले सदन में दिल्ली सेवा संबंधी विधेयक पेश किए जाने के दौरान शोर-शराबे को लेकर भी उन्होंने अपनी अप्रसन्नता जतायी है। मंगलवार को विधेयक पेश किए जाने के दौरान विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा था कि पूरा देश देख रहा है, आप संसद में इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं जो उचित नहीं है। बिरला ने कहा था कि मैं आपको चर्चा के दौरान पर्याप्त मौका दूंगा। मानसून सत्र शुरू होने के बाद से ही लोकसभा में मणिपुर मुद्दे पर जारी गतिरोध बुधवार को भी बरकरार रहा और विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के कारण सदन की कार्यवाही शुरू होने के करीब 15 मिनट बाद दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। आज सुबह निचले सदन की बैठक शुरू होने पर कार्यवाही पीठासीन सभापति मिथुन रेड्डी ने संचालित की। रेड्डी ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, उसी समय विपक्षी दलों के सदस्य मणिपुर मुद्दे पर जल्द चर्चा कराने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। हाथों में तख्तियां लिए हुए कई विपक्षी सांसद आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे।

मणिपुर मुद्दे पर ...

राष्ट्रपति के ध्यान में मणिपुर की स्थिति और राज्य की यात्रा के अपने अनुभवों को सामने लाना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. के 21 सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए दो दिवसीय दौरे पर मणिपुर पर गया था, जो 29-30 जुलाई वापस दिल्ली लौटा है। विपक्षी दलों के सांसदों ने जातीय हिंसा के पीड़ितों से मिलने के लिए कई राहत शिविरों का दौरा किया था। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल चूड़चंदपुर में राहत शिविरों में रह रहे कुकी समुदाय के पीड़ितों से मिला। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी के नेतृत्व में विपक्षी सांसदों का दल मणिपुर गया था। माना जा रहा है कि विपक्षी नेता प्रतिनिधिमंडल के दौरे के आधार पर तैयार की गई अपनी एक रिपोर्ट सौंपने के साथ मणिपुर में हालात सामान्य करने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने के सुझाव भी राष्ट्रपति को सौंपेंगे। आईएनडीआईए की ओर से राष्ट्रपति को मणिपुर पर एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा, जिसमें राज्य सरकार को बर्खास्त करने की मांग भी शामिल रहेगा।

कामरूप (मेंट्रो) में ...

गुरुवार, 3 अगस्त 2023 से प्रभावी होंगे। शिक्षा विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा जारी आदेश में कहा गया है। आदेश के मुताबिक स्कूलों का नया समय इस प्रकार है- निम्न प्राथमिक विद्यालय सुबह 7:30 बजे दोपहर 12:00 बजे तक, मिडिल इंग्लिश स्कूल सुबह 7:30 बजे तक। दोपहर 12:30 बजे तक और हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी सुबह 7:30 बजे तक। दोपहर 01:00 बजे तक साथ ही, स्कूलों को सुबह की असेंबली कक्षा के अंदर या छायादार क्षेत्र में आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश 3 अगस्त को लागू होगा और 15 अगस्त तक लागू रहेगा। भारतीय मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी) ने अगस्त महीने के लिए अपना पूर्वानुमान प्रकाशित किया है, जिसमें दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ क्षेत्र में औसत से अधिक तापमान की भविष्यवाणी भी शामिल है। अगस्त और सितंबर के महीनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून की दूसरी छमाही के दौरान देश भर में वर्षा सामान्य होने की उम्मीद है। हिमालय से सटे उपखंडों के अधिकांश हिस्सों, पूर्व-मध्य भारत और पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों और उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के पश्चिमी हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। अगस्त 2023 में पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य से कम होने की संभावना है। अगस्त 2023 के दौरान, हिमालय से सटे उपखंडों के अधिकांश हिस्सों, पूर्व-मध्य भारत और पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। दक्षिण प्रायद्वीप के अधिकांश हिस्सों और उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के पश्चिमी हिस्सों के कई हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है।

एचसी को स्थानांतरित...

जा सकता है। वकीलों की ओर से परिसर को स्थानांतरित करने की कोई मांग नहीं की गई थी... हमें संदेह है कि यह कदम कुछ निहित ताकतों के हित में उठाया गया है, जिनके बारे में हम कुछ भी नहीं जानते हैं। गौहाटी उच्च न्यायालय की पुरानी इमारत 1960 में स्थापित की गई थी और फिर 100 करोड़ रुपए की लागत से 10 साल पहले नए भवन के निर्माण के साथ विस्तार हुआ। उन्होंने पूछा कि अब इन इमारतों का क्या होगा? आगे विस्तार की क्या जरूरत है, जिसकी लागत लगभग 1,000 करोड़ रुपए होगी, जब राज्य पहले से ही भारी कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। चौधरी ने कहा, वकील समुदाय गौहाटी उच्च न्यायालय को उत्तरी गुवाहाटी में स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं देगा और इस कदम का विरोध करना जारी रखेगा।

दंगाइयों से ही ...

लोगों की संपत्तियों के नुकसान का आकलन करने के लिए एक योजना शुरू की जाए। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य में सांप्रदायिक अशांति के जवाब में बुधवार को केंद्रीय बलों की चार और कंपनियों का अनुरोध किया और कहा कि आईआरबी की एक बटालियन भी नूंह में तैनात की जाएगी। हालांकि, खट्टर ने कहा कि पुलिस या सेना कोई भी हर व्यक्ति की सुरक्षा की गारंटी नहीं ले सकता। खट्टर ने अपने बयान में कहा कि समाज में जब तक आपस में सद्भाव नहीं होता तब तक सुरक्षा एक चैलेंज रहता है इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की सुरक्षा न पुलिस कर सकती है ना आर्मी कर सकती है ना आप यहां कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं किसी भी कीमत पर प्रदेश की शांति और सांप्रदायिक सौहार्द को बिगड़ने नहीं दूंगा। नूंह की घटना के हर एक अपराधी को कानून के माध्यम से उनके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। और वहां हुए हर एक नुकसान की भरपाई दंगाइयों से ही होगी और उन्हीं से उसकी वसूली भी करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्रीय बलों की 20 कंपनी पहले से ही हरियाणा में तैनात हैं, जिनमें से 14 नूंह में, तीन पलवल में, दो गुरुग्राम में और एक फरीदाबाद में तैनात है। उन्होंने कहा कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। मनोहर लाल ने यह भी कहा कि राजस्थान सरकार ने बजरंग दल के मोनू मानेसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। हमने उनसे कहा है कि उसकी तलाश के लिए जो भी मदद की जरूरत होगी वह हम मुहैया कराएंगे।

मानहानि मामला : माफी ...

अदालत द्वारा इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। गांधी, जिन्हें इस मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद वायनाड से लोकसभा सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, ने अपने हलफनामे में कहा कि उनके पास एक असाधारण मामला है, क्योंकि यह अपराध एक मामूली अपराध है, और एक निर्वाचित सांसद के रूप में उन्हें इससे होने वाली अपूरणीय क्षति है। इसलिए यह प्रार्थना की जाती है कि राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाई जाए, जिससे वह लोकसभा की मौजूदा बैठकों और उसके बाद के सत्रों में भाग ले सकें।

ऑनलाइन गेमिंग पर ...

संजय मल्होत्रा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (विधानमंडल सहित) के वित्त मंत्री और केंद्र सरकार और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे। बैठक के बाद केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक में जीएसटी दरों की समीक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण सुधार हेतु विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। वहीं, वित्त सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग के मसले पर जीएसटी काउंसिल की बैठक फैसला भले ही सर्वसम्मति से नहीं हुआ है, लेकिन यह सर्वसम्मति के बिल्कुल करीब रहा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद की 11 जुलाई को हुई बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ में लेन-देन की पूरी राशि पर 28 फीसदी की दर से कर लगाने का निर्णय किया गया था। जीएसटी परिषद के इस निर्णय पर ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों और संगठनों ने जीएसटी दर घटाने की अपील की थी।

विदेशी नागरिकों को...

वीजा की शुरुआत आयुष प्रणालियों/चिकित्सीय देखभाल और योग के तहत इलाज के लिए भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की आवश्यकता को पूरा करेगी। वीजा मैनुअल के अध्याय 11 - मेडिकल वीजा के बाद एक नया अध्याय यानी अध्याय 11ए - आयुष वीजा शामिल किया गया है, जो भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के तहत उपचार से संबंधित है। इसके लिए वीजा मैनुअल, 2019 के विभिन्न अध्यायों में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। बुधवार को केंद्रीय आयुष और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि आयुष प्रणालियों एवं भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के तहत इलाज चाहने वाले विदेशी नागरिकों के लिए आयुष (एवाई) वीजा की नई श्रेणी का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भारत में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल को बढ़ावा देगा। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारतीय पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक बनाने के दृष्टिकोण को पूरा करने के प्रयास को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि आयुष वीजा की नई श्रेणी की शुरुआत हील इन इंडिया पहल के लिए भारत के रोडमैप का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत को एक चिकित्सा मूल्य यात्रा गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है। आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत को दुनिया के मेडिकल पर्यटन नक्शे पर लाने के लिए वन स्टॉप हील इन इंडिया पोर्टल विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2022 में गांधीनगर, गुजरात में वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन (जीएआईआईएस) में आयुष चिकित्सा के लिए आने वाले विदेशी नागरिकों की सुविधा के लिए एक विशेष आयुष वीजा श्रेणी बनाने की घोषणा की थी।

मणिपुर पर चर्चा ...

संदेश में, विधायक सिंह ने सांसद से सभी राजनीतिक मतभेदों और पार्टी हितों को दरकिनार करके संसद के कामकाज को बाधित नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारे साथ पूरा देश उस आग का इंतजार कर रहा है जो पूर्वोत्तर राज्यों में से एक मणिपुर जातीय संघर्ष के कारण तीन मई से जल रहा है। उन्होंने कहा कि मैं यह अनुरोध इसलिए नहीं कर रहा हूं कि मैं किसी खास राजनीतिक दल से हूं। मैं मणिपुरी हूं और मैं राज्य में शांति की कामना के साथ यह कह रहा हूं। इसलिए हमें यह जानने का अधिकार है कि हमारे राज्य में क्या हो रहा है, क्या चर्चा होने जा रही है और यहां शांति सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जाएंगे। अपने वीडियो संदेश में उन्होंने स्पष्ट तौर पर विपक्षी दलों से कहा कि वे मणिपुर में जल रही आग में घी डालने का काम नहीं करें।

भूकंप से पहले सिग्नल ...

कई माह के प्रयासों के बाद विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में ये विशेष प्रकार का आर्गेनिक स्टेन सेंसर तैयार करने में कामयाबी मिली है। इसे किसी भी आकार में बनाया और मोड़ा जा सकता है। इसे जमीन में काफी नीचे गाड़कर इलेक्ट्रानिक उपकरणों से जोड़कर भूगर्भ में होने वाले बदलावों की जानकारी सिग्नल के रूप में प्राप्त की जा सकती है। भूकंप से पहले होने वाले बहुत छोटे कंपनों की सूचना भी ये स्टेन सेंसर भूकंप आने से पहले ही दे सकता है। ऐसी स्थिति में ये सेंसर सीधे मोबाइल फोन पर सिग्नल भेजकर अलर्ट कर देगा। इस तरह भूकंप से कुछ देर पहले उसकी जानकारी मिलने के कारण जान माल की क्षति को बहुत कम किया जा सकता है। खोजकर्ता प्रो.वारिज पंवार ने बताया कि इस आर्गेनिक सेंसर को भवनों में लगाकर उनमें सीपेज आने या कोई छोटा सा भी क्रेक आने की सूचना सिग्नल के जरिये मिल जाएगी। केंद्र सरकार ने इस नई खोज का पेटेंट 20 वर्षों के लिए ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी के नाम से दर्ज कर लिया है। ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ कमल घनशाला ने डॉ. वारिज पंवार को बधाई देते हुए इसे भूकंप के प्रति संवेदनशील इलाकों के लिए सहायक बनेगा।

स्वर्वेद भाष्य

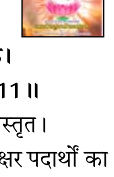

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

क्षर जप तप मख दान है, क्षर पूजा व्रत पाठ।
क्षर में योग विडम्बना, क्षर मय सृष्टि सपाठ॥ 11॥

शब्दार्थ : (विडम्बना) दुःख, अपमान (सपाठ) लंबा, विस्तृत।

भाष्य : जप, तप, यज्ञ, दान, व्रत एवं पाठ-सभी क्षर हैं एवं क्षर पदार्थों का योग दुःखदायी है तथा विस्तृत समस्त सृष्टि क्षर हैं।

क्षरत लोक परलोक है, क्षरत कर्म सब भोग।
क्षर फन्दा सब जग पड़ा, क्षर भूला सब लोग॥ 12॥

शब्दार्थ : (क्षरत) गिरना, पतन।

भाष्य : लोक-परलोक के समस्त कर्म और भोग क्षर हैं। समस्त संसार क्षर के फंदे में फंसा है एवं सभी सद्गुरुविहीन लोग क्षर में भूले हुए हैं।

इस्लामी कट्टरता के कारण उग्र हो रहे हिंदू : शिलादित्य

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा के पूर्व विधायक शिलादित्य देव ने बुधवार को कोकराझाड़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस्लामी कट्टरता और अतिवाद के कारण ही हिंदू उग्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम वृहद सनातन धर्म के समाज को बचाने के लिए आगे आए हैं। उन्होंने कोकराझाड़ में मीडिया से कहा कि नमाज और अजान में अंतर होता है। जहां 20 बार नमाज पढ़ी जाती है, कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अजान को रोकना होगा। साल में 1825 बार अजान दिया जाता है। एकसाथ ही एक के बाद एक मस्जिदों में देते हैं, जिससे ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान में हैं। किसी को मंदिर से असुविधा नहीं होती है। लेकिन, अजान से समस्याएं हो रही हैं। इसलिए अजान को रोका जाना चाहिए। आज नहीं तो 10 साल बाद ही सही, अजान बंद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हम जिहादियों से नहीं डरते हैं। हम बड़े असमिया समाज को एकजुट करने का काम कर रहे हैं। हिंदुओं के लिए एकमात्र देश भारत है। चूंकि भारत का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ था, इसलिए अगर बांग्लादेश में बोड़ो और राभा पर अत्याचार होता है, तो भारत पर विचार करें। शिलादित्य ने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि भारत एक रेलवे प्लेटफॉर्म की तरह है, जो आने वाले हर व्यक्ति को गले लगाता है। रोहिंग्या मुसलमान भारत में बसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बजरंग दल की ट्रेनिंग बुरी नहीं है। अगर आप घर और समाज को बचाना चाहते हैं तो आपको प्रशिक्षण लेना होगा। लेकिन, आपको बेहतर तरीके से प्रशिक्षित होना होगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी बोडोलैंड में घुस गए हैं। बोड़ोलैंड को बचाना है तो उन्हें यहां डोर-टू-डोर ट्रेनिंग लेनी होगी। शिलादित्य ने कहा कि

कि भारत रामायण, महाभारत की भूमि है। इस देश के हिंदू लोग कभी उग्र नहीं थे। लेकिन, इस्लामिक कट्टरता और अहंकार के कारण हिंदू उग्र होने लगे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर रामायण, महाभारत में एक भी मुस्लिम चरित्र नहीं है तो मुस्लिम लोग कहां से आए। शिलादित्य ने कहा कि किसी ने धर्म परिवर्तन किया होगा या विदेश से आया होगा। उन्होंने दावा किया कि उनकी कट्टरता के कारण आज हिंदू बच्चे इन मार्गों से जाने को मजबूर हैं। उन्होंने लव जिहाद, भूमि अधिकार आदि मुद्दों का जिक्र करते हुए आशंका जताई कि अगर मियां की संख्या इसी तरह बढ़ती रही तो एक दिन भयावह स्थिति पैदा हो जाएगी। शस्त्र चलाने की ट्रेनिंग लेना कोई बुरी बात नहीं है। उन्होंने पुरजोर मांग की कि अगर घर, समाज को बचाना है तो प्रशिक्षण लिया जाना चाहिए। शिलादित्य ने यह भी दावा किया है कि आगामी लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

प्रतिबंधित भांग की खेती के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बागबर विधानसभा क्षेत्र के आलोपतिचर पुलिस थाने के अंतर्गत बाघमारा चर में आज अवैध गांजे की खेती के खिलाफ एक अभियान शुरू किया गया। लंबे समय से उक्त क्षेत्र में परिवारों का एक वर्ग गुप्त रूप से वाणिज्यिक आधार पर भांग के पेड़ों की खेती कर रहे हैं। आज आलोपति चर थाना प्रभारी प्रकाश डेका की देखरेख में पुलिस की टीम ने बाघमारा चर में भांग की खेती के खिलाफ अभियान चलाया। एक ही गांव के छह परिवारों के घरों में छह परिवारों की चॉल में भांग की खेती के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान लगभग सौ भांग नष्ट हो गए और उनमें आग लगा दी गई। प्रतिबंधित भांग की खेती के खिलाफ इस तरह की पुलिस कार्रवाई को क्षेत्र के जागरूक लोगों ने काफी सराहा है।

प्रेमिका की हत्या कर पुलिस के सामने किया समर्पण

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के ग्रामीण इलाका सोनापुर में पंद्रह माइल के पास हुई एक नृशंस हत्या की घटना को लेकर पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह एक महिला का शव उसके घर के सामने से बरामद हुआ। मंगलवार रात महिला की हत्या कर दी गई थी। मृतक महिला की पहचान रीता बोड़ो के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार हाशमत अली नामक एक व्यक्ति ने हत्या का जुर्म स्वीकार किया है। हत्या के बाद आज सुबह आरोपी ने हाजो पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया। हाशमत अली ने रीता बोड़ो के साथ प्रेम संबंध होने की पुलिस को जानकारी दी है। हत्या को अंजाम देने के बाद हशमत फरार हो गया था। आरोपी ने बताया कि रीता के द्वारा प्यार के प्रति असहमति के कारण यह घटना हुई।

नारंगी में लायंस उमंग ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

गुवाहाटी (विभास)। अपने सामाजिक कार्यों को तेजी से जारी रखते हुए महिलाओं की अग्रणी संस्थाओ में से लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में नारंगी के फॉरेस्ट गेट स्थित दुर्गा पूजा कमेटी परिसर में आयोजित शिविर का लाभ बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने लिया। क्लब की सदस्य खुशी खेमानी की देखरेख में नि:शुल्क नेत्र जांच व नि:शुल्क रीडिंग ग्लासेस (चश्मे) का वितरण जरूरतमंद लोगों के बीच किया गया। कुसुम जैन की देखरेख में नि:शुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। वही पूनम तोदी व संगीता भड़ेच की देख रेख में लायंस जिला की *वन डिस्ट्रिक्ट-वन एक्टिविटी* परियोजना के तहत अलग-अलग स्थान पर फीड द हंगर कार्यक्रम आयोजित किया गया। सचिव संगीता अग्रवाल की देखरेख में भंगागढ़ स्थित जीएमसीएच परिसर में लोगों को भोजन कराया गया। इन सभी कार्यों को संपादित करने में क्लब की सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

करीमगंज में शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ अभियान

करीमगंज (हिंस)। सड़कों के किनारे ढाबा और छोटे होटलों में की जा रही शराब की अवैध बिक्री के विरुद्ध करीमगंज पुलिस ने जोरदार अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत 2 दिनों में 6 लोगों को पकड़ा गया है। जबकि, भारी मात्रा में अवैध रूप से बेचे जा रहे शराब भी जब्त किए गए। जिले के नीलाम बाजार थाना प्रभारी के नेतृत्व में लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी सड़क किनारे ढाबों पर आईएमएफएल की अवैध बिक्री के खिलाफ एक अभियान चलाया गया। उल्लेखनीय है कि इसी हफ्ते संपन्न हुए मुख्यमंत्री के साथ पुलिस अधीक्षकों के सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने सड़क के किनारे ढाबों में बिकने वाले शराब को बढ़ती हुई सड़क दुर्घटना का एक कारण बताया था। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार नीलाम बाजार थाना क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है।

त्रिपुरा सीमा के पास 3 करोड़ का फेंसीडिल जब्त

करीमगंज (हिंस)। जिले के असम-त्रिपुरा अंतरराज्यीय सीमा पर चुराईबाड़ी से भारी मात्रा में कफ सिरप फेंसीडिल बरामद किया गया है। जब्त किए गए कफ सिरप की कीमत 3 करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है। अब सिर्फ को त्रिपुरा ले जाने की योजना थी। चुराईबाड़ी पुलिस चौकी के प्रभारी प्रणब मिली ने बताया कि उन्होंने बुधवार सुबह त्रिपुरा जाने वाली अंतरराज्यीय सीमा की तलाशी चौकी के दूसरी ओर संदेह के आधार पर चावल से लदे एक छह पहिया एक लॉरी पर छापा मारा।

महिला की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

गुवाहाटी (हिंस)। असम-मेघालय के सीमावर्ती इलाके पंद्रह माइल में एक महिला की बड़े ही निर्मम तरीके से हत्या किए जाने का मामला सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने बुधवार को बताया कि सोनापुर थाना क्षेत्र के पंद्रह माइल इलाके में एक महिला का शव उसके घर के बाहर देखे जाने के बाद घटना की जानकारी तुरंत सोनापुर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम किए अस्पताल भेज दिया है। मृत महिला की पहचान रीता बोड़ो के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार मृत महिला रीता बोड़ो को बुधवार सुबह हसमत अली नामक युवक के साथ देखा गया था। जिसके बाद महिला मृत अवस्था में पाई गई। स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि हसमत ने ही महिला की हत्या की है। घटना के बाद हसमत मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंची सोनापुर पुलिस ने हसमत के मोबाइल को ट्रैक कर असम के कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो पुलिस की मदद से महिला की हत्या मामले में हसमत को हिरासत में लिया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच करते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस जांच में ही पूरी साफ हो पाएगा कि महिला की हत्या हसमत ने क्यों की है।

रंगिया रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल

रंगिया (विभास)। केंद्रीय रेल मंत्रालय ने केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रंगिया स्टेशन को आधुनिक बनाने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत अब रेल यात्रियों को काफी बेहतर सुविधाएं और सेवाएं मिलेंगी। रंगिया स्टेशन के आधुनिकीकरण होने से इसके प्रवेश द्वार और आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ पूरे रंगिया को एक नया रूप मिलेगा, जिसमें बेहतर गुणवत्ता वाले शौचालय, यात्री त्वरित संचार केंद्र, यात्रियों के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा, विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष व्यवस्था और स्थानीय स्तर पर उत्पादित स्थानीय वस्तुओं की क्रय - विक्रय की व्यवस्था (एक स्टेशन-एक उत्पाद) समेत रेल यात्रियों को कई अन्य सुविधाएं मिलेंगी। केंद्रीय रेल मंत्रालय ने घोषणा कर चुका है कि स्टेशन आधुनिकीकरण परियोजना के तहत रंगिया रेलवे स्टेशन देश के 1275 स्टेशनों और असम के 59 स्टेशनों में से एक है। वहीं इस मौके पर रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने केंद्रीय रेल मंत्रालय का स्वागत किया है और रंगिया रेलवे स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत शामिल करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री को विशेष रूप से धन्यवाद दिया है।

छह अगस्त को गुवाहाटी में होगा *नृत्यांगहार* का सत्रीया संगीत नृत्य प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। असमिया संस्कृति के सबसे प्रामाणिक संगीत और नृत्यों में से एक सत्रीया संगीत नृत्य का एक बड़ा कार्यक्रम नृत्यांगहार आयोजित करने जा रहा है। संगीत नाटक अकादमी की देखरेख में 6 अगस्त को गुवाहाटी के पंजाबाड़ी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के डॉ. बानीकांत काकती सभागार में *लाबन्य* (प्रथम संस्करण) नामक एकल सत्रीया संगीत और नृत्य का कार्यक्रम होगा। इस बारे में बताते हुए नृत्यांगहार की अध्यक्ष अनन्या महंत ने कहा कि 2023 में *लाबन्य* के पहले संस्करण में युवा कलाकार एकल संगीत और नृत्य का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में अकादमिक एवं रंगमंच आलोचक जतिन गोस्वामी, शिक्षाविद् एवं रंगकर्मी डॉ. पोना महंत और श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र समाज (एसएसकेएस) के सचिव सुदर्शन ठाकुर मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी के पूर्वोत्तर मुख्यालय गुवाहाटी के परियोजना समन्वयक डॉ. अरूप बरदलै और संगीत नाटक अकादमी के युवा पुरस्कार विजेता नरेन चंद्र बरुवा सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सत्रीया सांस्कृतिक कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अनन्या महंत ने बताया कि परिणीता गोस्वामी उस दिन शायं 6 बजे समारोह शुरू होने के बाद *बरगीत* प्रस्तुत करेंगी।

नवागत शिमलीटोला बाजार समिति ने की जागरूकता बैठक

नगरबेड़ा (विभास)। हाल के दिनों में नवागत शिमलीटोला बाजार समिति की पहल के तहत नवागत शिमलीटोला बाजार समिति के परिसर में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया ताकि समाज में धार्मिक उन्माद पैदा करने और नशा जैसी विभिन्न बुराइयों को दूर करने के लिए अभिभावकों और युवाओं में जागरूकता पैदा की जा सके। मार्केट मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष आल्ताफ हुसैन की अध्यक्षता में हुई बैठक में धुबड़ी भोलानाथ कॉलेज के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. अहिजउद्दीन शेख, खंड विकास अधिकारी, मटिया विकास खंड रोबेन कुमार बर्मन, परिवहन विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी कुशल चंद्र हजारिका, नगरबेड़ा बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज के सेवानिवृत्त प्राचार्य उत्सवानंद दास, रफीकुल इस्लाम शीमलीतोला जवाहरलाल नेहरू हाई स्कूल के हेडमास्टर, बाघमारा चर हाईस्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक सुलेमान अली अहमद, नवागत शिमलीटोला ग्राम पंचायत अध्यक्ष जयफुल

नेसा आदि विशिष्ट व्यक्ति मौजूद रहके भाषण प्रदान किया। वक्ताओं ने सभी से आग्रह किया कि वे इस समय सोशल मीडिया पर चल रहे विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के बयानों से धार्मिक जहर न फैले और समाज में अराजक माहौल न बने। इसके अलावा वक्ताओं ने अपने बच्चे को नशे, शराब, भांग आदि से कैसे बचाया जाए, इसके बारे में भी बताया, जो आज युवाओं में बढ़ रहा है। सैकड़ों लोगों ने जागरूकता बैठक में भाग लिया, जिसे स्वाहजाहान अली शेख ने उद्देश्य समझाया। मौजूदा हालात को देखते हुए मार्केट मैनेजमेंट कमेटी ने इस तरह की जागरूकता बैठकों का आयोजन किया है और इलाके के लोगों ने इसकी काफी सराहना की है.

10 करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

एजल (हिंस)। मिजोरम पुलिस ने 10 करोड़ रुपए मूल्य के हेरोइन के साथ रफीक उद्दीन लश्कर नामक एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। मिजोरम पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार तस्कर रफीक उद्दीन एक वाहन में 62 साबुनदानी में भरकर करीब 765 ग्राम हेरोइन लेकर जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर मिजोरम पुलिस की एक टीम द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान हेरोइन के साथ तस्कर को पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि जब्त हेरोइन का बाजार मूल्य लगभग 10 करोड़ रुपए होगा। तस्कर की गिरफ्तारी के साथ हेरोइन ले जा रहे वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। इस सिलसिले में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण कथा शुरू

सांगानेरिया धर्मशाला में श्री राणी सती महिला समिति, गुवाहाटी का कार्यक्रम

गुवाहाटी (विभास)। श्री राणी सती महिला समिति, गुवाहाटी के तत्वावधान में बुधवार से शिव महापुराण कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। फैंसी बाजार के राणी सती मार्ग स्थित श्री राणी सती मंदिर से आज सुबह भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। कलश यात्रा की अगुवाई मुख्य कथावाचक श्रीश्री 1008 संत सिरोमणी बालयोगिनी साध्वी करुणागिरि महाराज द्वारा की गई। ऊं नम: शिवाय के जयकारों के साथ निकाली गई कलश यात्रा फैंसी बाजार के विभिन्न मार्गों से होते हुए आयोजन स्थल एसआरसीबी रोड स्थित सांगानेरिया धर्मशाला पहुंची। आयोजन स्थल पर सभी महिलाओं ने अपने-अपने कलश को विधिवत स्थापित कर व्यासपीठ की पूचा-अर्चना की। शाम को मुख्य कथावाचक करुणागिरि दीदी ने कथा के पहले दिन शिव महापुराण व पंचदेव पूजा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सावन के पुरुषोत्तम मास में शिव महापुराण कथा आयोजन करने तथा उसके श्रवण

करना काफी फलदायी होता है। कथा का आयोजन आगामी 10 अगस्त तक रोजाना दोपहर 2.15 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा।

तामुलपुर में अवैध शराब के विरुद्ध अभियान

बाक्सा (हिंस)। जिले के तामुलपुर थाना पुलिस द्वारा इलाके में धड़ल्ले से चल रहे भुटिया शराब के कारोबार विरुद्ध सघन छापामारी अभियान चलाया गया है। आबकारी विभाग द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार तामुलपुर के निकटवर्ती दरंगामेला में मंगलवार की रात गुप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग द्वारा चलाए गए एक अभियान के दौरान 400 कार्टून भुटिया शराब से भरी गाड़ी (बीपी-02ए-0034) को जब्त किया गया। अभियान के दौरान 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। आबकारी विभाग के अनुसार अवैध शराब को भूटान से असम के कुमारीकाटा लाया जा रहा था। जब्त किए गए शराब की कीमत 10 लाख रुपए से अधिक बताई गई है। आबकारी विभाग द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों के विरुद्ध आगे की कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि बीते कल भी तामलपुर पुलिस द्वारा चलाए गए एक अभियान के दौरान भुटिया शराब बनाने की भट्टी को नष्ट किया गया था।

सम्मेलन महिला शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में 82 नई सदस्याओं ने भी शपथ ग्रहण की

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा की नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष शर्मा एवं उनकी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह चेंबर रोड स्थित अग्रवाल सेवा सदन में अध्यक्ष कंचन केजरीवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मंच गठन प्रक्रिया में अध्यक्ष केजरीवाल के अलावा चुनाव अधिकारी किरन तापड़िया, विशिष्ट अतिथि मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान और मुख्य अतिथि मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा को मंचासीन कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कैलाश काबरा, विशिष्ट अतिथि पंकज जालान, प्रांतीय मुख्यालय उपाध्यक्ष रमेश चांडक, प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया, सह मंत्री पंकज पौदार व मनोज काला, सहायक मंत्री मक्खन अग्रवाल, निरंजन सिकरीया और विवेक सांगानेरिया उपस्थित थे। चुनाव अधिकारी किरण तापड़िया एवं सह चुनाव अधिकारी संतोष काबरा ने संतोष शर्मा को चुनाव विजेता के रूप में प्रमाण पत्र प्रदान

किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि कैलाश काबरा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष संतोष शर्मा को पद की शपथ दिला विशिष्ट अतिथि पंकज जालान ने नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी के लिए मंत्री मंजू भंसाली, उपाध्यक्ष मंजू लता शर्मा और संगीता बड़जात्या, कोषाध्यक्ष विमला कोचर, संयुक्त मंत्री शोभना लड्ढा, सांस्कृतिक संयोजिका निकिता सांखला और सुषमा शर्मा, खेलकूद संयोजिका स्नेहल बिदासरीया, प्रचार प्रसार संयोजिका संतोष काबरा के अलावा शांति कुंडलिया, गुलाब दुग्गड़, सुमन शर्मा, सीमा सोनी, कनक सेठिया, बिना चौरडिया, संतोष धानुका को शपथ दिलाई। इस अवसर पर 82 नई महिला सदस्योंओ को सरला काबरा ने सदस्यता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन और मारवाड़ी युवा मंच कोई क्लब नहीं है। यह समाज की प्रतिनिधि संस्था है। इसमें कार्य करने के लिए समाज के सभी लोगों को बराबर अधिकार प्राप्त ह विशिष्ट अतिथि पंकज जालान ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच और मारवाड़ी सम्मेलन एक दूसरे के पूरक है तथा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों एक साथ मिलकर के जब काम करेंगे तभी हम समाज का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होंगे। मुख्य अतिथि कैलाश काबरा ने कहा कि एक शाखा समिति से कार्य करते करते पूर्ण शाखा के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर महिला शाखा ने अपनी एक अलग ही पहचान बना ली है। पूर्वोत्तर की यह पहली शाखा है जिसने शपथ ग्रहण समारोह में एक साथ 82 सदस्योंओ को शपथ दिलाई।नव निर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी सलाहकार समिति की घोषणा करते हुए प्रेमलता खंडेलवाल, सरला काबरा, सरोज मित्तल, शारदा केडिया, वंदना सोमाणी और मंजू पाटनी का परिचय कराया। इस अवसर पर सरला काबरा, विनोद लोहिया ने भी अपना संबोधन दिया। नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष मंजू भंसाली ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

रंगिया : विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में जागरूकता बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर बुधवार को रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। एक अगस्त से प्रारंभ इस सप्ताहव्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को आयोजित इस जागरूकता बैठक की अध्यक्षता अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य ने की। बैठक के दौरान महिला स्वास्थ्य निरीक्षक कुंजलता दास, काउंसलर अनिमा बेगम, एएनएम अनिता कलिता और निरुपमा चौधुरी ने विश्व स्तनपान सप्ताह मनाने के महत्व के बारे में बताया। अस्पताल के कर्मचारी अमूल्य वैश्य के मंच संचालन में आयोजित इस बैठक में रंगिया के विभिन्न अंचलों से आयी प्रसूती महिलाओं को जन्म के बाद से अगले 6 महीने तक मातृ दुग्धपान कराकर नवजात को स्वास्थ्यवान करने के विषय पर जोर दिया गया।

गोवा में आईएनएस हंसा पर समुद्री राफेल प्रशिक्षण स्क्वाड्रन बनाएगी नौसेना

- नौसेना ने फ्रांसीसी 26 राफेल समुद्री लड़ाकू जेट खरीदने को अंतिम रूप दिया
- लड़ाकू पायलटों को प्रशिक्षित करने में अहम भूमिका निभाएगी यह स्क्वाड्रन

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना ने फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी दसॉल्ट से 26 राफेल समुद्री लड़ाकू जेट खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। इसमें से चार जेट ट्विन सीटर होंगे, जो शेष 22 सिंगल सीटर राफेल-एम लड़ाकू जेट को संचालित करने के लिए लड़ाकू पायलटों को प्रशिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके लिए नौसेना ने गोवा में आईएनएस हंसा पर प्रशिक्षण स्क्वाड्रन की स्थापना करने का फैसला लिया है। भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक आईएनएस विक्रांत से संचालित करने के लिए भारतीय नौसेना ने अमेरिकी जेट एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट को खारिज करके राफेल-एम का चयन किया है। इससे पहले भारतीय वायु सेना ने दो लड़ाकू स्क्वाड्रन (36 विमान) के लिए राफेल को चुना था, अब भारतीय नौसेना राफेल-एम का सौदा करने के लिए तैयार है। भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता और युद्ध क्षमताओं के लिए इसे एक उल्लेखनीय कदम माना जा रहा है। राफेल-एम का इस्तेमाल ग्रीस, इंडोनेशिया और यूएई की नौसेनाएं भी कर रही हैं। राफेल बनाने वाली

कंपनी दसॉल्ट एविएशन को भरोसा है कि राफेल-एम भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। चार ट्विन सीटर राफेल जेट खरीदने का निर्णय भारतीय नौसेना के उन्नत लड़ाकू विमानों के बेड़े को बढ़ाने और अत्यधिक कुशल और कुशल पायलट बल बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है। राफेल के ट्विन सीटर संस्करण को प्रभावी प्रशिक्षण देने के लिए डिजाइन किया गया है, जो लड़ाकू पायलटों को व्यावहारिक अनुभव देने के साथ ही उनकी अनुभवी एविएटर्स क्षमताओं को भी बढ़ाएगा। नौसेना के एक अधिकारी के मुताबिक गोवा स्थित प्रमुख नौसैनिक हवाई स्टेशन आईएनएस हंसा को राफेल प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के लिए चुना गया है। गोवा में डैबोलिम के निकट स्थित यह भारत का सबसे विशाल नौसैनिक स्टेशन है। इस नौसैनिक अड्डे के परिसर में नागरिक परिक्षेत्र भी है, जहां से डैबोलिम हवाई अड्डे का संचालन होता है। अब इस नौसेना केंद्र पर मिग 29-के के दो सीटों वाले प्रशिक्षु विमानों मिग-29 केयूबी का बेड़ा रहता है। यहां 2,000 से ज्यादा सैनिक और 1,000 नागरिक रहते हैं।

यह नौसेना के 8 भारतीय नौसैनिक वायु स्क्वाड्रनों का हेडक्वार्टर भी है। जानकार अधिकारी के मुताबिक सिंगल सीटर राफेल-एम वैरिएंट के लड़ाकू पायलटों को प्रशिक्षित करने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि ट्विन सीटर राफेल जेट अत्याधुनिक एवियोनिक्स और सिमुलेटर से लैस होंगे। यह प्रशिक्षण के दौरान पायलटों को विभिन्न युद्ध परिदृश्यों के लिए सक्षम बनाएगा, जिससे वे आधुनिक हवाई युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो सकेंगे। ट्विन सीटर राफेल विक्रांत के बड़े में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि इनमें विमानवाहक पोत से संचालन के लिए आवश्यक हवाई जहाज के पहिये और टेल हुक का अभाव है।

देश में महिला नेतृत्व वाला विकास हमारी प्रमुख प्राथमिकता : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास भारत सरकार की एक प्रमुख प्राथमिकता रही है। महिला सशक्तिकरण पर जी20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने अपने वीडियो संदेश में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं समृद्ध होती हैं तो दुनिया समृद्ध होती है। उनका आर्थिक सशक्तिकरण विकास को बढ़ावा देता है, शिक्षा तक उनकी पहुंच वैश्विक प्रगति को बढ़ावा देती है। उनका नेतृत्व समावेशिता को बढ़ावा देता है और उनकी आवाजें सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका महिला-नेतृत्व वाला विकास दृष्टिकोण है। भारत इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है। महिला सशक्तिकरण पर प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें उन बाधाओं को दूर करने के लिए काम करना चाहिए, जो बाजारों और वैश्विक मूल्य श्रृंखला तक महिलाओं की पहुंच पर प्रतिबंध लगाती हैं। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि देखभाल और घरेलू काम के बोझ को उचित रूप से संबोधित किया जाए। प्रधानमंत्री ने

इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि भारत की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण पर एक नया कार्य समूह स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक साधारण आदिवासी पृष्ठभूमि से आती हैं, लेकिन अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करती हैं और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रक्षा सेना के कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य करती हैं। भारत में महिला सशक्तिकरण के प्रयासों के परिणामों को प्रधानमंत्री ने आगे रखा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिलाओं को स्वीकृत किए गए हैं। इसी तरह, स्टैंड अप इंडिया के तहत 80 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए बैंक ऋण ले रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत के हमारे सहकारी आंदोलन की कई सफलता की कहानियां महिलाओं द्वारा संचालित हैं। ऐसा ही एक उदाहरण गुजरात राज्य में डेयरी क्षेत्र से है। गुजरात में डेयरी क्षेत्र से 36 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। विशेष रूप से, जहां तक भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले यूनिकॉर्न का संबंध है, ऐसे यूनिकॉर्न का संयुक्त मूल्य 40 बिलियन डॉलर से अधिक है। भारत में स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) स्नातकों में लगभग 43 प्रतिशत महिलाएं हैं। भारत में लगभग एक-चौथाई अंतरिक्ष वैज्ञानिक महिलाएं हैं। चंद्रयान, गगनयान और मिशन मंगल जैसे हमारे प्रमुख कार्यक्रमों की सफलता के पीछे महिला वैज्ञानिकों की प्रतिभा और कड़ी मेहनत है।

सांसदों के आचरण से नाराज लोकसभा अध्यक्ष, कार्यवाही में नहीं हुए शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सदन के भीतर सांसदों के व्यवहार से नाराज हैं। उनका कहना है कि जब तक सांसद सदन की मयार्दा के अनुरूप आचरण नहीं करते, वे सदन में नहीं आयेंगे। वे आज सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए। लोकसभा अध्यक्ष बिरला आज संसद में रहे लेकिन वे कार्यवाही में सम्मिलित नहीं हुए। वे सुबह लोकसभा की कार्यवाही में उपस्थित नहीं रहे थे। उनके स्थान पर पीठासीन अधिकारी के रूप में मिथुन रेड्डी उपस्थित थे। दोपहर दो बजे भी उनकी उपस्थिति नहीं रही। इस दौरान प्रो. किरीट सोलंकी ने लोकसभा की

कार्यवाही संभाली। हालांकि हंगामे के चलते कार्यवाही को थोड़े समय में ही दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक वे पिछले दिन सदन की कार्यवाही में सदस्यों के आचरण को लेकर नाराज हैं। मंगलवार को लोकसभा में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नियुक्ति और स्थानांतरण संबंधित सेवा अध्यादेश को बदलने के लिए सरकार ने आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 लोकसभा में पेश किया। इस विधेयक का विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए एकजुट होकर विरोध कर रहा है। विपक्षी सांसद इस दौरान पोस्टर लेकर उनकी सीट के नजदीक आकर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने चेतावनी दी कि वे अनुचित आचरण करने वाले सांसदों का नाम लेंगे। इसके बाद कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

संघ के वरिष्ठ प्रचारक मदन दास देवी की अस्थियां गंगा में विसर्जित, मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और पूर्व सह सरकार्यवाह मदन दास देवी के अस्थि अवशेष आज वैदिक विधि विधान के साथ हर की पैड़ी पर गंगा में विसर्जित किए गए। इससे पूर्व भीमगोडा स्थित कृष्ण कृपा आश्रम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में ब्रह्मलीन मदन दास देवी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित अनेक गण्यमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मदन दास देवी के निधन से समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि उनका पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित रहा और वे निरन्तर राष्ट्र के निर्माण में सन्नद्ध रहे, जो हमारे लिये प्रेरणा का स्रोत है। श्रद्धांजलि सभा में महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद महाराज, भाजपा राजधानी कार्यालय प्रमुख महेंद्र पांडेय, प्रफुल्ल आकांत, डॉ. शैलेन्द्र, महानिवार्णी अखाड़े के सचिव महंत रविन्द्र पुरी, महंत रूपेंद्र प्रकाश, महंत राम मुनि, महंत जसविंद्र शास्त्री, महंत विष्णुदास, अनिल गुप्ता, सुनील, दयानन्द, आशीष चौहान, अधिवक्ता परिषद से हरि बोरिकर, उमेश दत्त शर्मा आदि ने भी श्री मदन दास देवी को श्रद्धांजलि दी। मदन दास

देवी को श्रद्धांजलि देने वालों में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डॉ. धन सिंह रावत ,वित्त मंत्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, हरिद्वार नगर विधायक मदन कौशिक, ऋषिकेश मेयर अनिता ममगांई, पदम सिंह, दिनेश सेमवाल, डॉ. शैलेन्द्र, अजय कुमार, सुरेश जोशी, रमेश गाड़िया, विक्रम, डॉ ममता सिंह, रितांशु कंडारी, नवीन पन्त, पूर्व मेयर हरिद्वार मनोज गर्ग, रोहन सहगल, डॉ. यतींद्र नागयन, विकास तिवारी आदि प्रमुख थे। श्रद्धांजलि सभा का संचालन जिला संघ चालक कुंवर रोहिताश्व ने किया। पूर्व सह सरकार्यवाह स्वर्गीय मदन दास देवी की अस्थियों को वैदिक विधि विधान से हर की पौड़ी ब्रह्मकुंड में विसर्जित किया गया। श्रीगंगा सभा की ओर से अध्यक्ष नितिन गौतम, महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, सिद्धार्थ चक्रपाणि, उज्ज्वल पण्डित,अनमोल आदि तीर्थ पुरोहित मौजूद थे।

दिल्ली-एनसीआर में विहिप व बजरंग दल की रैलियों पर रोक की मांग, सुप्रीम कोर्ट में 4 अगस्त को सुनवाई

अजय त्यागी

-सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी-
भड़काऊ बयान पर कार्रवाई हो, कार्यक्रमों के चलते हिंसा न हो

नई दिल्ली, (हि.स.)। नूंह में सांप्रदायिक तनाव के बाद दिल्ली-एनसीआर में विहिप और बजरंग दल की रैलियों पर रोक लगाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट 4 अगस्त को सुनवाई करेगा। आज कोर्ट ने आदेश दिया कि भड़काऊ बयान की स्थिति में कार्रवाई हो। यह देखा जाए कि कार्यक्रमों के चलते हिंसा न हो। संवेदनशील क्षेत्र में कार्यक्रम हो तो अतिरिक्त बल तैनात करें और सीसीटीवी कैमरा लगाएं। बुधवार सुबह इस याचिका

पर जल्द सुनवाई की मांग करते हुए वकील चंद्र उदय सिंह ने जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन किया था। चंद्र उदय सिंह ने जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष इसलिए मेंशन किया था, क्योंकि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अनुच्छेद 370 पर सुनवाई कर रही संविधान बेंच की अध्यक्षता कर रहे हैं।

अनुच्छेद 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में सुनवाई शुरू

सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर हर दिन होगी सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा हटाकर दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के 2019 के राष्ट्रपति आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बी.आर. गवई और सूर्यकांत भी शामिल हैं। सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर पीठ 2 अगस्त से लगातार मामले की सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ता पक्ष ने अदालत द्वारा नियुक्त नोडल वकील के माध्यम से संविधान पीठ को एक नोट सौंपा है, जिसमें कहा गया है कि मौखिक बहस के लिए लगभग 60 घंटे लग सकते हैं। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, गोपाल सुब्रमण्यम, राजीव धवन, दुष्यंत दवे, शेखर नफाड़े, दिनेश द्विवेदी, जफर शाह, सी.यू. सिंह, प्रशांतो चंद्र सेन, संजय पारिख, गोपाल शंकरनारायणन, डॉ. मेनका गुरुस्वामी, नित्या रामकृष्णन, पी.वी. सुरेंद्रनाथ मामले में याचिकाकताओं और अन्य हस्तक्षेपकताओं की ओर से दलीलें पेश करने वाले हैं।

वहीं, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल

तुषार मेहता मुख्य रूप से केंद्र सरकार का पक्ष रखने वाले हैं। इसके पहले 2 मार्च 2020 से सुनवाई-पूर्व आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए हाल ही में 11 जुलाई को याचिकाओं की सुनवाई की गई, जब एक अन्य संविधान पीठ ने मामले को सात-न्यायाधीशों की पीठ के पास भेजने की आवश्यकता के खिलाफ फैसला सुनाया।

जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को चुनौती देने के लिए राजनीतिक दलों, निजी व्यक्तियों, वकीलों, कार्यकताओं आदि द्वारा बड़ी संख्या में याचिकाएं दायर की गई हैं, जिसने तत्कालीन राज्य जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर औश्र लद्दाख में विभाजित कर दिया है।

केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत के समक्ष हाल ही में दायर एक हलफनामे में जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द करने का बचाव करते हुए कहा है कि अनुच्छेद 370 को कमजोर करने के उसके फैसले से क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास, प्रगति, सुरक्षा और स्थिरता आई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि आतंकवादियों और अलगाववादी नेटवर्क द्वारा सड़क पर की जाने वाली हिंसा अब अतीत की बात हो गई है।

विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से की मुलाकत.... सरकार ने कहा हमें कोई दिक्कत नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने विपक्षी दलों द्वारा मणिपुर मामले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की खबर पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि उन्हें मिलने दीजिए, हम (सरकार) कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन सदन चल रहा है, राज्य सभा की लिस्ट में भी मणिपुर पर चर्चा को डाला था। केंद्रीय गृह मंत्री विस्तार से चर्चा करने और जवाब देने को तैयार हैं लेकिन इनका (विपक्षीदलों) प्रॉब्लम क्या है, यह हम समझ नहीं पा रहे हैं, लोग भी समझ नहीं पा रहे हैं। दिल्ली सरकार के अधिकारों से जुड़े विधेयक पर होने वाली चर्चा में विपक्षी दलों के शामिल होने के बारे में पूछने पर केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि यह स्वागतयोग्य कदम है और भगवान ने उन्हें सदबुद्धि दी है, उन्हें इस बात का संतोष है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी सही वजह से इस बिल का समर्थन कर रहे हैं और इसलिए पी. चिदंबरम साहब को इस पर ऐतराज है।

शिमला का चंडीगढ़ से संपर्क कटा, परवाणू में चक्की मोड़ पर भूस्खलन, हाइवे का 40 मीटर हिस्सा बह गया

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का बुधवार सुबह चंडीगढ़ से संपर्क कट गया। भारी भूस्खलन की वजह से सोलन जिले के परवाणू में शिमला को चंडीगढ़ से जोड़ने वाला नेशनल हाइवे-पांच अवरुद्ध हो गया है। हाइवे का करीब 40 मीटर हिस्सा बह गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अचानक आई इस आपदा से हाइवे के दोनों छोरों पर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। प्रवक्ता ने कहा है कि इस वजह से यह हाइवे सभी प्रकार की गाड़ियों के लिए बंद हो गया है। प्रशासन ने वाहनों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। अगर किसी वाहन चालक को चंडीगढ़ से शिमला आना हो तो

पिंजौर से बरोटीवाला, चंडी, कुनिहार और टूटू सड़क मार्ग का प्रयोग किया जा सकता है।सोलन आने के लिए कुनिहार और सुबाथू वाली सड़क का इस्तेमाल किया जा सकता है। हल्के वाहन परवाणू से कसौली होते हुए धर्मपुर पहुंच सकते हैं। हिमाचल प्रदेश ट्रैफिक, टूरिस्ट और रेलवे पुलिस ने भी इस बारे में ट्वीट किया है। ट्वीट के अनुसार हाइवे से मलबा हटाया जा रहा है। फिलहाल यह रास्ता बंद है। मलबा हटाने के बाद सूचित किया जाएगा। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में भूस्खलन की वजह से 321 सड़कें बंद हैं। लोकनिर्माण विभाग के शिमला जोन में सबसे ज्यादा 187 सड़कें बाधित हैं। मंडी जोन में 107, कांगड़ा जोन में 23 और हमीरपुर जोन में तीन सड़कों पर आवाजाही ठप है। प्रदेश में मानसून ने 24 जून को दस्तक दी थी। तब से अब तक राज्य के 76 स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। 53 स्थान बाढ़ की चपेट में आए। इस वजह से 54 लोगों की जान चली गई। मानसून सीजन के दौरान सरकारी विभागों को 5722 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने आगामी 3 दिन राज्य के मैदानी एवं मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

जम्मू के आधार शिविर से 984 श्रद्धालु अमरनाथ रवाना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से आज 984 श्रद्धालुओं का जत्था पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। एक जुलाई को 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा की शुरूआत के बाद से अब तक चार लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बफार्नी के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा का समापन 31 अगस्त को होगा। इस आधार शिविर से अब तक के सबसे छोटे जत्थे में 984

श्रद्धालु शामिल हैं। इनमें से 498 लोग अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग के लिए जबकि 486 व्यक्ति गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुए हैं।

दिल्ली हाफ मैराथन 2023 के लिए पंजीकरण कराने वाले पहले व्यक्ति बने अनुराग ठाकुर

अजय कुमार

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बुधवार को दिल्ली हाफ मैराथन 2023 के लिए पहले प्रतिभागी के रूप में पंजीकरण कराया। प्रोकैम इंटरनेशनल ने 15 अक्टूबर को होने वाली विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस के लिए आज पंजीकरण शुरू करने की घोषणा की। कार्यक्रम को लेकर अनुराग ठाकुर ने कहा, वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के लिए पंजीकरण कराकर मुझे खुशी हो रही है और मैं इस आयोजन में हजारों लोगों को भाग लेते देखने के लिए उत्सुक हूं। मैं सभी को इस आयोजन के लिए पंजीकरण करने और फिट इंडिया मूवमेंट को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करूंगा। 18 साल तक किसी कार्यक्रम का आयोजन करना शतक लगाने के बराबर है, वेदांत

दिल्ली हाफ मैराथन की लंबी उम्र भारत और दुनिया के लोगों के बीच इस आयोजन की लोकप्रियता को दशार्ती है। बता दें कि दुनिया के सबसे तेज हाफ मैराथन में से एक माने जाने वाले 268,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस आयोजन को प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई जाएगी। दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ एथलीट राजधानी में भारत के कुलीन और शौकिया धावकों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

बिहार में हुए दलित परिवार के साथ दुर्व्यवहार पर गृह मंत्रालय ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, (हि.स.)। बिहार के दरभंगा में एक दलित व्यक्ति के शव को अंतिम संस्कार करने से रोकने और दलित परिवार के साथ हिंसा करने का एक मामला सामने आया है। माना जा रहा है कि यह हिंसा एक समुदाय विशेष के लोगों ने की है। इस मामले का केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने भी संज्ञान लेते हुए बिहार सरकार से जवाब तलब किया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने इस मामले में बिहार के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है, ह्लकेंद्रीय गृह मंत्रालय को दरभंगा जिले (थाना कमतौल) धर्मपुर गांव में अनुसूचित जाति समुदाय के खिलाफ घोर दुर्व्यवहार की जानकारी मिली है। पता चला है कि दो जुलाई, 2023 की रात को अनुसूचित जाति के एक व्यक्ति श्रीकांत पासवान, जिनकी कैंसर के कारण मृत्यु हो गई थी, के दाह संस्कार के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों द्वारा उनके शव को श्मशान घाट से बाहर निकाला गया, पीटा गया और बुरी तरह से अपमानित किया गया। आरोप है कि पैतृक श्मशान भूमि पासवान समुदाय की है, जहां वे हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार दाह संस्कार करते रहे हैं और उन्हें

इससे वंचित कर दिया गया है।" केंद्रीय गृह सचिव के पत्र में आगे कहा गया है, ह्लशव के साथ बेअदबी के बाद हुए हंगामे में पासवान (अनुसूचित जाति) समुदाय के कुछ घर भी क्षतिग्रस्त कर दिए गए हैं।

उपद्रवियों ने वहां पहुंचे पुलिसकर्मियों पर भी हमला किया, जिससे उन्हें भी चोटें आईं और उनके वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। यह पता चला है कि क्षेत्र में अनुसूचित जाति समुदाय को अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा मजबूर किया जा रहा है और धमकी दी जा रही है, और वे पलायन पर विचार कर रहे हैं।" केंद्रीय गृह सचिव ने कहा है कि यह संभवतः अनुसूचित जाति के खिलाफ अपराध का मामला हो सकता है। ये अंतिम संस्कार करने का संवेदनशील मुद्दा हो सकता है, जिससे क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ऐसे में मैं आपसे जल्द से जल्द एक विस्तृत जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अनुरोध करता हूं। उल्लेखनीय है कि बिहार के दरभंगा जिले में शव के अंतिम संस्कार में एक विशेष समुदाय के लोगों ने जमकर बवाल मचाया। उपद्रवियों ने जहां एक ओर शव को पूरी तरह से जलने नहीं दिया वहीं मौके पर पहुंची पुलिस पर पथराव कर लगभग आधा दर्जन गाड़ियां तोड़ दीं गईं। ये मामला दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के हरिहरपुर पूर्वी पंचायत के धर्मपुर मालपट्टी गांव का है। घटना को लेकर मृतक के बेटे फेकू पासवान ने बातचीत में आरोप लगाया था कि वह अपने पिता श्रीकांत पासवान का शव लेकर श्मशान घाट आए थे। वहां मौजूद उपद्रवियों ने अंतिम संस्कार करने से रोक दिया। फेकू पासवान ने आरोप लगाया कि उपद्रवियों ने उनके पिता का शव को गड्ढे में फेंक दिया। अंतिम संस्कार करने आये लोगों के साथ मारपीट की गई। इस दौरान स्थानीय मुखिया की गाड़ी में भी आग लगा दी गई। हरिहरपुर पूर्वी पंचायत के मुखिया अजय कुमार झा ने कहा था कि श्रीकांत पासवान की मृत्यु हो गई थी। उनका अंतिम संस्कार करने के लिए शव श्मशान घाट लाया गया था, जहां शव के साथ अभद्रता की गई। मुखिया ने कहा था कि कुछ हिंदुओं के घरों को भी फूंक दिया गया।

अटल आवासीय विद्यालयों में पढ़ाई शुरू कराने की तैयारी में योगी सरकार

- उप्र के चयनित 18 जिलों में से 16 में स्कूल भवन बनकर तैयार
- प्राचार्य, शिक्षक और अन्य स्टाफ की नियुक्ति प्रक्रिया हुई पूरी

लखनऊ, (हि.स.)। योगी सरकार प्रदेश के गरीब, अनाथ और श्रमिकों के होनहार बच्चों को बेहतरीन सुविधाओं से युक्त रेजिडेंशियल स्कूलों में पढ़ाने की तैयारी को अंतिम रूप देने में लगी है। प्रदेश के 18 चयनित जिलों में अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन होना है। इनमें भी 16 जिलों में भवन निर्माण का काम करीब करीब पूरा हो चुका है। इनमें अगस्त महीने के अंत तक कक्षा 6 के लिए पठन-पाठन शुरू करने की तैयारी है। वहीं बाकी बचे दो विद्यालयों को भी इस साल के अंत तक क्रियाशील किया जा सकता है। 1189.88 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इन 18 रेजिडेंशियल स्कूलों में सभी उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सीबीएसई बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त इन स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा दी जाएगी। अटल आवासीय विद्यालय के महानिदेशक निशा अनंत ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों से बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। हमारा प्रयास है कि अगस्त माह के अंत तक हम 18 में से 16 विद्यालयों में कक्षा 6 में पठन-पाठन का कार्य शुरू करा दें। बाकी बचे दो विद्यालयों में भी इस साल के अंत तक कक्षा 6 में पढ़ाई शुरू हो, इसके लिए विभाग तेज गति से कार्य कर रहा है। प्रदेश में 18 जिलों- आजमगढ़, बस्ती, लखनऊ, अयोध्या, बुलंदशहर (मेरठ), गोंडा, गोरखपुर, ललितपुर (झांसी), प्रयागराज, सोनभद्र (मीरजापुर), मुजफ्फरनगर (सहारनपुर), बांदा, अलीगढ़, आगरा, वाराणसी, कानपुर, बरेली और मुरादाबाद में अटल आवासीय विद्यालय का संचालन होना है। अटल आवासीय विद्यालयों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति प्रक्रिया को भी करीब-करीब पूरा कर लिया गया है। इनमें प्राचार्यों की नियुक्ति 5 अप्रैल तक पूरी हो चुकी है, जबकि प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया को 22 जून को पूरा कर लिया गया है। इसी प्रकार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को 26 जून को पूरा कर लिया गया है। वहीं नॉन टीचिंग स्टाफ के लिए इंटरव्यू प्रक्रिया जारी है, जोकि अंतिम चरण में है। साथ ही सभी स्कूलों के लिए फर्चीनर, मेस सर्विस, फैकल्टी मैनेजमेंट, यूनिफॉर्म और अन्य एसेसिरीज की उपलब्धता को भी जल्द से जल्द पूरी हो जाएगी। ये कार्य भी अंतिम चरण में है। प्रदेश में स्थापित होने जा रहे 18 अटल आवासीय विद्यालयों में जहां मुफ्त हॉस्टल की सुविधा होगी, वहीं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सेंट्रल एकेडमिक टीम की ओर से यूनिक एकेडमिक करिकुलम भी डिजाइन किया गया है। साथ ही कंप्यूटर लैब, साइंस लैब, मैथेमेटिक्स लैब, सोशल साइंस लैब, अटल थिंकरिंग लैब और एक्सपेरिमेंटल लैब की भी सुविधा यहां होगी। विद्यालय परिसर पूरी तरह से हरियाली से परिपूर्ण होंगे।

आइकॉनिक बिल्डिंग के तौर पर हो वाराणसी और गोरखपुर के कमिश्नरी कार्यालयों की पहचान : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने वाराणसी और गोरखपुर में नए कमिश्नरी और कलेक्ट्रेट भवन के संबंध में देखा प्रस्तुतिकरण

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में वाराणसी और गोरखपुर में नए कमिश्नरी और कलेक्ट्रेट भवन के संबंध में प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी और गोरखपुर के कमिश्नरी कार्यालयों की पहचान आइकॉनिक बिल्डिंग के तौर पर होनी चाहिए। इसको ध्यान में रखकर दोनों कार्यालयों को डिजाइन करें। दोनों कमिश्नरी के भवनों में स्थानीय संस्कृति की झलक दिखाई दे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए हमें सभी कार्यालयों को एक जगह पर लाना है। एकीकृत कमिश्नरी कार्यालय का उद्देश्य यह है कि इससे सभी विभागों की मॉनिटरिंग करने में आसानी होगी। एक छत के नीचे सभी कार्यालयों के होने से जनता को भटकना नहीं पड़ेगा। वाराणसी और गोरखपुर कमिश्नरी कार्यालयों को हमें एक मॉडल के तौर पर प्रस्तुत करना है। इससे जनता के बीच एक सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों भवनों का निर्माण ऐसा हो जो व्यवहारिक लगे। कार्यालयों के लिए उतनी ही जमीन उपयोग में लें, जितनी आवश्यक हो। गोरखपुर और वाराणसी विकास प्राधिकरण इस बात का ध्यान रखें कि दोनों एकीकृत कार्यालयों में कॉन्फ्रेंस हॉल, ओपन ऑफिस, क्यूबिकल ऑफिस और स्टोरेज की व्यवस्था हो। साथ ही इन कार्यालयों में बैंक, जिम, कैफेटेरिया और पार्किंग की भी व्यवस्था रहे। कार्यालयों के बन जाने के बाद चरणबद्ध तरीके से गोरखपुर और वाराणसी में सभी कार्यालयों को शिफ्ट करें। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दोनों शहरों के विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया कि मण्डलीय कार्यालयों में वाणिज्यिक और सरकारी कार्यालयों को अलग-अलग रखें। उन्होंने कहा कि दोनों ही शहरों में ट्विन बिल्डिंग के निर्माण कार्य में तेजी लाएं। इसमें एक में सभी सरकारी कार्यालय, जबकि दूसरे भवन का वाणिज्यिक उपयोग किया जाए। इसके अलावा नया भवन बनने के बाद जो भी कार्यालय खाली हों, उनके शिफ्ट कराए गए कार्यालयों की खाली भूमि को 'मोनेटाइज' कर व्यवसायिक उपयोग में लाएं। इस प्रक्रिया को तेजी के साथ आगे बढ़ाया जाए। वाराणसी में भवन निर्माण और डिजाइन बनाने के लिए आईआईटी बीएचयू का भी सहयोग लिया जाए। अधिवक्ताओं के बैठने के लिए समुचित व्यवस्था हो। जनता, अधिकारी कर्मचारी और अधिवक्ताओं की गाड़ियों की पार्किंग की व्यवस्था होनी चाहिए और इनके लिए एंट्री एवं एग्जिट की अलग अलग व्यवस्था होनी चाहिए।

मेवात हिंसा के खिलाफ हिंदूवादी संगठनों ने प्रदर्शन कर कट्टरपंथी जिहादी मानसिकता का पुतला फूंका

गाजियाबाद, (हि.स.)। हरियाणा के नूंह जिले के मेवात इलाके से शुरू हुई हिंसा के खिलाफ जिले में हिन्दूवादी संगठनों के देश व्यापी विरोध प्रदर्शन के आह्वान पर कार्यकर्ता बुधवार को सड़कों पर उतर आए। उन्होंने जमकर प्रदर्शन किया और कट्टरपंथी मानसिकता का पुतला फूंक कर आक्रोश प्रकट किया। बजरंग दल के महानगर अध्यक्ष आलोक गर्ग के नेतृत्व में तमाम हिंदूवादी संगठनों ने विरोध प्रदर्शन करके कट्टरपंथी जिहादी मानसिकता का पुतला फूंका। बजरंग दल के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता नवयुग मार्केट में एकत्र हुए और वहां से पैदल चलते हुए पुराना बस अड्डा के पास संतोष अस्पताल के सामने पुतला दहन किया। विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष आलोक गर्ग ने कहा कि श्रावण में प्रतिवर्ष किसी भी सोमवार पर मेवात के अंदर भगवान शंकर का आशीर्वाद लेने के लिए महाभारत कालीन पांच मंदिरों में श्रद्धालु जाते हैं। लगभग 20 से 25 हजार लोग पहुंचे हुए थे। यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं पर उपद्रवियों ने धारक हथियारों से गोलियां और घरों से पत्थर बरसाने तथा आगजनी शुरू कर दी। श्रद्धालुओं ने पीछे हटने का प्रयास किया तो पीछे से भी पत्थर व गोलियां बरस रही थीं। उपद्रवियों ने श्रद्धालुओं पर पेट्रोल बम फेंके। श्रद्धालु किसी तरह नलहड़ महादेव के मंदिर में वापस पहुंचे तो कुछ ही देर में उपद्रवियों की भीड़ वहां भी पहुंच गई। विभाग संयोजक नीरज ने आरोप लगाया कि इस घटना के जिम्मेदार लोग जेहादी मानसिकता के हैं। इनके खिलाफ सख्त करवाई होनी चाहिए।

विपक्षी गठबंधन के पास पीएम के चेहरे की कमी नहीं : शिवपाल

बलिया, (हि.स.)। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमारे गठबंधन आईएनडीआईए के पास प्रधानमंत्री पद के लिए चेहरा नहीं है। इस गठबंधन के सभी दलों के पास एक से बढ़ कर एक नेता हैं। देश के लिए इन सभी नेताओं को योगदान दिया है। प्रधानमंत्री का चेहरा गठबंधन ही तय करेगा। शिवपाल यादव ने बुधवार को फेफना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 2024 में हम इंडिया गठबंधन से लड़ेंगे। पूर्वांचल से लड़ाई का आगाज कर दिया गया है। हम सभी जिलों में ठहर कर कार्यकताओं के संगठन को मजबूत कर रहे हैं। कम से कम 50 सीटे जीतेंगे। सपा चुनाव को लेकर पूरी तरह से तैयार है। संगठन को मजबूत करने में लगे हैं। यादव ने कहा कि एनडीए को हम बसपा के साथ मिलकर नहीं रोक पाए थे। कुछ चूक हुई थी, हालांकि संगठन मजबूत हुआ। मायावती भाजपा के साथ हैं। बोले, जयन्त चौधरी सहित अन्य लोगों के खिलाफ भाजपा झूठा प्रचार कर रही है। बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे विधायक अब्बास अंसारी को लेकर कहा कि अभी वे सुभसपा के विधायक हैं। समाजवादी पार्टी का दरवाजा खुला है। राष्ट्रीय अध्यक्ष तय करेंगे। भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि उप्र में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। बिजली की समस्या से लोग बेहाल हैं। शहरों में गंदगी का अंबार है। भाजपा के नौ साल बेमिसाल नारे पर सवाल उठाते हुए कहा कि हम अपने काम गिनाने लग जाएं तो घण्टों लग जाएंगे। भाजपा सभी मोर्चों पर फेल है। ये लोग झूठे नारे अच्छी तरह से देते हैं। सवाल किया कि भाजपा के लोग नौ वर्ष में एक काम बेहतर बता दें। जनता से चूक होने के कारण आज तमाम समस्याएं हो रही हैं। भजपा ने जो किया वह हम नहीं कर सकते। ये लोग तमाम संस्थाएं बेच रहे हैं। जिससे किसान युवा व्यापारी व आमजन भुगत रहा है। शिवपाल ने कहा कि शोषण की लड़ाई सपा के कार्यकर्ता लड़ेंगे।

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से खफा युवाओं ने किया बुद्धि-शुद्धि यज्ञ

वाराणसी, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य अपने विवादास्पद बयान को लेकर फिर सनातनी युवाओं के निशाने पर है। बुधवार को विश्व वैदिक सनातन संघ वाराणसी महानगर शाखा के कार्यकताओं ने क्षेत्रीय युवाओं के साथ मिलकर खोजवा सरायनंदन स्थित प्राचीन शिव मन्दिर में स्वामी प्रसाद मौर्य के बुद्धि-शुद्धि के लिए यज्ञ किया। यज्ञ के बाद महानगर अध्यक्ष प्रिन्स केशरी ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के स्वस्थ दृष्टी की कामना के लिए यज्ञ किया गया। मौर्य जिस पवित्र हिन्दू तीर्थ स्थल बद्रीनाथ धाम की बात कर रहे है वह धाम अलकनंदा नदी के पास बसा हुआ है। जिसमें एक तरफ नर पर्वत और दूसरी ओर नारायण पर्वत है। वहां आदि शंकराचार्य ने मंदिर निर्माण कराया था। हमलोगों ने बाबा आदि विशेश्वर और मां सरस्वती से प्रार्थना करते है कि मौर्य को जल्द से जल्द सद्बुद्धि प्रदान करे। अन्य वक्ताओं ने कहा कि ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे को लेकर गुरूवार को हाईकोर्ट का निर्णय भी आने वाला है। इसको लेकर भी महादेव से प्रार्थना की गई। जो भी फैसला आए वह सनातन धर्म के पक्ष में ही आए। गौरतलब हो कि हाल में ही स्वामी प्रसाद मौर्य ने विवादास्पद बयान दिया था कि केदारनाथ, बद्रीनाथ और जगन्नाथ धाम समेत बड़ी संख्या में तीर्थस्थल बौद्ध मठों को तोड़कर बनाए गए हैं। अगर भाजपा के लोग हर मंदिर में मस्जिद ढूंढने का काम करेंगे तो हर मंदिर में बौद्ध मठ भी ढूंढा जाएगा। इसलिए देश में भाईचारा कायम रखने के लिए जरूरी है कि सभी धार्मिक स्थलों का स्वरूप वैसा ही रहने देना चाहिए, जैसा कि 15 अगस्त 1947 को था।

राशि बढ़ाने का लालच देकर आनलाइन 1.33 करोड़ की ठगी, रकम आतंकी समूह के खाते में पहुंचाई

रांची, (हि.स.)। रांची में धुर्वा थाना क्षेत्र के रहने वाले नवीन कुमार वर्मा से 1.33 करोड़ की ठगी का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में नवीन ने सीआईडी के साइबर थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि नवीन कुमार वर्मा से क्रिप्टो करेंसी बाजार में राशि बढ़ाने के नाम पर 1.33 करोड़ की ठगी कर ली गई है। साइबर अपराधियों के द्वारा ठगी किए गए रुपये को लेबनान स्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह की संचालित खाते में भेजी गई है। पुलिस ने इस मामले की जांच सीआईडी की साइबर सेल को सौंप दी है। इसकी पुष्टि साइबर थाना डीएसपी नेहा बाला ने बुधवार की है। पुलिस में दी गई शिकायत के मुताबिक ट्रेडिंग के दौरान जब उनका फंड एक लाख 47 हजार 68 (यूएस डॉलर) था। उस समय कंपनी के चीफ एनालिस्ट मिस्टर मार्क की ओर से उन्हें यह प्रस्ताव दिया गया कि वह पांच प्रतिशत कमीशन पर तीन दिन का कॉन्ट्रेक्ट उनके साथ करते हैं, तो वह उनकी जमा राशि को काफी अधिक बढ़ा देंगे। इसके बाद नवीन ने मार्क के साथ तीन दिन का कॉन्ट्रेक्ट किया। साथ ही जमा राशि बढ़कर एक लाख 95 हजार 28 यूएस डॉलर हो गयी। नवीन ने मार्क को उसका कमीशन भी दिया लेकिन जब वह 52 हजार यूएस डॉलर की निकासी करने गया तब इस राशि की निकासी नहीं हो पाई।

तब उन्हें समझ में आ गया कि उनके साथ साइबर ठगी हुई है। इसके बाद वह सीधे साइबर थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराया। मामला सामने आने के बाद साइबर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। नवीन ट्रेड पीसीपी क्ववाइन नाम की बेवसाइट के जरिए ट्रेडिंग शुरू की थी। इसमें पहले उसने यूपीआई के जरिए खाते में पैसे ट्रांसफर किए। इसके बाद यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) खरीदा। इस तरह उसने 1.33 करोड़ रुपये के 1.42391 लाख क्रिप्टो करेंसी की खरीदारी की। इसके बाद उसे ए-16-जेड कंपनी के एनालिस्ट ने व्हाट्सएप ग्रुप पर बिटकॉइन के भाव घटाने या बढ़ाने को लेकर ऑफर दिया। उसने बताया कि कंपनी व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए निवेशकों को राशि बढ़ाने के माध्यम से सुझाव देती थी। साथ ही कंपनी ने निवेशकों को वित्तीय हानि पर 50 प्रतिशत नुकसान की भरपाई करने का आश्वासन भी देती थी।

व्यवसायी विष्णु अग्रवाल ईडी के पांच दिनों की रिमांड पर

रांची, (हि.स.)। बरियातू रोड स्थित चेशायर होम रोड स्थित एक एकड़ की जमीन खरीद मामले में गिरफ्तारी के बाद जेल भेजे गए व्यवसायी विष्णु अग्रवाल से ईडी पांच दिनों तक पूछताछ करेगी। ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट ने विष्णु अग्रवाल से पूछताछ के लिए पांच दिनों की रिमांड दी है। ईडी के रिमांड मांगे जाने का विष्णु अग्रवाल के अधिवक्ता ने विरोध किया लेकिन ईडी की ओर से मौजूद विशेष लोक अभियोजक रमित सतेंद्र ने अदालत को बताया कि जमीन घोटाले से जिन लोगों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है, उनमें विष्णु अग्रवाल भी शामिल हैं। उनसे पूछताछ में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने विष्णु अग्रवाल को पांच दिनों के लिए ईडी रिमांड की मंजूरी दे दी। इससे पूर्व मंगलवार को विष्णु अग्रवाल से ईडी ने पूछताछ के लिए सात दिनों की रिमांड की मांग की थी। विष्णु अग्रवाल पर चेशायर होम रोड की एक एकड़ की जमीन गलत ढंग से खरीदने का आरोप है।

झारखंड विधानसभा में ऊंगली दिखाने पर आपस में उलझे विधायक सुदिव्य और ढुल्लू

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन बुधवार को अपने निर्धारित समय पर सदन शुरू हुआ। इस दौरान भाजपा के विधायक सदन के भीतर हंगामा करते रहे। नारेबाजी करते रहे। इसी बीच विधायक सुदिव्य सोनू और ढुल्लू महतो आपस में उलझ गए। विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने समझाया। हंगामा बढ़ता गया तो विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को 20 मिनट के लिए रोक दिया। 20 मिनट के बाद जब सदन शुरू हुआ तो भाजपा विधायक फिर हंगामा करने लगे। इस वजह से सदन की कार्यवाही महज पांच मिनट चलने के बाद 12.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन सदन शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान भाजपा के विधायक हल्ला कर रहे थे। भाजपा की ओर से विधायक ढुल्लू महतो ने सदन में कहा कि पीरटांड इलाके के तीन महीने में सैकड़ों लोग मर चुके हैं। हाल में कोयला में दबकर लोगों की मौत हुई। मरने वाले सभी आदिवासी हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को गलत तरीके से माइग्रेट कर उनसे काम लिया जा रहा है। इस वजह से उनकी मौत हो रही है। इसकी जांच करायी जाए। इसी बात को लेकर झामुमो विधायक सुदिव्य सोनू और भाजपा विधायक ढुल्लू महतो आपसे में उलझ गए। इस दौरान ढुल्लू ने आवेश में आकर सुदिव्य सोनू को ऊंगली दिखायी। इस पर संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने स्पीकर से आग्रह किया कि ऊंगली दिखाना बंद कराएं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह असंसदीय व्यवहार है। विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा विधायक ढुल्लू महतो को कई बार समझाया। दोनों आपसे में उलझ गए। इसके बाद बढ़ते हंगामे को देखते हुए सदन को 20 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया। सदन शुरू होने से पहले सत्ता पक्ष के विधायक, मंत्री हाथों में तख्तियां लिए सदन की सीढ़ियों पर बैठ गए। हाथों में किसानों के हितों की बात लिखी तख्तियां हैं। इस आंदोलन को लेकर श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा है कि भारत सरकार राज्य के किसानों के साथ ठीक नहीं कर रही है। सौतेला व्यवहार कर रही है। राज्य के किसानों की स्थिति को देखते हुए आकलन कर राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को लगभग 11 सौ करोड़ रुपये की मांग की थी पर केंद्र केवल 502 करोड़ रुपये दे रही है। उन्होंने कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार न करते हुए जितनी राशि मांगी है, उतना दे।

विहीप के ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा पर हुए हमले ने समस्त हिंदू समाज को किया सतर्क : मनोज सोनी

अररिया (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा सोमवार को नल्हर महादेव शंकर का रुद्राभिषेक के लिए निकाली गई ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा पर हुआ हमला देश के समस्त हिंदू समाज के लिए चिंता का विषय है। उक्त बातें बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने प्रेस बयान जारी कर आज कहा। उन्होंने कहा हरियाणा प्रांत के मेवात में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा चार साल से लगातार भगवान शंकर का रुद्राभिषेक के लिए यात्रा निकाली जाती है। सोमवार को यात्रा प्रारंभ होने के 15 मिनट बाद ही यात्रा पर दूसरे समुदाय के द्वारा हमला कर पत्थरबाजी शुरू कर दिया गया। यहां तक की हमलावरो ने पेट्रोल बम के साथ बड़े हथियार मोटर से भी हमला किया। जिसमें कई कार्यकर्ता को गोली लगने से उसकी मौत हो गई। संगठन के कार्यकताओं की लगभग 90 से ऊपर गाड़ियों को हमलावरों ने आग के हवाले कर दिया।श्री सोनी ने कहा आखिर देश में हो क्या रहा है अल्पसंख्याक के नाम पर देश में आतंक का खेल कब तक चलेगा। हिंदुओं के सब्र का इंतिहान कब तक लिया जाता रहेगा हिन्दुओं के धार्मिक तीर्थ स्थल मठ, मन्दीर रैली, यात्रा में ही हमला और हिंदू नेताओं की हत्या कब तक होती रहेगी।मनोज सोनी ने सरकार से मांग की कि घटना में संलिप्त विधर्मी का एनकाउंटर कर उसकी खात्मा की जाय।उन्होंने हरियाणा के भाजपा के खट्टर सरकार के बावजूद हिंदुओं पर हमले को लेकर सवाल खड़ा किया।

लनामिवि के गैर जिम्मेदाराना रवैया से परेशान हैं छात्र परेशान : अभाविप

बेगूसराय, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बेगूसराय नगर इकाई के कार्यकताओं ने आज जीडी कॉलेज में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति और परीक्षा नियंत्रक का पुतला दहन किया। कॉलेज अध्यक्ष प्रहलाद कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। मौके पर उपस्थित विभाग संयोजक सोनू कुमार एवं जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि विगत दिनों स्नातक तृतीय खंड का परीक्षा परिणाम और स्नातक प्रथम खंड का प्रवेश पत्र जारी हुआ है। स्नातक तृतीय खंड के परिणाम में हजारों छात्र-छात्राओं का रिजल्ट पेंडिग और प्रोमोट कर दिया गया है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जान बूझकर छात्र-छात्राओं को परेशान किया जा रहा है। छात्र-छात्रा विश्वविद्यालय और कॉलेज का चक्कर लगाने को मजबूर हैं, दोनों जगह कोई उनका सुनने वाला नहीं है। कल जब स्नातक प्रथम खंड का प्रवेश पत्र जारी हुआ तो पहले की तरह ही किसी छात्र-छात्राओं कि फोटो नहीं लगा है तो किसी में परीक्षा तिथि अंकित नहीं है। किसी के प्रवेश पत्र पर अतिरिक्त विषय अंकित किया है तो किसी का जारी ही नहीं किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। कॉलेज अध्यक्ष प्रहलाद कुमार एवं उपाध्यक्ष रौशन कुमार ने कहा कि परीक्षा नियंत्रक के गैर जिम्मेदाराना रवैया की वजह से आज यह स्थिति उत्पन्न हुई है। जो संभल नहीं रहा है। छात्र नेता बंटी गौतम एवं कॉलेज मंत्री कौशिक कुमार ने कहा कि कागजों पर ही 75 प्रतिशत उपस्थिति को बात है, जबकि हकीकत में मुश्किल से एक प्रतिशत छात्र-छात्रा पढ़ने आते हैं। महाविद्यालय सिर्फ नामांकन ,परीक्षा लेने का केंद्र मात्र रह गई है। इस डिग्री से छात्र-छात्रा क्या हासिल कर रहे हैं।

ऐतिहासिक होगा स्वतंत्रता दिवस समारोह : पीयूष

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर एसडीओ ने किया बैठक

नवादा , (हि .स.)। नवादा जिले के रजौली अनुमंडल मुख्यालय क्षेत्र में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह को कार्यक्रम की तैयारी को लेकर एसडीओ आदित्य कुमार पीयूष की अध्यक्षता में बुधवार को अनुमंडल सभागार में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर झंडोत्तोलन को लेकर विचार विमर्श किया गया। एसडीओ पीयूष ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह ऐतिहासिक होगा ।इसके लिए व्यापक योजना तैयार कर ली गई है ।बैठक के दौरान कार्यपालक दंडाधिकारी सरस्वती कुमारी, भूमि उपसमाहर्ता जफर हसन,अवर निबंधक पदाधिकारी नरेश कुमार विश्वकर्मा,लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी संतन कुमार सिंह,बीडीओ अनिल मिस्त्री एवं थानाध्यक्ष पवन कुमार मौजूद रहे। एसडीओ ने बताया कि प्रत्येक साल की भांति इंटर विद्यालय रजौली में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन किया जायेगा। एसडीओ ने बताया कि प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय रजौली की छात्राएं इंटर विद्यालय रजौली में आयोजित मुख्य समारोह स्थल पर अनुमंडल कार्यालय रजौली तथा प्रखंड कार्यालय रजौली में राष्ट्रीय गान प्रस्तुत करेंगी ।पुलिस विभाग से डीएपी एवं सैप बल का एक-एक दस्ता के अलावे विद्यालयों के छात्र-छात्राएं संयुक्त रूप से परेड करेंगे एवं राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देंगे। इस वर्ष कस्तूरबा विद्यालय एवं राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी सुबह 6 बजे से आरंभ होकर सुबह 7 बजे अनुमंडल पदाधिकारी के आवास पर समाप्त होगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 20-20 क्रिकेट मैच प्रशासनिक पदाधिकारी एवं आम जनता के द्वारा चयनित खिलाड़ियों के बीच दिन में 2 बजे कराया जाएगा। बीडीओ अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रेष्ठ कर्मी का प्रस्ताव देंगे जिन्हें सम्मानित किया जा सके। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन 8 अगस्त से 15 अगस्त तक अनुमण्डल क्षेत्र में किया जाएगा। एसडीओ ने बताया कि विभिन्न प्रखंडों में खेलकूद,कला,संगीत,समाज सेवा, कृषि, सहकारिता,उधमिता एवं सरकारी कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों की अनुशंसा हेतु संबंधित क्षेत्र के प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है। बैठक के दौरान मौके पर भाजपा रजौली मंडल अध्यक्ष गौरव शांडिल्य उर्फ गगन,रजौली इंटर विद्यालय के पूर्व प्राचार्य बालकृष्ण यादव, नगर पंचायत मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार,रजौली पश्चिमी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विनय सिंह,जदयू प्रखंड अध्यक्ष डॉ सुनीता देवी,अधिवक्ता संजय सिंह,समाज सेवी सफीर आलम के साथ अन्य कई शिक्षकगण एवं समाजसेवी लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

साल भर पर्यटन

हिमाचल में पर्यटन कभी चालबाज की तरह फलते-फूलते सीजन को उधेड़ लेता है, तो कभी पर्यटन की मासूमियत में सारी क्षमता विद्रूप हो जाती है। जिन्होंने सुना या जिन खबरों ने हिमाचल की बरसात के घातक अंदाज को सिरफिरा घोषित कर दिया, उनके परिणामों का सिफर ओढ़कर सारे होटल, रेस्तरां, ढाबे व गिफ्ट सेंटर उदास हैं। सबसे भयावह परिदृश्य में कुल्लू घाटी का सफर घाटे के पर्यटन की इत्तिला दे रहा है। बेरौनक के खंजर कमोबेश हर पर्यटक स्थल को नोच चुके हैं। हिमाचल पर्यटन के अतिवादी दृष्टिकोण को वर्ष भर सक्रिय बनाने की आचार संहिता बनानी होगी। बेशक हम बरसात पर्यटन के चूल्हे को ठंडा मानकर दरों को कम कर रहे हैं। आधी दरों में बड़े से बड़े होटल कुर्बान हैं, तो यह मौसम सोचने का है। ऐसा नहीं है कि हिमाचल के हर इलाके में बरसात का कहर है, लेकिन सतर्कता के साथ पर्यटन सहूलियतों की प्रस्तुति की जोरदार वकालत होनी चाहिए। मैदानी इलाकों में ग्रीष्म कालीन अवकाश ने हिमाचल का रोआं-रोआं पर्यटन से भरना शुरू कर दिया है। इस आदत ने तथाकथित पर्यटन सीजन को बिगड़ैल बना दिया है। जरूरत है कि हम इस क्षमता को साल भर के लिए बचा कर रखने का उपाय सोचें। पर्यटन क्षेत्र में चार दिन की चांदनी होने से पूरा उद्योग भूखा प्यासा रहेगा, बल्कि इसके कारण हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के बीच मुकाबले में प्रदेश की छवि क्यों परास्त होती है, इसके ऊपर भी विचार करने की आवश्यकता है। पर्यटन का वार्षिक कैलेंडर न मनाली, न अटल टनल और न ही शिमला जैसे स्थलों पर मुकम्मल होगा, बल्कि जब हम ऊना, हमीरपुर, सिरमौर या कांगड़ा के मैदानी इलाकों में पर्यटन को तराशेंगे, तो साल भर सैलानी आएंगे। वे सर्दी, गर्मी, बरसात, बसंत या किसी न किसी विशेष उद्देश्य से आएं, इस लिहाज से हिमाचल को अपनी नई मंजिलें निर्धारित करनी होंगी। हिमाचल में पर्यटन के मौजूदा व बदलते चरित्र को समझने की भी आवश्यकता है। जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर या देश के पर्यटन में हो रहा है, उसके साथ या उससे हटकर हमें अपनी विविधता में क्षमता व संभावनाएं बढ़ानी होंगी। ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी व सिरमौर के मैदानी इलाके पर्यटन को साल भर के कैलेंडर में सराबोर कर सकते हैं। बेशक वर्तमान की कुछ परिकल्पना दिखाई देती है या इससे पहले पूर्व सरकारों ने भी निचले क्षेत्रों में इक्का दुक्का प्रयत्न किए, लेकिन ये कार्य उस अधोसंरचना की मांग करते हैं, जो साल भर के पर्यटन को प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सींचे। हिमाचल में युवा, छात्र, सांस्कृतिक, धरोहर व धार्मिक पर्यटन के जरिए यह खाका खींचा जा सकता है। हिमाचल अगर अपने 750 स्कूलों के वोकेशनल छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण पर देश भर में ले जा सकता है, तो देश के तमाम छात्रों के हिमाचल भ्रमण को सुदृढ़ करने के लिए हमें अपनी विशिष्टता दर्ज करनी होगी। ऐसे में अगर नादौन से भोटा के बीच एक साइंस सिटी विकसित की जाए, तो छात्र एवं नालेज पर्यटन की दृष्टि से हिमाचल की पर्यटन हिस्सेदारी बढ़ जाएगी। अगर हमारे विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर की खेल, सांस्कृतिक तथा वैचारिक गतिविधियों को पर्यटन की दृष्टि से नियमित व पारंगत करें, तो साल भर का पर्यटन विकसित होगा। अगर सिने पर्यटन की दृष्टि से शूटिंग स्थल विकसित किए जाएं तथा आधुनिक सुविधाओं, उपकरणों तथा फिल्म प्रोडक्शन के हिसाब से गरली-परागपुर की धरोहर इमारतों के साथ फिल्म सिटी का प्रारूप विकसित करें, तो साल भर पर्यटन आबाद रहेगा। यदि तमाम धार्मिक परिसरों को सांस्कृतिक गतिविधियों, गीत-संगीत सम्मेलनों तथा पौराणिक नृत्य शैलियों के प्रमुख केंद्र के रूप में निखारा जाए, तो मंडी छोटी काशी नहीं, हिमाचल की सांस्कृतिक राजधानी और हर मंदिर हमारे लोक संगीत की विरासत से सैलानियों को निरंतर खींच पाएंगे। मार्च से जून तक हिमाचल के पर्यटन का कोई सानी नहीं, अक्तूबर से फरवरी तक त्योहार और बर्फ का इंतजार कुछ हद तक इसे खींच ले, तो भी जुलाई, अगस्त और सितंबर का अंतर मिटाने की जरूरत रहेगी।

हिमाचल पर्यटन के अतिवादी दृष्टिकोण को वर्ष भर सक्रिय बनाने की आचार संहिता बनानी होगी। बेशक हम बरसात पर्यटन के चूल्हे को ठंडा मानकर दरों को कम कर रहे हैं। आधी दरों में बड़े से बड़े होटल कुर्बान हैं, तो यह मौसम सोचने का है। ऐसा नहीं है कि हिमाचल के हर इलाके में बरसात का कहर है, लेकिन सतर्कता के साथ पर्यटन सहूलियतों की प्रस्तुति की जोरदार वकालत होनी चाहिए। मैदानी इलाकों में ग्रीष्म कालीन अवकाश ने हिमाचल का रोआं-रोआं पर्यटन से भरना शुरू कर दिया है। इस आदत ने तथाकथित पर्यटन सीजन को बिगड़ैल बना दिया है। जरूरत है कि हम इस क्षमता को साल भर के लिए बचा कर रखने का उपाय सोचें। पर्यटन क्षेत्र में चार दिन की चांदनी होने से पूरा उद्योग भूखा प्यासा रहेगा, बल्कि इसके कारण हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के बीच मुकाबले में प्रदेश की छवि क्यों परास्त होती है, इसके ऊपर भी विचार करने की आवश्यकता है।

कुछ अलग

एक और सांप्रदायिक हमला

हमने बीते कल ही सांप्रदायिक हिंसा, उन्मादी भीड़ और सौहार्द पर सवाल करता विश्लेषण छापा था। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानवापी विवाद पर एक हिन्दूवादी बयान दे दिया, जबकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला 3 अगस्त को आना है। ज्ञानवापी के भीतर त्रिशूल, घंटियां, कुंड, स्वास्तिक आदि चिह्न दीवारों पर अंकित हैं। देव-प्रतिमाएं भी बनी हैं। योगी ने स्पष्ट कर दिया कि ज्ञानवापी मंदिर था अथवा मस्जिद है! ये तमाम ज्ञात तथ्य हैं, क्योंकि अदालत द्वारा नियुक्त दो कमिश्नरों के नेतृत्व में सर्वे कराए गए थे, लेकिन उन्हीं आधारों पर करीब 400 साल पुराना मंदिर-मस्जिद विवाद सुलझाया नहीं जा सकता। जाहिर है कि योगी के बयान के पीछे सांप्रदायिक मानसिकता काम कर रही थी, ताकि उसी आधार पर ध्रुवीकरण कराया जा सके। हमारा देश सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता में बंटा है। हालांकि उनके पैरोकारों को उनके मायने भी ज्ञात नहीं हैं। वे इन दो शब्दों, दो धारणाओं की स्पष्ट व्याख्या भी नहीं कर सकते। इसी दौरान हरियाणा के मेवात इलाके के नूंह जिले में सांप्रदायिक हिंसा ने उन्मादी नाच दिखाया। करीब 100 वाहन जला दिए गए। तोड़-फोड़ भी की। होम गार्ड के 2 जवानों समेत तीन की मौत हो गई। 50 से ज्यादा पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोग घायल हुए हैं। कुछ की अवस्था गंभीर बताई गई है। उपद्रवियों ने दुकानों में लूटपाट और आगजनी की है। नूंह की सीमाएं सील कर धारा 144 लागू करनी पड़ी है। सांप्रदायिक चिंगारियां गुरुग्राम, पलवल, सोहना, फरीदाबाद तक पहुंची हैं, लिहाजा उन इलाकों में भी अलर्ट चस्पां किया गया है। इंटरनेट और एसएमएस सेवाएं फिलहाल बुधवार 2 अगस्त, रात्रि 12 बजे तक, बंद की गई हैं। तीन अन्य जिलों से पुलिस बल मंगवाया गया है। अद्र्धसैनिक बलों की 20 कंपनियां भी तैनात की जा रही हैं। इलाके में सांप्रदायिक तनाव है। गोलीबारी और पथराव की घटनाएं रुक-रुक कर हो रही हैं। बेशक मेवात का इलाका एक 'चक्रव्यूह' की तरह है और यह 'चक्रव्यूह' मुसलमानों का बुना हुआ है। इलाके की करीब 80 फीसदी आबादी मुस्लिम है और शेष 20 फीसदी आबादी हिन्दुओं समेत अन्य समुदायों की है। मेवात साइबर अपराध का घेरेबंदी वाला अड्डा भी है। यहां की अल्पशिक्षित जमात साइबर अपराधों के जरिए लाखों की फिरौतियां वसूलती है, लेकिन ज्यादातर अपराधी कानून और पुलिस की गिरफ्त से बहुत दूर हैं। अहम और चिंतित सवाल तो यह है कि सांप्रदायिक हमला क्यों किया गया? भीड़ इतनी उन्मादी और जहरीली क्यों हो गई? यह फितरत कब बदलेगी? आखिर सांप्रदायिक उन्माद का सबब क्या है? दरअसल सावन के महीने में भगवान शंकर की शोभा-यात्रा हर साल निकाली जाती है। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी सरीखे हिन्दू संगठनों की 'ब्रजमंडल यात्रा' में शिरकत भी एक परंपरा है। इस बार शोभा-यात्रा पर जो पथराव किया गया, सांप्रदायिक हमला किया गया, वह 'अभूतपूर्व' था। यह विश्लेषण भी किया जा रहा है कि हरियाणा के भिवानी में जिन दो मुस्लिम युवाओं को जला कर मार दिया गया था और मोनू मानेसर को मुख्य आरोपित तय किया गया था, यह हमला नासिर-जुनैद की हत्या का प्रतिशोध था। मृतक मुस्लिम नौजवानों पर गो-तस्करी का आरोप था। एक वीडियो के जरिए प्रचारित किया गया था कि मोनू मानेसर भी शोभा-यात्रा में शामिल हो सकता है, लिहाजा हमले की व्यूह-रचना पहले से ही तैयार की गई।

देश की महिलाएं मध्ययुग से भी ज्यादा सामंती सोच, असंवेदना, असुरक्षा, हिंसा, वीभत्स अपराधों और हवस की शिकार बन रही

आगे बढ़ता भारत आखिर महिलाओं और बच्चियों की रक्षा क्यों नहीं कर पा रहा है?

ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की ओर से संकलित आंकड़ों के अनुसार 2019 से 2021 के बीच यानी मात्र तीन वर्षों में देश भर में 13 लाख से अधिक लड़कियां और महिलाएं लापता हुई हैं। इन लापता होने वाली लड़कियों और महिलाओं में दलित, आदिवासी जनजाति की संख्या ज्यादा है। एक आदिवासी महिला के देश के राष्ट्रपति होने के बावजूद महिलाओं पर बढ़ते अपराध एवं लापता होने की घटनाएं अधिक चिन्ता का सबब है। विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर एवं दुनिया की तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले देश की महिलाएं मध्ययुग से भी ज्यादा सामंती सोच, असंवेदना, असुरक्षा, हिंसा, वीभत्स अपराधों और हवस की शिकार बन रही हैं।

मणिपुर में 19 जुलाई को दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर गांव में घुमाने का वीडियो वायरल हुआ था, उस घटना ने देश-विदेश के सभ्य समाजों को झकझोर दिया है। अब ऐसी ही एक घटना पश्चिम बंगाल के मालदा में सामने आई है। यहां भीड़ ने दो महिलाओं की पिटाई की, फिर उन्हें अर्धनग्न कर दिया गया। यह घटना मालदा के बामनगोला पुलिस स्टेशन के पाकुआ हाट इलाके में हुई। दोनों पीड़ति महिलाएं आदिवासी हैं। जब उनकी पिटाई हो रही थी और कपड़े उतारे जा रहे थे तो पुलिस वहां मूकदर्शक बनी खड़ी हुई थी। बात केवल आदिवासी महिलाओं की नहीं है, बात केवल महिलाओं पर हो रहे अपराधों, यौन-उत्पीड़न, बलात्कार, हिंसा की भी नहीं है, बल्कि अधिक विचलित करने वाली बात महिलाओं एवं बच्चियों के लापता होने की है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की ओर से संकलित आंकड़ों के अनुसार 2019 से 2021 के बीच यानी मात्र तीन वर्षों में देश भर में 13 लाख से अधिक लड़कियां और महिलाएं लापता हुई हैं। इन लापता होने वाली लड़कियों और महिलाओं में दलित, आदिवासी जनजाति की संख्या ज्यादा है। एक आदिवासी महिला के देश के राष्ट्रपति होने के बावजूद महिलाओं पर बढ़ते अपराध एवं लापता होने की घटनाएं अधिक चिन्ता का सबब है। विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर एवं दुनिया की तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले देश की महिलाएं मध्ययुग से भी ज्यादा सामंती सोच, असंवेदना, असुरक्षा, हिंसा, वीभत्स अपराधों और हवस की शिकार बन रही हैं। आज जब देश में हर मुद्दे पर बहस छिड़ जाना आम बात हो गई है, दर्जनों टी.वी. चैनल एक से ही सवाल पर घंटों बहस करते हैं, आम चुनाव की चौखट पर खड़े देश के राजनीतिक दल ज्वलंत मुद्दों के नाम पर सरकार को घेरने की तलाश में रहते हैं तो इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं के लापता होने एवं यौन-उत्पीड़न के सवाल पर बहस क्यों नहीं छेड़ी जाती? बहस इस बात पर भी होनी चाहिए कि दिल्ली के निर्भया कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित कानूनों को कठोर किया गया लेकिन कानून बन जाने के बाद भी स्थितियां क्यों नहीं सुधरी हैं? चिन्ता का कारण है कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में कोई विशेष कमी आती नहीं दिख रही है। वे पहले की ही तरह यौन अपराधियों का शिकार बन रही हैं, लापता हो रही है। छेड़छाड, बलात्कार, अपहरण, लापता होने और दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बड़ा प्रश्न है कि तमाम कानून एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं होने के बावजूद आखिर इतनी बड़ी संख्या में लड़कियां और महिलाएं कहां गायब हो रही हैं? यह वह प्रश्न है, जिसका उत्तर नीति-नियंताओं के साथ ही समाज को भी देना होगा, क्योंकि यह ऐसा मामला नहीं, जिसके

लिए केवल सरकारों को कठघरे में खड़ा कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाए। गायब होती लड़कियों और महिलाओं के मामले में समाज भी उत्तरदायी है। स्वयं को देश का भाग्य निर्माता मानने वाले राजनीतिक दल भी इसके दोषी हैं। इन सबको अपने अंदर झांकना होगा और स्वयं से यह प्रश्न करना होगा कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि देश के कई हिस्सों में अभी बालक-बालिकाओं का अनुपात संतुलित नहीं हुआ है, क्योंकि कन्या भ्रूण हत्या का सिलसिला कायम है। यह सिलसिला कानूनों को कठोर करने के बाद भी कायम है। गायब होने वाली लड़कियों में अच्छी-खासी संख्या नाबालिग लड़कियों की भी है। इसका मतलब है कि नारी सुरक्षा का मामला बहुत ही गंभीर है। यह मानने का कोई कारण नहीं कि 2021 के बाद स्थितियों में सुधार आया होगा, क्योंकि लड़कियों और महिलाओं के लापता होने या उनका अपहरण किए जाने अथवा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के समाचार आए दिन आते ही रहते हैं। महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में महिलाओं को लेकर गलत धारणा है कि महिलाएं या बेटियां शोषण एवं उत्पीड़न के लिये ही हैं। एक विकृत मानसिकता भी कायम है कि वे भोग्य की वस्तु है? उन्हें पांव के नीचे रखा जाना चाहिए। यों लापता होने की घटनाएं आए दिन होने वाले जघन्य अपराधों की ही अगली कड़ी है, मगर यह पुरुषवादी सोच और समाज के उस ढांचे को भी सामने करती है, जिसमें महिलाओं की सहज जिंदगी लगातार मुश्किल बनी हुई है, संकटग्रस्त एवं असुरक्षित है। भले ही महिलाओं ने अपनी जंजीरों के खिलाफ बगावत कर दी है, लेकिन देश में ऐसा वर्ग भी है जहां आज भी महिलाएं अत्याचार का शिकार होती है। देश के अन्य हिस्सों की ही भांति गुजरात एवं मध्य प्रदेश में आदिवासी महिलाएं बड़ी संख्या में लापता हो रही हैं। भले एक खास महिला वर्ग ने आर्थिक मोर्चे पर आजादी हासिल की है, लेकिन एक बड़ा महिला वर्ग आज भी पुरुषप्रधान समाज की संकीर्ण एवं विकृत सोच का शिकार है। ऐसा माहौल कायम है तभी आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र की तमाम महिलाएं अपनी अस्मिता एवं अस्तित्व की सुरक्षा की गुहार लगातीं हुई दिखाई देती है। इसलिये कि उन्हें सदियों से चली आ रही मानसिकता, साजिश एवं सजा के द्वारा भीतरी सुरंगों में धकेल दिया जाता है, अत्याचार भोगने को विवश किया जाता है। बात मणिपुर की दो महिलाओं या बंगाल के मालदा में दो महिलाओं को नग्न करने या समूचे देश में महिलाओं के लापता होने से अधिक चिन्ता की बात यह है कि इन शर्मसार करने एवं झकझोर देने वाली घटनाओं पर भी राजनीतिक दल राजनीति करने से बाज नहीं आते। इन अति संवेदनशील मुद्दों पर राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकना दुर्भाग्यपूर्ण है। अच्छा हो सभी मिलकर नारी सम्मान के प्रति सचेत और संवेदनशील होकर उनके लापता होने, उन पर लगातार हो रहे अत्याचारों को रोकने की दिशा में कोई प्रभावी एवं सार्थक पहल करें। गायब होती लड़कियों और महिलाओं की बड़ी संख्या यही बताती है कि भारतीय समाज उनके प्रति अनुदार है। इस अनुदारता को दूर करने के लिए सबसे अधिक राजनीतिक वर्ग को ही आगे आना होगा और अनिवार्य रूप से समाज को भी। नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। इस तरह नारी एवं बालिका शक्ति ने अपना महत्व तो दुनिया समझाया है, लेकिन नारी एवं बालिका के प्रति हो रहे अपराधों में कमी न आना, घरेलू हिंसा का बढ़ना, आदिवासी-दलित महिलाओं एवं बालिकाओं पर अत्याचारों का बढ़ना एवं उनका लापता होना, उनकी सुरक्षा खतरे में होना- ऐसे चिन्तनीय प्रश्न हैं, जिन पर सरकार को कठोर बनना होगा, सख्त व्यवस्था बनानी होगी। सरकार ने सख्ती बरती है, लेकिन आम पुरुष की सोच को बदलने बिना नारी एवं बालिका सम्मान की बात अधूरी ही रहेगी।

कुदरत के अश्क बन रहे आफत

दिशाहीन विकास के खुमार में लोगों ने भले ही गांव की धरोहर तालाब व प्राकृतिक जलस्रोतों का वजूद मिटा दिया है, मगर मूसलाधार बारिश ने सडक़ों व शहरों को तालाबों व नदी-नालों में तब्दील करके पूरी शिद्दत से एहसास करा दिया कि कुदरत की ताकत को कमजोर आंकना तथा प्रकृति से छेड़छाड़ के नतीजे हमेशा भयंकर साबित होंगे। कई पर्यावरण विज्ञानी, पर्यावरणकत्र्ता व बुद्धिजीवी वर्ग के लोग तथा राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रकृति से हो रहे खिलवाड़ व पर्यावरण के नुकसान पर अक्सर चिंता व्यक्त करते हैं। मगर विनाश को अंजाम देने वाले विकास की जद्दोजहद में वशीभूत व्यवस्था पर किसी हिदायत का असर नहीं होता। अन्यत्रित हो चुके विकास की हदूद व पैमाना तय नहीं हो रहा। विकास व पर्यटन के नाम पर हिमाचल के पहाड़ों का कुदरती स्वरूप बिगड़ रहा है। शासन, प्रशासन व सरकारी व्यवस्था में बैठे अहलकारों को समझना होगा कि हिमाचल केवल पर्यटन व धार्मिक स्थलों के लिए ही विख्यात नहीं है।

धरती पर प्रकृति व प्राकृतिक संसाधन कुदरत की अनमोल देन हैं। भौतिकतावाद की बेहिसाब हसरतों तथा जरूरत से ज्यादा ख्वाहिशों के चलते मनुष्य कुदरत के सब्र का इम्तिहान लेने की हिमाकत में लगा रहता है। विकास का नकाब ओढ़ कर प्रकृति का दोहन व प्राकृतिक संसाधनों का विनाश सामान्य बात हो चुकी है। लेकिन सर्वशक्तिमान कुदरत अपनी सर्वोच्च अदालत में खुद मुंसिफ है। किसी चश्मदीद की जरूरत नहीं पड़ती। कुदरत अपना न्याय पूरे प्रतिशोध भरे अंदाज में करती है। कुदरत के अश्क जब आसमान से आफत बनकर बरसते हैं तो प्रकृति का प्रकोप रोज-ए-महशर साबित होता है। कयामत के उस खौफनाक मंजर में संभलने का मौका नहीं मिलता। दिशाहीन विकास के खुमार में लोगों ने भले ही गांव की धरोहर तालाब व प्राकृतिक जलस्रोतों का वजूद मिटा दिया है, मगर मूसलाधार बारिश ने सडक़ों व शहरों को तालाबों व नदी-नालों में तब्दील करके पूरी शिद्दत से एहसास करा दिया कि कुदरत की ताकत को कमजोर आंकना तथा प्रकृति से छेड़छाड़ के नतीजे हमेशा भयंकर साबित होंगे। कई पर्यावरण विज्ञानी, पर्यावरणकत्र्ता व बुद्धिजीवी वर्ग के लोग तथा राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल प्रकृति से हो रहे खिलवाड़ व पर्यावरण के नुकसान पर अक्सर चिंता व्यक्त करते हैं। मगर विनाश को अंजाम देने वाले विकास की जद्दोजहद में वशीभूत व्यवस्था पर किसी हिदायत का असर नहीं होता। अन्यत्रित हो चुके विकास की हदूद व पैमाना तय नहीं हो रहा। विकास व पर्यटन के नाम पर हिमाचल के पहाड़ों का कुदरती स्वरूप बिगड़ रहा है। शासन, प्रशासन व सरकारी व्यवस्था में बैठे अहलकारों को समझना होगा कि हिमाचल केवल पर्यटन व धार्मिक स्थलों के लिए ही विख्यात नहीं है। देश की सरहदों की सुरक्षा के मद्देनजर हिमाचल प्रदेश की सामरिक भूमिका बेहद अहम है। पश्चिमी मोर्चे पर आतंक का मरकज पाकिस्तान भारत विरोधी नफरत में जल रहा है। यदि पाकिस्तान की किसी साजिश के तहत नियंत्रण रेखा का महाज खुल जाए तो हालात बेहद कसीदा हो जाएंगे। वास्तविक नियंत्रण रेखा के उस पार बैठा खामोश तबीयत वाला भारत का दुश्मन चीन यदि एलएसी पर कोई दखलअंदाजी पेश करे तो सेना को कश्मीर, लद्दाख व सियाचिन तक पहुंचने का महफूज विकल्प हिमाचल के राष्ट्रीय राजमार्ग ही होंगे। लेकिन बरसात के मौसम में हर वर्ष पुलों का सैलाब में बह जाना व सडक़ों में धंसाव की घटनाओं से आधुनिक तकनीक व निर्माण कार्यों में इस्तेमाल हो रही सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। आपदाओं की चपेट में आ रहे विकास कार्यों पर समूचे सरकारी तंत्र में व्याप्त लापरवाही की पोल खुल रही है। हजारों की तादाद में बेसहारा पशु जगह-जगह हुजूम बनाकर सडक़ों को अपना कयाम बना चुके हैं। टूरिज्म के नाम पर वाहनों की बढ़ती संख्या से ट्रैफिक जाम की समस्या भी बढ़ रही है। भू-स्खलन से सडक़ें अवरुद्ध हो रही हैं। देश की सरहदों की सुरक्षा में राष्ट्रीय राजमार्गों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर कोई समझौता नहीं हो सकता। लिहाजा सूबे की सियासत व मरकजी हुकूमत तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को इस विषय पर संजीदगी दिखानी होगी। विडंबना है कि आधुनिक विकास एक बरसात की मार झेलने में असमर्थ साबित हो रहा है, मगर राजाओं द्वारा प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना सदियों पूर्व निर्मित किए गए धार्मिक स्थल कई प्राकृतिक आपदाओं से टकराने के बावजूद सीना तानकर खड़े हैं। बिलासपुर में गोविंद सागर झील में सैकड़ों वर्ष पुराने जलमग्न मंदिर सुरक्षित खड़े हैं। सन् 2013 में उत्तराखंड में आई बाढ़ में केदारनाथ मंदिर सुरक्षित रहा। उसी प्रकार नौ जुलाई को मंडी जिला में सदियों पुराना 'पंचवक्त्र' मंदिर भी ब्यास नदी के सैलाब की भयंकर लहरों के बीच सुरक्षित खड़ा रहा। राजाओं द्वारा पहाड़ों पर तामीर करवाए गए सैकड़ों वर्ष पुराने किलों का कई जलजले व प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के बावजूद महफूज रहना तस्दीक करता है कि पुरखों की शिल्पकला में तकनीक व गुणवत्ता का पैमाना बेहद उम्दा था। देश के नीति निर्माताओं व आधुनिक इंजीनियरों को पुरखों की शिल्पकला से सीख लेने की जरूरत है। इनसानी गतिविधियों का कुदरत के निजाम से तालमेल संचालित करना होगा। मौजूदा दौर में पहाड़ों पर शहरीकरण का दायरा बढ़ रहा है। मशीनीकरण के प्रहारों तथा सुरंगों के लिए विस्फोट से पहाड़ों का तवाजुन बिगड़ रहा है। नदियां, नाले व खड्डें अतिक्रमण की जद में आ चुके हैं। भारी बारिश से नदियों का जलस्तर बढने से सैलाब जैसी सूरतेहाल में लोग मौत की आगोश में समा रहे हैं। आशियाने बाढ़ की भेंट चढ़ रहे हैं। विनाश की पटकथा लिखने वाला अनियोजित विकास पहाड़ों के वजूद पर गर्दिश पैदा कर रहा है। अवैध खनन नदियों के कुदरती बहाव व पुलों के अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा साबित हो रहा है। प्रकृति रौद्र रूप धारण करके गहरे जख्म देने पर आमादा है। प्रदूषण उगलने वाले उद्योग, अतिक्रमण, बेतरतीब ढंग से बढ़ रहे शहरीकरण व राज्य में प्रवासियों की बढ़ती तादाद तथा प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले पर्यटन पर सत्ताधीशों को सरकारी नीतियों में तब्दीली का मसौदा तैयार करना होगा।

नागरिक बोध

मेवात-मणिपुर सांप्रदायिक हिंसा

भारत मूलतः विविधताओं का देश है, विविधताओं में एकता ही यहाँ की सामासिक संस्कृति की स्वर्णिम गरिमा को आधार प्रदान करती है। वैदिक काल से ही सामासिक संस्कृति में अंतर और बाह्य विचारों का अंतर्वेशन ही यहाँ की विशेषता रही है, इसलिये किसी भी सांस्कृतिक विविधता को आत्मसात करना भारत में सुलभ है। इसी परिप्रेक्ष्य में धार्मिक सहचार्यता भी इन्हीं विशेषताओं में से एक रही है, इसका अप्रतिम उदाहरण सूफीवाद में देखा जा सकता है जहाँ पर इस्लामिक एकेश्वरवाद और भारतीय धर्मों की कुछ विशेषताओं का स्वर्णिम संयोजन हुआ तथा परिणामस्वरूप एक संश्लेषित धार्मिक वैचारिकता का सफल अनुगमन हुआ। किंतु हाल के वर्षों में भारत की सांस्कृतिक विविधता-सांस्कृतिक विषमता में अंतरित हो रही है जिससे लोगों के मध्य सद्भाव में ह्रास के साथ ही सांस्कृतिक विशेषता पर भी नकारात्मक प्रभाव भी पड़ रहा है। एक राजनीतिक दर्शन के रूप में सांप्रदायिकता की जड़ें भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता में मौजूद हैं। भारत में सांप्रदायिकता का प्रयोग सदैव ही धार्मिक और जातीय पहचान के आधार पर समुदायों के बीच सांप्रदायिक घृणा और हिंसा के आधार पर विभाजन, मतभेद और तनाव पैदा करने के लिये एक राजनीतिक प्रचार उपकरण के रूप में किया गया है। सांप्रदायिक हिंसा एक ऐसी घटना है जिसमें दो अलग-अलग धार्मिक समुदायों के लोग नफरत और दुश्मनी की भावना से लामबंद होते हैं और एक-दूसरे पर हमला करते हैं। देश में फेक न्यूज़ के तीव्र प्रसार से सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने में सोशल मीडिया ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सोशल मीडिया हिंसा के माध्यम से दंगों और हिंसा के ऑडियो-विजुअल का प्रसार काफी सुगम और तेज़ हो गया है। हिंसा से संबंधित ये अमानवीयता ग्राफिक चित्रण आम जनता में अन्य समुदायों के प्रति घृणा को और बढ़ा देते हैं। पत्रकारिता की नैतिकता और तटस्थता का पालन करने के स्थान पर देश के अधिकांश मीडिया हाउस विशेष रूप से किसी-न-किसी राजनीतिक विचारधारा के प्रति झुके हुए दिखाई देते हैं, जो बदले में सामाजिक दरार को चौड़ा करता है। वर्तमान समय में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अपने राजनीतिक लाभों की पूर्ति के लिये सांप्रदायिकता का सहारा लिया जाता है। एक प्रक्रिया के रूप में राजनीति का सांप्रदायीकरण भारत में सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश में सांप्रदायिक हिंसा की तीव्रता को बढ़ाता है। भारतीय लोगों में आमतौर पर मूल्य-आधारित शिक्षा का अभाव देखा जाता है, जिसके कारण वे बिना सोचे-समझे किसी की भी बातों में आ जाते हैं और अंधानुकरण करते हैं। विकास का असमान स्तर, वर्ग विभाजन, गरीबी और बेरोज़गारी आदि कारक सामान्य लोगों में असुरक्षा का भाव उत्पन्न करते हैं। असुरक्षा की भावना के चलते लोगों का सरकार पर विश्वास कम हो जाता है, परिणामस्वरूप अपनी ज़रूरतों/हितों को पूरा करने के लिये लोगों द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों, जिनका गठन सांप्रदायिक आधार पर हुआ है, का सहारा लिया जाता है। दो समुदायों के बीच विश्वास और आपसी समझ की कमी या एक समुदाय द्वारा दूसरे समुदाय के सदस्यों का उत्पीड़न आदि के कारण उनमें भय, शंका और खतरे का भाव उत्पन्न होता है। इस मनोवैज्ञानिक भय के कारण लोगों के बीच विवाद, एक-दूसरे के प्रति नफरत, क्रोध और भय का माहौल पैदा होता है। सांप्रदायिक हिंसा के दौरान निर्दोष लोग अनियंत्रित परिस्थितियों में फँस जाते हैं, जिसके कारण व्यापक स्तर पर मानवाधिकारों का हनन होता है। सांप्रदायिक हिंसा के कारण जानमाल का काफी अधिक नुकसान होता है। सांप्रदायिक हिंसा वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा देती है और सामाजिक सामंजस्य प्रभावित होता है। यह दीर्घावधि में सांप्रदायिक सद्भाव को गंभीर नुकसान पहुँचाती है।

देश दुनीया से

क्वालिटी एजुकेशन की जरूरत क्यों?

क्वालिटी एजुकेशन (गुणात्मक शिक्षा) एक ऐसा बिंदु है जिसको लेकर सभी राज्य सरकारें संजीदा हो गई हैं। यूं भी पिछले वर्षों में हमारे समाज ने जो भी प्रगति की है, उसकी वजह शिक्षा है। शिक्षा समाज का आधार होती है। यह सुधारों को जन्म देती है और नए विचारों (इनोवेशन) के लिए रास्ता तैयार करती है। इस सम्बन्ध में क्वालिटी एजुकेशन के महत्व को कमतर नहीं आंका जा सकता। यही वजह है कि महान शख्सियतों ने एक सभ्य समाज में इसके महत्व पर विस्तार से लिखा है। शिक्षा की बदौलत ही मनुष्य ब्रह्मांड की विशालता और परमाणुओं में इसके अस्तित्व के रहस्य का पता लगा सका है। अगर शिक्षा न होती तो गुरुत्वाकर्षण (ग्रेविटी), संज्ञानात्मक असंगति (कॉग्निटिव डिसोनेन्स), लेजर से होने वाले ऑपरेशन और लाखों अन्य ऐसे कॉन्सेप्ट्स मौजूद न होते। आज भी कई ऐसे देश हैं जो गुणात्मक शिक्षा की दौड़ में पिछड़ रहे हैं। हम भी ऐसे देशों की पंक्ति से अभी बाहर नहीं निकल पाए हैं। बेल्जियम स्थित संगठन एजुकेशन इंटरनेशनल (ईआई) क्वालिटी एजुकेशन को परिभाषित करते हुए कहता है कि यह लिंग, नस्ल, जातीयता, सामाजिक-आर्थिक स्थिति या भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना प्रत्येक छात्र के सामाजिक, भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक और संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित होती है। सामान्य भाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आधुनिक समाज की मांग है और चाहे कोई भी क्षेत्र हो गुणवत्ता की मांग हर जगह होती है। यह बच्चे को केवल परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि पूरी जिंदगी के लिए तैयार करती है। 2012 में संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार अपने सतत विकास लक्ष्यों में क्वालिटी एजुकेशन को शामिल किया। इसके अलावा आधुनिक समय में शिक्षा टेक्नोलॉजी से काफी प्रभावित है। इस टेक्नोलॉजी ने छात्रों के लिए शिक्षा को पाना आसान बनाया है। क्वालिटी एजुकेशन न केवल एक छात्र को नौकरी के लिए तैयार करती है, बल्कि वह व्यक्ति के समग्र व्यक्तित्व का भी विकास करती है। बच्चों के मामले में, इसका उद्देश्य उनकी पूर्ण परवरिश करना है, जिसके तहत उन्हें एक स्वस्थ जीवन शैली जीने में मदद करने के लिए पाठ्यक्रम (करिकुलम) के एक हिस्से के रूप में मूल्य और नैतिकता सिखाए जाते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा क्या होती है, इसको समझें। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मतलब ऐसी शिक्षा से है जो अपने निर्माण के उद्देश्यों को अच्छी तरह समझती हो और आपके लिए फायदेमंद है। अगर आधुनिक युग की बात की जाए तो किसी भी देश की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण कहना गलत होगा। वर्तमान की शिक्षा अपने उद्देश्यों की प्राप्ति करने में असफल रही है। क्वालिटी एजुकेशन में प्रायः उसी शिक्षा का समावेश होता है जो शिक्षा शिक्षण-अधिगम में छात्रों की रुचि एवं क्षमताओं को समझे एवं समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति करे और छात्रों को जीवनदान देने योग्य बनाए। संयुक्त राष्ट्र एक अधिक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य के लिए शिक्षा के महत्त्व को समझता है और इसलिए उसका मानना है कि केवल एजुकेशन नहीं, बल्कि क्वालिटी एजुकेशन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अपने सतत विकास लक्ष्यों में, संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक दुनिया में बदलाव लाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को एक प्रमुख लक्ष्य के रूप में पहचाना है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से तात्पर्य सभी के लिए समान और मानक शिक्षा है जो आजीवन सीखने और ज्ञान की प्राप्ति को बढ़ावा दे। समावेशिता और समानता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव है, न कि ऊंची साक्षरता दर।

शिक्षा की बदौलत ही मनुष्य ब्रह्मांड की विशालता और परमाणुओं में इसके अस्तित्व के रहस्य का पता लगा सका है। अगर शिक्षा न होती तो गुरुत्वाकर्षण (ग्रेविटी), संज्ञानात्मक असंगति (कॉग्निटिव डिसोनेन्स), लेजर से होने वाले ऑपरेशन और लाखों अन्य ऐसे कॉन्सेप्ट्स मौजूद न होते। आज भी कई ऐसे देश हैं जो गुणात्मक शिक्षा की दौड़ में पिछड़ रहे हैं। हम भी ऐसे देशों की पंक्ति से अभी बाहर नहीं निकल पाए हैं। बेल्जियम स्थित संगठन एजुकेशन इंटरनेशनल (ईआई) क्वालिटी एजुकेशन को परिभाषित करते हुए कहता है कि यह लिंग, नस्ल, जातीयता, सामाजिक-आर्थिक स्थिति या भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना प्रत्येक छात्र के सामाजिक, भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक और संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित होती है। सामान्य भाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आधुनिक समाज की मांग है और चाहे कोई भी क्षेत्र हो गुणवत्ता की मांग हर जगह होती है।

ईरान में 2 दिन का टोटल शटडाउन, वजह- गर्मी : पारा 50 डिग्री पार पहुंचा, हीट स्ट्रोक का खतरा ; कई शहरों में बिजली कटौती

तेहरान।
ईरान में तेज गर्मी के चलते पहली बार 2 दिन का टोटल शटडाउन घोषित कर दिया गया है। ईरान की सरकार ने सभी कार्यालय, स्कूल और बैंक बंद रखने का फैसला सुनाया है। ईरान में तापमान 123 डिग्री फैरेनहाइट यानी 50 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को हीट स्ट्रोक का खतरा बताते हुए घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है।

सरकारी प्रवक्ता अली बहादुरी-जहरोमी ने बताया कि सभी अस्पतालों को हाई-अलर्ट पर रखा गया है। साउथ-ईस्ट के प्रांत सिस्तान-बलूचिस्तान में, बढ़ते तापमान और धूल भरी आंधियों की वजह से हाल ही में करीब 1 हजार लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा है। ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि इस साल ईरान में बिजली का इस्तेमाल रिकॉर्ड लेवल तक पहुंचने के आसार हैं, क्योंकि लोग,ष्ट का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं।

2 पावर प्लांट ग्रिड से बाहर, इलेक्ट्रिसिटी इंफ्रास्ट्रक्चर पुराना हुआ

ईरान में अब तक 2 पावर प्लांट ग्रिड से बाहर हो चुके हैं और कई शहरों में बिजली कटौती भी हो रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ईरान में बिजली संकट गहरा सकता है। यहां इलेक्ट्रिसिटी इंफ्रास्ट्रक्चर बेहद पुराना हो चुका है। इसे सुधार के लिए विदेशी निवेश की जरूरत है। हालांकि, अमेरिका की तरफ से लगाई गईं पाबंदियों की वजह से ये मदद मिलना फिलहाल नामुमकिन है।

ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि आने वाले दिनों में ईरान मेंस बिजली संकट को देखते हुए शटडाउन बढ़ाया जा सकता है। इससे पहले पिछले साल इराक ने अपने नागरिकों को 125 डिग्री तापमान से बचाने के लिए सार्वजनिक छुट्टियां बढ़ा दी थीं। वहीं मिस्र में भी हीटवेव और बिजली के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से दिन में कम से कम 1 बार बिजली कटौती की जा रही है।

जुलाई मानव इतिहास का सबसे गर्म महीना

कुछ दिन पहले ही ग्लोबल क्लाइमेट अथॉरिटीज के साइंटिस्ट्स ने बताया था कि जुलाई 2023 मानव इतिहास का सबसे गर्म महीना है। लगातार तापमान बढ़ने से तीन महाद्वीप- नॉर्थ अमेरिका, यूरोप और एशिया हीटवेव की चपेट में हैं। यूरोपियन यूनियन की कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस और वर्ल्ड मीटियरोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन ने एक रिपोर्ट में कहा- जुलाई के शुरुआती तीन हफ्तों में गर्मी के कई रिकॉर्ड टूटे। कई देशों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा पहुंच गया। साइंटिस्ट्स का कहना है कि 1 लाख 20 हजार साल में इतनी गर्मी हुई है।

यूएन चीफ बोले- ग्लोबल वॉर्मिंग का युग खत्म

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा- ग्लोबल वॉर्मिंग का युग खत्म हो गया है। अब ग्लोबल बॉयलिंग का युग आ गया है। क्लाइमेट चेंज आ गया है। ये बेहद खतरनाक है।

न्यूज ब्रीफ

डोनाल्ड ट्रम्प पर 5 महीने में तीसरा क्रिमिनल केसः कैपिटल हिंसा मामले में 4 आरोप, कल पेशी; 20 साल की जेल हो सकती है

वॉशिंगटन। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में हुई हिंसा के मामले में पूर्व

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर क्रिमिनल केस दर्ज किया गया है। उन पर 2020 का चुनाव पलटने की कोशिश के आरोप लगे हैं। इसी के साथ पिछले 5 महीनों में ये तीसरा केस है, जिसमें ट्रम्प पर क्रिमिनल चार्ज लगाए गए हैं। कैपिटल हिंसा मामले में ट्रम्प पर 4 आरोप लगाए गए हैं। इनमें देश को धोखा देने की कोशिश, सरकारी कामकाज में बाधा डालने की साजिश और जनता के अधिकारों के खिलाफ साजिश रचने जैसे आरोप हैं। इस मामले में सुनवाई के लिए ट्रम्प गुरुवार यानी 3 अगस्त को वॉशिंगटन में फेडरल कोर्ट हाउस में पेश होंगे। 2020 के अमेरिकी चुनाव के परिणामों को पलटने के ट्रम्प की कोशिशों की जांच कर रहे जस्टिस डिपार्टमेंट के स्पेशल काउंसिल जैक स्मिथ ने 45 पेज की चार्जशीट दायर की है। ट्रम्प पर जो आरोप लगाए गए हैं, उनमें से 2 चार्ज में जेल जाने का भी प्रावधान है। देश का धोखा देने की साजिश के आरोप में ट्रम्प को 20 साल की जेल और लोगों के अधिकारों के खिलाफ साजिश रचने के मामले में उन्हें 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। चार्जशीट में कहा गया है कि नवंबर 2020 में चुनाव होने के 2 महीने बाद तक ट्रम्प ने ये झूठ फैलाया कि चुनाव में धांधली हुई है और असल में वो ही इसे जीते हैं। ये आरोप झूठे थे और ट्रम्प ये बात जानते थे। लेकिन वो फिर भी ऐसा करते रहे जिससे देश में गुस्से और अविश्वास का माहौल बने और लोगों का चुनाव प्रक्रिया से विश्वास उठ जाए। केस में स्मिथ ने कहा- हम मामले में जल्द से जल्द सुनवाई पूरी करने की कोशिश करेंगे। 6 जनवरी को कैपिटल हिल पर हुई हिंसा देश के लोकतंत्र पर हमला है।

ऑस्ट्रेलिया में 91 बच्चियों से रेप का आरोपी गिरफ्तारः सभी लड़कियों की उम्र 10 साल से कम, 9 साल बाद पुलिस को कामयाबी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने 25 साल में 1623 यौन अपराध करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 45 साल के इस आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। सिर्फ इतना बताया गया है कि वो देश के तीन शहरों में चाइल्ड केयर ऑफिसर रहा। आरोपी ने 91 बच्चियों से रेप किया। ऑस्ट्रेलिया के कानून के मुताबिक- आरोपी के खिलाफ अलग-अलग कैटेगरी में आरोप दर्ज किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- पुलिस को पहली बार इसका सुराग 2014 में मिला था। हालांकि, गिरफ्तार करने में कामयाबी अब मिली है। आरोपी के पास से हजारों चाइल्ड पोर्नोग्राफी वीडियो, फोटो और कुछ रील्स बरामद की गई हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की अलग-अलग रिपोर्ट्स में इस स्कैंडल की जानकारी दी गई है। इनके मुताबिक- आरोपी के खिलाफ कुल मिलाकर 1623 सेक्स क्राइम्स दर्ज किए गए हैं। इनमें चाइल्ड केयर की 91 बच्चियों से रेप का आरोप भी शामिल है। इन सभी विक्टिम्स की उम्र 10 साल से कम है। अलग-अलग सेक्स ऑफेंस (यौन अपराध) कैटेगरी में दर्ज केसेज के मुताबिक- इस पूर्व चाइल्ड केयर ऑफिसर ने कुल मिलाकर 246 बार रेप किया। इस दौरान 613 चाइल्ड पोर्न वीडियो बनाए। पुलिस के मुताबिक- ये सभी क्राइम्स 2007 से 2022 के बीच तीन शहरों के 12 चाइल्ड केयर सेंटर्स में अंजाम दिए गए। हैरानी की बात ये है कि आरोपी के खिलाफ चाइल्ड केयर एक्सपर्ट का लाइसेंस भी था और इसी आधार पर उसे इन सेंटर्स में नौकरी भी आसानी से मिलती रही।

यूएन चार्टर का पालन नहीं कर रहा पाकिस्तान; आईडब्लूएफ ने मुस्लिम वर्ल्ड लीग से की ये मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों जैसे हिंदुओं और सिखों की हालत बेहद खराब है। समय-समय पर इसकी बानगी देखने को भी मिलती है। हाल ही में पाकिस्तान के एक हिंदू सांसद ने भी इसे लेकर सवाल खड़े किए थे। वहीं, अब भारत ने भी इस पर चिंता जाहिर की है। यहां के एक संगठन इंडियन वर्ल्ड फोरम ने पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर मुस्लिम विश्व लीग के सामने अपनी चिंता जाहिर की है। साथ ही मांग की है कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ वार्ता करे। बता दें कि यह संगठन विभिन्न देशों में प्रवासी भारतीयों के लिए काम करता है।

पोलैंड ने बॉर्डर पर तैनात की सेना, लड़ाकू हेलिकॉप्टर

बेलारूस पर सीमा में घुसने का आरोप ; पीएम ने हाइब्रिड अटैक की जताई थी आशंका

वॉरसॉ।
पोलैंड ने अपने बॉर्डर पर सेना तैनात करनी शुरू कर दी है। उसने बेलारूस पर उसके एयरस्पेस का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। पोलैंड के रक्षा मंत्रालय ने कहा- हमने पूर्वी सीमा पर और ज्यादा मिलिट्री फोर्स और लड़ाकू हेलिकॉप्टर भेजने शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा नाटो को भी सीमा के उल्लंघन से जुड़ी जानकारी दे दी गई है।

वहीं पोलैंड ने बेलारूस के डिप्टी एम्बेसडर को भी तलब किया है। मामले में बेलारूस की मिलिट्री ने किसी भी सीमा उल्लंघन से इनकार कर दिया। उसने आरोप लगाया कि पोलैंड बॉर्डर पर सैनिकों की तैनाती कर रहा है और इसे सही ठहराने के लिए हम पर आरोप लगा रहा है।

बेलारूस ने एयरस्पेस में दाखिल होने की बात मानी, सीमा उल्लंघन से इनकार

हालांकि, बाद में बेलारूस की मिलिट्री ने ये माना कि वो पोलैंड के एयरस्पेस में दाखिल हुए थे। उन्होंने कहा कि ये बहुत कम ऊंचाई पर हुआ था, जिसकी वजह से रडार पर रोका नहीं जा सका।

बेलारूस ने कहा कि उनके एयरक्राफ्ट ने किसी भी सीमा का उल्लंघन नहीं किया था। इसके कुछ दिन पहले ही पोलैंड ने दावा किया था कि वैगनर आर्मी के 100 लड़ाके उनके बॉर्डर की तरफ बढ़ रहे हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री माटुस्ज मोराविकी ने इसकी जानकारी दी थी।

युरोप के खिलाफ प्रवासियों का इस्तेमाल कर रहा रूस

पोलैंड की सरकार ने आरोप लगाया था कि रूस और बेलारूस प्रवासियों का इस्तेमाल कर पोलैंड और युरोप के दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे बचने के लिए पोलैंड ने बेलारूस के बॉर्डर पर एक लंबी दीवार तक बना ली थी। इसके बाद भी पोलैंड ने कहा था कि स्थिति और खतरनाक होती जा रही है। प्रधानमंत्री मोराविकी ने हाइब्रिड अटैक का खतरा होने की बात कही थी।

क्या होता है हाइब्रिड अटैक

जमीन के नीचे रहस्यमयी विस्फोट, अनाम साइबर हमले और देश के लोकतंत्र को बदनाम करने के लिए चलाए जाने वाले दबे-छिपे ऑनलाइन कैंपेन। ये सब-हाइब्रिड खतरों के हिस्से हैं। रिपोर्ट के मुताबिक किसी देश के अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला करना हाइब्रिड अटैक है। इसमें चुनाव में भी दखलंदाजी की जाती है।

बेलारूस के लिए परेशानी बने वैगनर लड़ाके

वैगनर आर्मी की बगावत के बाद 23 जुलाई को पुतिन और बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको की पहली मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने वैगनर चीफ प्रिगोजिन समेत कई मुद्दों पर चर्चा की थी।

एक टेलीग्राम चैनल के हवाले से बताया था कि इस मीटिंग के दौरान लुकाशेंको ने पुतिन को बताया कि बेलारूस वैगनर आर्मी के लड़ाकों से परेशान हो गया है। वो पश्चिमी देशों की ओर जाना चाहते हैं। लुकाशेंको ने बताया कि प्राइवेट आर्मी के लड़ाके कहते हैं- चलो वारसा और रेजसोव की तरफ घूम कर आते हैं।

पुतिन बोले- पोलैंड पर एक्शन को रूस पर हमला मानेंगे

पुतिन ने कहा था कि अगर पोलैंड ने बेलारूस के खिलाफ कोई भी एक्शन लिया तो वो रूस पर हमला माना जाएगा। उन्होंने कहा कि रूस सभी तरीकों से बेलारूस की मदद करेगा।

दरअसल, यूक्रेन जंग के बाद से बेलारूस रूस के लिए अहम पार्टनर साबित हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस के सैनिकों को बेलारूस में भी ट्रेनिंग दी जा रही है। वहीं, रूस ने अपने परमाणु हथियार भी बेलारूस भेजे हैं। हालांकि, बेलारूस के सैनिक जंग में रूस की तरफ से नहीं लड़े हैं।

पाकिस्तान बोला- भारत का पड़ोसी देशों की तरफ आक्रामक रवैया

पश्चिमी देशों का चहेता बताया; कहा- हमारे लिए छोटी सोच रखता है

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान की उप-विदेश मंत्री हिना रब्बानी ने भारत पर पड़ोसी देशों की तरफ युद्ध वाला रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान गवर्नेंस फोरम 2023 को संबोधित करते हुए रब्बानी ने भारत को पश्चिमी देशों का चहेता भी बताया। उन्होंने कहा- भारत ने पश्चिमी देशों का खास बने रहने का फैसला किया है लेकिन वो अपने पड़ोसी देशों को लेकर बहुत आक्रामक रहता है। रब्बानी के मुताबिक, भारत दूसरे देशों के साथ खुली सोच रखता है लेकिन पाकिस्तान के मामले में ऐसा नहीं है। भारत अपने पड़ोसियों को लेकर काफी छोटी-सोच रखता है।

मंत्री रब्बानी बोलीं- चीन से रिश्ते मजबूत

पाकिस्तान की उप विदेश मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान चीन की तारीफ की। उन्होंने कहा- पाकिस्तान काफी अच्छा कर रहा है। हमारे रिश्ते चीन के साथ काफी बेहतर हैं। हमारे आर्थिक संबंध भी मजबूत है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक रब्बानी अपने भाषण में अमेरिका के साथ भारत के मजबूत होते रिश्ते और चीन-पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव की बात कर रही थीं।

पीएम शाहबाज ने कहा था- भारत से बातचीत को तैयार

पाकिस्तान को लेकर भारत ने अपना पक्ष हमेशा साफ रखा है। भारत ने हर बार यही कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत तभी मुमकिन है जब वो आतंकियों को पनाह देना बंद करेगा। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा था कि वो भारत से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। शरीफ ने कहा था- हम अपने उस पड़ोसी से भी बातचीत करना चाहते हैं, जिसके साथ हमने तीन जंग लड़ीं। जरूरी ये है कि बहुत गंभीर मुद्दों पर सामने वाला भी उतनी ही गंभीरता से बातचीत करे। शाहबाज ने कहा था- जंग से किसी मसले का हल नहीं निकल सकता। दोनों मुल्क एटमी ताकत हैं। अगर ऐसी कोई जंग हुई तो ये बताने के लिए कोई नहीं बचेगा कि आखिर हुआ क्या था। हम अपने हर पड़ोसी के साथ चर्चा करने चाहते हैं।

यूक्रेन जंग जायज ठहराने के लिए रूस का नया हथकंडाः ऑनलाइन गेम्स में यूक्रेन के शहरों को अपना बताया, प्लैटफॉर्म पर देशभक्ति दिखा रहा

कीव।
यूक्रेन पर हमलों को जायज ठहराने के लिए रूस अब ऑनलाइन वीडियो गेम्स का भी सहारा ले रहा है। माइक्रोसॉफ्ट की गेम माइनक्राफ्ट में रूस के गेमर्स ने यूक्रेन के शहर सोलेडर पर कब्जा करने वाला गेम बनाया है। सोलेडर पर रूसी सेना ने जनवरी में कब्जा कर लिया था।

माइनक्राफ्ट पर रूसी ध्वज के साथ एक ध्वजस्तंभ का निर्माण सीखने के लिए एक वीडियो भी बनाया गया है। इसमें यूक्रेन के लुहांस्क शहर पर रूसी झंडा दिखाया गया है। लुहांस्क पर रूस ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है।

गेम्स में टैंकों की परेड दिखा रहा रूस

माइनक्राफ्ट के अलावा मल्टीप्लेयर गेम वर्ल्ड ऑफ टैंक्स में नाजी जर्मनी की हार की 78वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मॉस्को में सोवियत संघ के टैंकों की परेड को दर्शाने के लिए बनाया गया। लोकप्रिय गेमिंग प्लेटफॉर्म रोब्लॉक्स पर, गेमर ने रूस दिवस मनाने के लिए जून में आंतरिक मंत्रालय बलों की एक श्रृंखला बनाई।

साइबर सुरक्षा कंपनी एक्टिवफेंस, जिसने रूसी प्रचार के कई उदाहरण माइनक्राफ्ट में खोजे की शोधकर्ता तान्या बेकर का कहना है कि गेमिंग की दुनिया वास्तव में एक ऐसा मंच है जो

जनता की राय को प्रभावित कर सकता है। इसे लोगों, खासकर युवा आबादी तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

गेमिंग में ँ को पॉपुलर कर रहा रूस

गेमिंग की दुनिया में, खिलाड़ियों ने ँ अक्षर को अपनाया है। ये पिछले साल यूक्रेन पर आक्रमण करने वाले रूसी सैनिकों का प्रतीक है। ये यूक्रेनियों को नाजी और संघर्ष के लिए पश्चिम को दोषी ठहराने के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रयासों का प्रतिनिधित्व करता है।

पुतिन ने कहा था- एक गेम को किसी व्यक्ति के विकसित होने, खुद को खोजने में मदद करनी चाहिए। इससे व्यक्ति को वैश्विक मानवीय मूल्यों और देशभक्ति के ढांचे के अंदर शिक्षित करने में भी मदद करनी चाहिए।

पाक की अफगानिस्तान को धमकी : बिलावल बोले- आतंकी पनाहगाहें खत्म करे अफगान हुकूमत, ऐसा नहीं हुआ तो हम एक्शन लेंगे

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान में पिछले दिनों फिदायीन हमले में 56 लोगों के मारे जाने के बाद अफगान बॉर्डर पर तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तानी फौज ने यहां चार नई यूनिट तैनात कर दी हैं। इसके बाद फॉरेन मिनिस्टर बिलावल भुट्टो जरदारी ने अफगानिस्तान को धमकी भी दी है। बिलावल ने बुधवार को कहा- अफगानिस्तान बॉर्डर से आतंकी हमारे मुल्क में घुसते हैं। इसके बाद वो यहां हमले करते हैं। अगर अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत ने इसे नहीं रोका तो हमारी सरकार और फौज एक्शन लेने के लिए मजबूर हो जाएगी।

पाकिस्तान अपनी हिफाजत करेगा

इस्लामाबाद में मीडिया से बातचीत के दौरान बिलावल ने पिछले दिनों खैबर पख्तूनख्वा राज्य में हुए फिदायीन हमले का जिक्र किया। कहा- अफगान हुकूमत उन टेररिस्ट को रोकने में नाकाम रही है जो वहां से पाकिस्तान में घुसते हैं, हमले करते हैं और फिर वापस अफगानिस्तान भाग जाते हैं। हमने यह मुद्दा कई बार अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत के सामने उठाया है। फॉरेन मिनिस्टर बिलावल ने आगे कहा- इंटरनेशनल लॉ हमें इजाजत देता है कि अगर इस तरह के हमले बंद नहीं

हुए, वहां दहशतगर्दों की पनाहगाहें बंद नहीं की गईं तो फिर अपनी हिफाजत के लिए हमारी सरकार और फौज एक्शन लेगी। हमारे पास सबूत हैं कि काबुल में कई आतंकी छिपे हुए हैं। अफगानिस्तान को याद रखना होगा कि कतर की राजधानी दोहा में जो एग्रीमेंट हुआ था, उसमें साफ कहा गया था अफगान हुकूमत किसी आतंकी को पनाह नहीं देगी। भुट्टो ने आगे कहा- क्या ये सही नहीं है कि इस एग्रीमेंट की शर्तों को तालिबान हुकूमत ने तरजीह नहीं दी। आज भी काबुल और अफगानिस्तान के दूसरे हिस्सों में सैकड़ों टेररिस्ट मौजूद हैं और ये हमारे मुल्क पर हमला कर रहे हैं।

हमें मजबूर न किया जाए

एक सवाल के जवाब में बिलावल ने कहा- मुझे ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को इस बात के लिए लगातार उकसाया जा रहा है कि वो अफगानिस्तान बॉर्डर क्रॉस करे और वहां मौजूद आतंकियों के खिलाफ एक्शन ले। हम ऐसा करना नहीं चाहते, लेकिन सेल्फ डिफेंस के लिए अगर जरूरी होगा तो हम ये कदम उठाने में भी नहीं हिचकेंगे। फॉरेन मिनिस्टर ने आगे कहा- अगर ये हमले नहीं रुके तो क्या होगा। पाकिस्तान को भी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ेगी। अगर आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में अफगान हुकूमत को हमारी मदद चाहिए तो हम इसके लिए तैयार हैं। कोशिश ये है कि मामला बातचीत से सुलझाया जाए।

तल्खी की हालिया वजह

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य के बाजौर में एक पॉलिटिकल रैली में ब्लास्ट हुआ था। पुलिस ने इसे फिदायीन हमला बताया। हमले में 56 लोग मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हुए। घटना बाजौर की खार तहसील में हुई। यहां सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल जमीयत उलेमा इस्लाम फजल की रैली चल रही थी। कट्टरपंथी इस्लामी संगठन है। इसके तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और अफगान तालिबान से करीबी रिश्ते हैं।

पूर्वजों से सूरत-सीरत ही नहीं, सदमे भी मिलते हैं

परिवारवालों से चर्चा-स्वस्थ भावनाएं शेयर करें, विरासत में मिले ट्रॉमा को खत्म कर सकेंगे

वॉशिंगटन।
हमें अपने पूर्वजों से जीन के जरिए रंग-रूप, आदतें और व्यवहार ही नहीं, सदमे भी मिलते हैं। इसका असर व्यापक होता है। फैसिलिटेटर और चर्चित लेखक थॉमस हबल ने अपनी नई किताब 'एट्यूनड्: प्रैक्टिसिंग इंटरडिपेंडेंस टू हील अवर ट्रॉमा- एंड अवर वर्ल्ड में यह दावा किया है। हबल का तर्क है कि दुनिया की जटिल चुनौतियों का सामना करने के लिए, हमें उस ट्रॉमा को पहचानने और ठीक करने की जरूरत है।

हबल कहते हैं- पश्चिम में अक्सर हम अस्तित्व को अलग रूप में देखते हैं, पर वास्तविकता यह है कि हम पहले की कई पीढ़ियों का हिस्सा हैं। हमारा शरीर सैकड़ों-हजारों साल के जीवन से बना है, सभी पूर्वज हमारे अस्तित्व में कुछ न कुछ जोड़ते हैं।

उनकी उपलब्धियां जैसे तर्कसंगत सोच, भावनात्मक जटिलता, शारीरिक कार्य, आत्म-उपचार हममें मौजूद हैं। पर इसमें ट्रॉमा को शामिल नहीं किया गया है, जबकि वह अत्यधिक सतर्कता, तनाव और भय के रूप में अगली पीढ़ी तक पहुंच सकता है।

डीएनए अलग तरीके से सक्रिय हो सकता

एक्सपर्ट कहते हैं- इसे वैज्ञानिक तौर पर एपिजेनेटिक्स के जरिए देख सकते हैं। इससे साफ

होता है कि डीएनए कैसे जीवंत अनुभवों के आधार पर अलग-अलग तरीके से सक्रिय हो सकता है। जैसे ताजा शोध से पता चला है कि जिन चूहों को आघात पहुंचा, वे अपनी पांच-छह पीढ़ियों तक लक्षण फैलाते रहते हैं।

इंसानों में ट्रॉमा अक्सर अतिरंजित प्रतिकार के रूप में व्यक्त किया जाता है। इसमें आक्रामकता और उन लोगों पर हमला शामिल हो सकता है, जिन्हें हम परेशानी के लिए जिम्मेदार मानते हैं। इसके अलावा एक लक्षण जड़ हो जाना है, इससे हम उदासीन और अलग-थलग हो जाते हैं। इस तरह के ट्रॉमा झेल रहे लोगों में एंग्जायटी डिसऑर्डर, अवसाद और नशीले पदार्थों की लत जैसी प्रवृत्ति प्रमुखता से दिखती है।

एक्सपर्ट कहते हैं कि इनमें से कोई लक्षण या मानसिक स्थिति अनुभव करते हैं तो पूरी आशंका है कि यह पैतृक ट्रॉमा है। इस तरह के ट्रॉमा और जो लक्षण झेल रहे हैं, उनके बीच संबंध को समझकर बेहतर उपचार तलाश सकते हैं। साथ ही पीढ़ीगत ट्रॉमा को तोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

मानसिक सेहत से जुड़ी समस्याओं का हल तलाशें, औरों को भी प्रेरित करें

हबल कहते हैं- पूर्वजों द्वारा सहे गए दर्द को दूर करना तो संभव नहीं है। पर पैतृक ट्रॉमा के चक्र को तोड़ने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर मानसिक सेहत के लिए कोशिश तो कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि परिवार में खुली बातचीत हो और भावनाओं के स्वस्थ प्रदर्शन को बढ़ावा मिले।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समाधान तलाशें, औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। शरीर से जुड़ने का अभ्यास करें, इससे तनाव का केंद्र पता लगा सकेंगे। तनाव रहित क्षणों में बेहतर शारीरिक जागरूकता पैदा करने से मदद मिलेगी और ट्रिगर होने वाले पलों को समझने में आसानी होगी।

गुरुग्राम : समग्र हिंदू सेवा संघ ने कहा...

नूंह में जेहादी, आतंकवादी हमला

ज्ञापन सौंपकर ऐसे लोगों पर की कार्रवाई की मांग

गुरुग्राम (हिंस)। गुरुग्राम के डीसी के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्री को समग्र हिंदू सेवा संघ ने बुधवार को एक ज्ञापन भेजा। इस ज्ञापन में दोषियों के घरों पर बुल्डोजर चलवाने, मृतकों के परिवारों को 5-5 करोड़ रुपए और घायलों को 2-2 करोड़ रुपए देने की मांग के साथ सार्वजनिक स्थानों पर नमाज पढ़ने वालों पर तुरंत कार्रवाई की मांग की गई है। इसके साथ ही गृह मंत्री से मांग की गई है कि वे हरियाणा सरकार को गुंडा एक्ट बनाने के लिए निर्देश दें। नुकसान की भरपाई ऐसे जेहादी लोगों से वसूली करके करने की बात भी कही है। समग्र हिंदू संघ के नेताओं संरक्षक महावीर भारद्वाज, नत्थू सिंह सरपंच, ब्रह्मप्रकाश कौशिक, राजीव मित्तल, कुलभूषण भारद्वाज, चेतन शर्मा, नरेश कटारिया, डॉ. अंजू रावत नेगी, कृष्ण भारद्वाज, रामअवतार शर्मा, रिनू गुप्ता, जितेंद्र, गौरव, कृष्ण शर्मा ने कहा कि ने कहा कि मिनी पाकिस्तान के रूप में विकसित हो रहे मेवात क्षेत्र का स्थायी समाधान करने की दिशा में कठोर कदम उठाए जाएं। समग्र हिंदू सेवा संघ ने उपायुक्त को बताया है कि 6 दिसंबर 2021 को संयुक्त हिंदू संघर्ष समिति तथा मुस्लिम इमाम संगठन के बीच जिला प्रशासन की उपस्थिति में आम सहमति बनी थी कि गुरुग्राम में अवैध रूप से की जा रही नमाजों को बंद किया जाता है। इसके बाद भी स्थिति में सुधार नहीं आया है। संघ ने आगामी 15 दिनों के अंतराल में सोहना चौक से रेलवे स्टेशन, डाक खाना चौक से सेक्टर 4-7, पटौदी चौक से बसई चौक, सोहना चौक से बस स्टैंड की सड़कों पर अतिक्रमण के रूप में लगने वाली रेहड़ी पटरी पर कब्जे, तथा अवैध दुकानों को तत्काल हटाये जाने की मांग भी की है। संघ ने अपनी एक और मांग में बताया है कि गुरुग्राम में मीट की दुकानों के लाइसेंस भी काफी सीमित है, लेकिन कई हजार दुकानें अवैध रूप से चल रही हैं। इतना ही नहीं विद्यालय और मंदिरों के पास भी यह कार्य चल रहा है। इस पर संघ ने मांग की है कि 15 दिनों के भीतर एक भी गैर लाइसेंस की दुकान संचालित न हो इस पर निगम को कड़े रुख अपनाने की मांग की है। इस दौरान जिला उपायुक्त ने बताया कि गुरुग्राम में अभी 4 जगहों पर सार्वजनिक जगहों पर नमाज पढ़ी जा रही है। कोशिश कि जाएगी कि जल्द ही मस्जिदों, वक्फ बोर्ड कि जमीनों, इबाबत गाह और निजी स्थानों पर ही सार्वजनिक रूप से नमाज को पढ़ी जाये। किसी जगह को लेकर विवाद न हो, यह ध्यान रखा जाएगा।

गहलोत ने बेटे को बचाने के लिए लांघ दीं सारी मर्यादाएं : शेखावत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के लाल डायरी के तीन पेज जारी करने के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत ने अपने बेटे को बचाने के लिए सारी मर्यादाएं लांघ दी हैं। लाल डायरी में लिखे गए तथ्यों को खारिज नहीं किया जा सकता। बुधवार को सिलसिलेवार ट्वीट्स में शेखावत ने कहा कि आरसीए चुनाव में लेन-देन की बातें जिस तरह से लिखी गई हैं, कोई इस तरह का काल्पनिक घटनाक्रम नहीं रच सकता, यानी डायरी के तथ्य फर्जी नहीं हैं। डायरी बता रही है कि वैभव गहलोत आरसीए चुनाव के लेन-देन में शामिल रहे और इसलिए सीएम साहब को इसके सामने आने की चिंता थी। गुढ़ा जी के बताए एक-एक तथ्य की जांच होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने लाल डायरी के पन्ने सामने लाकर एक सच तो साबित कर दिया कि गहलोत जी ने विधानसभा में गुंडागर्दी क्यों कराई ? डायरी में उनके बेटे वैभव गहलोत का भी नाम है। सीएम साहब ने अपने बेटे का राजनीतिक करियर बनाने के लिए सारे हथकंडे अपनाए हैं, हो सकता है डायरी में इससे जुड़े राज छिपे हों, तभी तो उन्हें डर लग रहा है। शेखावत ने यह भी कहा कि लाल डायरी इस समय का सबसे बड़ा मुद्दा है। गहलोत जी के खास रहे राजेंद्र गुढ़ा जैसे खुलासे कर रहे हैं, उससे राज्य सरकार की लोकतांत्रिक नैतिकता पर सवाल उठ रहा है। जनता सोच रही है *इतनी हेर-फेर करने वाला राज्य का मुखिया कैसे बना रह सकता है*। केंद्रीय मंत्री ने तंज कसा कि गहलोत जी इस्तीफा नहीं देने वाले, लेकिन कांग्रेस आलाकमान क्या कर रहा है ? क्या गहलोत जी के पास भी गांधी परिवार की कोई डायरी है, जिसके कारण इतनी फजीहत के बाद भी वे पद पर बने हुए हैं ?

सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में कर्मचारियों ने किए जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के जन घोषणा पत्र में राज्य कर्मचारियों से किए वादों को पूरा नहीं करने के विरोध में प्रदेश के राज्य कर्मचारियों ने अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के आह्वान पर सभी जिला मुख्यालयों पर धरने-प्रदर्शन किए और जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन प्रस्तुत किया। जयपुर में यह प्रदर्शन महासंघ एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ और जिला अध्यक्ष छोटे लाल मीणा के नेतृत्व में किया गया। जिला कलेक्ट्रेट जयपुर पर कर्मचारियों की सभा को संबोधित करते हुए महासंघ (एकीकृत) के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि सरकार अपने चुनावी वादों को शीघ्र पूरा करें अन्यथा आने वाले चुनाव में सरकार को इसका बहुत बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से कर्मचारियों की लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की है। प्रमुख मांगों में वेतन विसंगतियों के लिए गठित खेमराज चौधरी एवं सामंत कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करना, संविदा कर्मी सहित सभी अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करना,चयनित वेतनमान (एसीपी) का परिलाभ 9, 18 व 27 वर्ष के स्थान पर 8, 16, 24 व 32 वर्ष पर पदोन्नति पद के समान देने, अर्जित अवकाश की सीमा 300 दिवस से बढ़ाकर सेवानिवृत्ति तक जोड़ने, ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों को मूल वेतन का 10 प्रतिशत ग्रामीण भत्ता स्वीकृत करने तथा अधीनस्थ मंत्रालयिक संवर्ग को सचिवालय कर्मियों के समान पदोन्नति एवं वेतन भत्ते देने तथा द्वितीय पदोन्नति ग्रेड पे - 4200 पर सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इसके अलावा निविदा एवं संविदा पर लगे कार्मिकों का न्यूनतम पारिश्रमिक 18 हजार तय करने, एमटीएस का पद सृजित कर सहायक कर्मचारियों को उसमें समायोजित करने, सत्र 2009-10 से पातेय वेतन पर पदस्थापित वरिष्ठ अध्यापक एवं प्रधानाध्यापक ग्रेड सेकंड को ऐडहॉक प्रमोशन की दिनांक से नियमित पदोन्नति सुनिश्चित करने तथा राजस्थान परिवहन निगम को सरकार के विभाग के रूप में समाहित करने की भी मांग की गई है। यदि कर्मचारियों की मांगे पूरी नहीं की गई तो कर्मचारियों के आक्रोश को देखते हुए एक राज्यव्यापी आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा जिसके प्रथम चरण में 11 अगस्त 2023 को जयपुर में विशाल रैली आयोजित की जाएगी सबकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

सुपर सक्शन-कम-जैटिंग मशीनें करेंगी सीवर लाइनों की सफाई

लुधियाना (हिंस)। शहर को साफ-सुथरा, हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए पंजाब सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को सीवरेज लाइनों की सफाई के लिए सुपर सक्शन-कम-जैटिंग मशीन और 50 ट्रैक्टरों को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लुधियाना शहर के लिए यह अति-आधुनिक सुपर सक्शन-कम-जैटिंग मशीन 1.45 करोड़ रुपए की लागत से खरीदी है। उन्होंने कहा कि यह मशीन शहर में लगभग दो सौ किलोमीटर सीवरेज लाइनों की सफाई का काम करने में बहुत मददगार साबित होगी। मान ने कहा कि यह मशीन सीवरेज की समस्या दूर करने में सहायक होगी, जिससे शहर निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

जादू कोई चमत्कार नहीं, एक कला है : जादूगर सम्राट शंकर

सिरसा (हिंस)। जादू भारत की प्राचीन कला है, जोकि 64 कलाओं में से एक है। जादूई शो का उद्देश्य लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरुक करना है। यह कहना है जादूगर शंकर सम्राट की। वे बुधवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के सौजन्य से सीडीएलयू में 3 से 6 अगस्त तक जादुई शो आयोजित किए जाएंगे। आमजन के लिए जादू शो में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। रोजाना दोपहर 1 बजे व सायं 6 बजे दो शो होंगे। उन्होंने कहा कि वे लगभग 5 दशकों से जादू की कला का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ लोगों को अंधविश्वास से दूर रहने का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को देश की प्राचीन जादू की कला से रूबरू करवाने तथा इस कला को जीवित रखने के लिए प्रदेश सरकार के साथ मिलकर प्रत्येक जिले में जादू के शो आयोजित किए जा रहे हैं। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के तहत सूचना,जनसम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के माध्यम से इन शो का आयोजन करवाया जा रहा है। जादूगर सम्राट शंकर ने कहा कि सिरसा में 3 से 6 अगस्त तक सीडीएलयू के ऑडिटोरियम हाल में प्रतिदिन दोपहर बाद 1 से 3 बजे तथा सांय 6 से 8 बजे तक जादू के शो आयोजित किए जाएंगे। इन शो में आम जनता का प्रवेश निशुल्क रहेगा। उपायुक्त पार्थ गुप्ता 3 अगस्त को दोपहर 1 बजे जादू के शो का शुभारंभ करेंगे। 73 वर्षीय जादूगर सम्राट शंकर ने कहा कि वे गत 5 दशकों से अपने रंगीन इंद्रजाल के माध्यम से अंधविश्वास से बचने के अलावा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तहत कन्या भ्रूण हत्या न करने, जल संरक्षण तथा हर प्रकार के नशे से दूर रहने का संदेश लोगों को दे रहे हैं। उनके शो में बच्चों के लिए अनेकों आइटमस रहती हैं।

सार्वजनिक धन के गबन में संलिप्तता के लिए दो बैंक अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश

श्रीनगर (हिंस)। कश्मीर की अपराध शाखा ने बुधवार को बारामूला में एक बैंक की विभिन्न शाखाओं में बड़ी मात्रा में सार्वजनिक धन के गबन में संलिप्तता के लिए दो बैंक अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। अपराध शाखा ने एक बयान में कहा कि आर्थिक अपराध शाखा, श्रीनगर ने गुलाम अहमद शाह पुत्र गुलाम मोहम्मद शाह निवासी हाजिन, बांदीपोरा (तत्कालीन बारामूला सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, पलहालन शाखा में कैशियर-सह-क्लर्क) और मोहम्मद साबिर डार पुत्र मोहम्मद सुभान डार निवासी नूर दीन कॉलोनी, बारामूला के खिलाफ पुलिस थाना अपराध शाखा कश्मीर के मामले की एफआईआर संख्या 24/2016 में आरपीसी की धारा 409, 420, 201 और 120-बी के तहत दंडनीय अपराधों में उनकी कथित संलिप्तता के लिए बारामूला सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, पलहालन शाखा के शाखा प्रबंधक को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, पट्टन के माननीय न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र पेश किया गया। बयान में कहा गया है कि क्राइम ब्रांच को सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, जम्मू-कश्मीर से एक लिखित संचार प्राप्त हुआ था, जिसमें अन्य बातों के अलावा आरोप लगाया गया था कि बारामूला सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के कुछ अधिकारियों/कर्मचारियों ने बेईमानी से और धोखाधड़ी से बड़ी मात्रा में जनता के पैसे का गबन किया है। तदनुसार, तत्काल मामला वर्ष 2016 में पी/एस अपराध शाखा कश्मीर में दर्ज किया गया और जांच शुरू हुई। जांच के दौरान आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रमाणित और निर्णायक रूप से साबित हुए। तदनुसार दोनों आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 173 के तहत आरोप-रिपोर्ट न्यायिक निर्धारण के लिए सक्षम क्षेत्राधिकार वाली अदालत के समक्ष पेश की गई है।

हिंदू एवं संत समाज ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

यमुनानगर (हिंस)। नूंह जिले में हुई हिंसा के मामले में बुधवार को हिंदू एवं संत समाज के संगठनों ने संयुक्त रूप से लघु सचिवालय के सामने इकट्ठे होकर दंगाइयों पर कठोर कार्रवाई व पीड़ितों के लिए उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और जिला उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। लघु सचिवालय पर जिला उपायुक्त को ज्ञापन देने को लेकर पुलिस प्रशासन और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं में तीखी बहस शुरू हो गई, लेकिन हिंदू संगठन के कार्यकर्ता जिला उपायुक्त को ज्ञापन देने पर अड़ गए। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने वहीं बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दिया। हालांकि कुछ समय बाद जिला उपायुक्त ने मौके पर आकर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं से ज्ञापन ले लिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। संत समाज के राहुल मुनि, चेतनानंद, दिव्यपुरु दास, गोपाल दास और उदयवीर शास्त्री ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि सोमवार को नूंह में ब्रजमंडल यात्रा पर हमले सहित आगजनी करने वाले उपद्रवियों और दंगाइयों पर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।

महिलाओं के स्वरोजगार के लिए केंद्र खोलेगी सेवा भारती

जयपुर (हिंस)। सेवा भारती जयपुर महानगर द्वारा पिछड़ी बस्ती की किशोरियों और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए केंद्र खोले जाएंगे। इन केन्द्रों में महिलाओं का कौशल विकास कर स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। मेहंदी प्रशिक्षण और फैशन डिजाइनिंग तथा कंप्यूटर ट्रेनिंग केंद्र खोले जाएंगे। शहर की ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आजाद नगर बस्ती व टीला नंबर 7बी की महिलाओं और किशोरियों को आश्वस्त करते हुए राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय अधिकारी मूलचंद सोनी ने कहा सेवा भारती इन बस्तियों में स्वरोजगार के लिए सभी को प्रेरित करेगी तथा साधन उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर सत्संग करने का सामान जिसमें ढोलक मंजीरे छन-छन सामग्री प्रदान की गई। बस्ती की महिलाओं ने बहुत अधिक संख्या में जोर शोर से इसके लिए उत्साह दिखाकर भजन सत्संग कर योजना का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रांत महिला कार्य प्रमुख अनिल शुक्ला, जयपुर महानगर सह मंत्री संजना अग्रवाल, गालव जिला सह मंत्री राजेश शुक्ला, गालव भाग अध्यक्ष रामलाल प्रजापति और उपाध्यक्ष तरुण केसवानी, सेवा प्रमुख नरेंद्र गुप्ता, विकास, ओम प्रकाश, रामस्नेही तथा बस्ती के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर बस्ती की महिलाओं ने साप्ताहिक भजन मंडली चलाने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के 25 हजार लाभार्थियों को सौंपे चेक

लुधियाना (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) स्कीम के अधीन घरों के निर्माण के लिए 25 हजार पात्र लाभार्थियों को वित्तीय सहायता के तौर पर 101 करोड़ रुपए के चेक सौंपे। इस स्कीम के अंतर्गत हर लाभार्थी को 1. 75 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी गई है। बुधवार को इन लाभार्थियों को चेक सौंपने के लिए करवाए राज्यस्तरीय समागम के दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों खासकर आर्थिक तौर पर कमजोर और पिछड़े वर्गों की भलाई के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह सरकार का फर्ज बनता है कि राज्य के सभी नागरिकों को रोटी, कपड़ा और मकान की जरूरतें मुहैया करवाई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे उनसे पहले के मुख्यमंत्री और मंत्री खजाना खाली होने का ढिंढोरा पिटते रहते थे, परंतु उनकी सरकार राज्य के खजाने का एक-एक पैसा लोगों की भलाई पर खर्च रही है। उन्होंने कहा कि फंडों की कमी तो पहले भी नहीं होती थी, परंतु समय की सरकार के पास दूरदर्शिता की कमी थी। अब उनकी सरकार सभी फंड लोगों की भलाई के लिए इस्तेमाल करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षम और भ्रष्ट नेताओं के कारण लोगों का राज्य की राजनैतिक लीडरशिप में भरोसा खत्म हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि साल 2022 के विधानसभा मतदान के दौरान राज्य के लोगों ने उनमें बहुत विश्वास प्रकट किया, जिसके लिए वह हमेशा लोगों के ऋणी रहेंगे। भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार की तरफ से समाज के हर वर्ग की भलाई यकीनी बनाने और राज्य के विकास पर जोर देकर लोगों के विश्वास को कायम रखने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। राज्य में सड़क हादसों के कारण हो रही मौतों पर चिंता का प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कीमती मानवीय जानें बचाने के लिए उनकी सरकार ने अनूठी पहल करते हुए पहली बार *सड़क सुरक्षा फोर्स* के गठन का फैसला किया, जिससे राज्य की सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पंजाब में हर रोज 14 मानवीय जानें सड़क हादसों की भेंट चढ़ जाती हैं।

यूपी की तर्ज पर हरियाणा में भी बुलडोजर चलाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तर्ज पर हरियाणा में भी बुलडोजर चलाने की मांग उठने लगी है। धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोकचंद के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को ज्ञापन सौंपा, जिसमें मांग की गई है कि जिन लोगों ने ब्रजमंडल यात्रा पर हमला किया, उन पर कड़ी कार्रवाई जाए और देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाए। एसडीएम कार्यालय पहुंचे धार्मिक संगठनों के लोगों ने बताया कि मेवात की हिंसा पूरी तरह से गलत है और यह सब सोची समझी साजिश के तहत किया गया है। साजिश के तहत ब्रजमंडल यात्रा पर हमला किया गया था। ब्रज मंडल यात्रा में सभी लोग हर बार बड़े शांतिपूर्ण तरीके से महादेव के मंदिर पर जाते हैं और इस बार भी ऐसा ही हुआ, परंतु इस बार उपद्रवी पूरा मन बना कर बैठे हुए थे और जैसे ही ब्रजमंडल यात्रा मेवात पहुंची उस पर हमला बोल दिया। पत्थर, बंदूक तथा गोली सब चीजों का इस्तेमाल उपद्रवियों ने किया। ऐसे में इन लोगों के खिलाफ सरकार प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उनका कहना है कि जब तक मेवात में बुलडोजर नहीं चलेगा तब तक उन लोगों में प्रशासन का डर नहीं बैठेगा। एसडीएम त्रिलोकचंद ने लोगों से ज्ञापन लेकर उन्हें विश्वास दिलाया कि यह ज्ञापन वह मुख्यमंत्री तक पहुंचाए देंगे, लेकिन आप सभी को शांति और संयम बरतने की जरूरत है, प्रशासन दोषियों को किसी कीमत पर नहीं बख्शेगा।

नूंह हिंसा : शहीदों को सम्मान न मिलने पर होमगार्डों ने जताया रोष

एसपी ने तिरंगा मंगाकर दी अंतिम विदाई

फतेहाबाद (हिंस)। नूंह हिंसा में मारे गए होमगार्ड गुरसेव का पार्थिव शरीर बुधवार को उसके पैतृक गांव फतेहपुरी पहुंचने पर होमगार्डों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन पर पार्थिव शरीर को मान-सम्मान न दिए जाने का आरोप लगाते हुए अंतिम संस्कार रोक दिया। पुलिस अधीक्षक के कहने पर राष्ट्रीय ध्वज मंगाया गया और पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर अंतिम विदाई दी गई। बुधवार को नूंह हिंसा में बलिदान देने वाले गुरसेव का पार्थिव शरीर जब गांव फतेहपुरी पहुंचा तो पूरा गांव शहीद के अंतिम दर्शनों के लिए उमड़ पड़ा। काफी संख्या में ग्रामीण और होमगार्ड के जवान भी गुरसेव को अंतिम विदाई देने पहुंचे थे। होमगार्ड के पार्थिव शरीर पर तिरंगा न देखकर होमगार्डों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। वहां मौजूद ग्रामीणों व होमगार्ड के जवानों ने शहीद को राजकीय मान-सम्मान न दिए जाने पर रोष जताते हुए संस्कार को रुकवा दिया। होमगार्ड के जवानों का कहना था कि उनसे वायदा किया गया था कि शहीद गुरसेव को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी, लेकिन शहीद को तिरंगे में लपेट कर भी नहीं लाया गया। होमगार्ड जवानों ने कहा कि प्रदेश सरकार उनके साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। जब पुलिस के साथ मिलकर वे ड्यूटी करते हैं तो हर बार उन्हें आगे कर दिया जाता है लेकिन जब कोई जवान शहीद हो जाता है तो उसे कोई सम्मान नहीं दिया जाता। उन्होंने मांग की कि गुरसेव की मौत ऑन ड्यूटी हुई है। उसे पूरे राजकीय सम्मान के साथ व तिरंगे में अंतिम विदाई दी जाए। मौके पर पहुंची जिला पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने ग्रामीणों से बातचीत की। बाद में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को मंगवाया गया और इसके बाद गमगीन माहौल में शहीद गुरसेव को अंतिम विदाई दी गई। अंतिम संस्कार से पहले बलिदान देने वाले होमगार्ड के पार्थिव शरीर पर सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन सुभाष बराला, जननायक जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष स. निशान सिंह, कैबिनेट मंत्री देवेन्द्र बबली के भाई विनोद बबली, पूर्व कृषि मंत्री परमवीर सिंह, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रणधीर सिंह, एसपी आस्था मोदी सहित अनेक लोगों ने शहीद को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर होमगार्डों ने गुरसेव को शहीद का दर्जा देने और परिवार में एक व्यक्ति को नौकरी देने की मांग की ताकि उसके परिवार का पालन-पोषण हो सके। इस पर मौके पर मौजूद एसपी आस्था मोदी ने कहा कि होमगार्ड के जवान गुरसेव की ऑन ड्यूटी मौत हुई है। अंतिम संस्कार के दौरान जो प्रोटोकाल होता है, उसका पूरा पालन किया गया है। अंतिम सलामी दी गई है। परिवार व अन्य ग्रामीणों की तिरंगे के साथ अंतिम विदाई की मांग थी, जिस पर तिरंगे को मंगवाया गया है। एसपी ने कहा कि परिजनों की अन्य मांगों को सरकार के पास भेज दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नूंह में 31 जुलाई को विश्व हिंदू परिषद की ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा में फतेहाबाद जिले के गांव फतेहपुरी निवासी गुरसेव सिंह शहीद हो गया था। 32 वर्षीय गुरसेव सिंह फतेहाबाद जिले में ही तैनात था। गत 7 जुलाई को ही उसे अस्थायी रूप से गुरुग्राम में तैनात किया गया था। वहां पर खेडड़ी दौला थाना में गुरसेवक सिंह की पोस्टिंग हुई थी और हिंसा वाले दिन वह पुलिस टीम के साथ गुरुग्राम से मेवात जा रहा था तभी उपद्रवियों ने उसकी गाड़ी पर पथराव व फायरिंग कर दी थी, जिससे गुरसेव सिंह की मौत हो गई थी। इस हिंसा में दो होमगार्डों की मौत हुई थी। हरियाणा पुलिस ने दोनों होमगार्ड जवानों को शहीद बताते हुए इनके परिवार को 57-57 लाख रुपए की सहयोग राशि देने की घोषणा की थी।

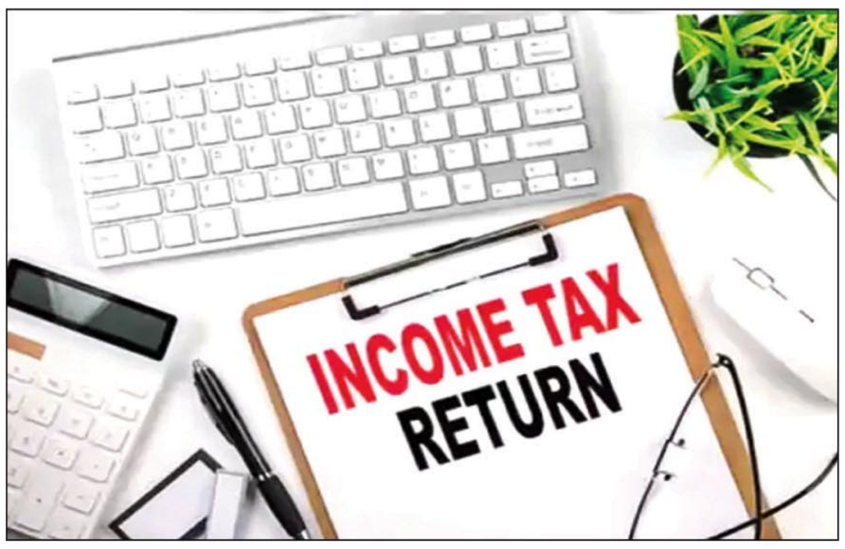

अभी तक इनकम टैक्स रिफंड नहीं मिला: 7 से 120 दिनों के भीतर जारी होता है रिफंड, देरी होने पर क्या करें

नई दिल्ली।
वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बिना जुर्माने के आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 31 जुलाई को खत्म होने के बाद अब लोगों को अपने रिफंड का इंतजार है। आखिरी दिन तक करीब 6.77 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। इनमें से 3.44 करोड़ आईटीआर प्रोसेस कर लिए गए हैं। यानी इनमें से जो भी रिफंड के लिए एलिजिबल है उनका रिफंड प्रोसेस हो चुका है। आईटीआर रिफंड तब मिलता है जब आपका टैक्स पेमेंट एक्चुअल टैक्स लाइबिलिटी से ज्यादा होता है। 7 से 120 दिनों के भीतर जारी होता है रिफंड आईटीआर रिफंड आमतौर पर रिटर्न दाखिल करने की तारीख से 7 से 120 दिनों के भीतर जारी किया जाता है। टेक्नोलॉजी के एडवांस होने और प्रोसेस ऑनलाइन होने से रिफंड के लिए ऐवरेज प्रोसेसिंग टाइम में काफी कमी आई है। रिफंड की स्थिति कैसे जांचें ई-फाइलिंग वेबसाइट – या नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड की ई-गवर्नेंस वेबसाइट – के माध्यम से टैक्स रिफंड स्टेटस देख सकते हैं। यहां हम स्टेटस कैसे देखना है इसकी प्रोसेस बता रहे हैं: खोलें और यूजर आईडी (पैन) और पासवर्ड दर्ज करके अकाउंट में लॉग इन करें। ई-फाइल ऑप्शन पर क्लिक करें इनकम टैक्स रिटर्न चुनें और फिर व्यू फाइल्ड रिटर्न पर क्लिक करें। अब आपको व्यू डिटेल्स ऑप्शन चुनना होगा जो फाइल किए गए नए आईटीआर का स्टेटस दिखाएगा। वहीं वेबसाइट के माध्यम से इनकम टैक्स स्टेटस की जांच करने के लिए, यूजर्स को अपना परमानेंट अकाउंट नंबर (पैन) दर्ज करना होगा। अब असेसमेंट ईयर चुने। रिफंड पेमेंट स्टेटस सामने आ जाएगा। रिफंड में देरी के क्या कारण हो सकते हैं रिफंड या तो इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से किया जाता है यानी सीधे खाते में जमा किया जाता है या चेक के माध्यम से किया जाता है। रिफंड लेट होने के 5 कारण हो सकते हैं: बैंक अकाउंट डिटेल्स का गलत होना अतिरिक्त दस्तावेज/जानकारी की आवश्यकता रिफंड के लिए गलत जानकारी देना टीडीएस/टीसीएस में मिसमैच होना रिफंड रिक्वेस्ट का अंडर प्रोसेस होना रिफंड में देरी होने पर क्या करें सबसे पहले अपना ईमेल चेक करें। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने किसी तरह की कोई ऐडिशनल जानकारी के लिए मेल तो नहीं भेजा है। यदि आईटीआर स्टेटस से पता चलता है कि रिफंड एक्सपायर हो गया है, तो टैक्सपेयर रिफंड री-इश्यू करने का अनुरोध कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी विल्मर के नतीजे जारी किए: पहली तिमाही में कंपनी को 79 करोड़ का घाटा हुआ, रेवेन्यू 12प्रतिशत गिरा

मुंबई। अडाणी विल्मर ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी को 79 करोड़ रुपए का नेट लॉस हुआ है। एक साल पहले कंपनी को 194 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। इसके साथ ही इस तिमाही में कंपनी का सालाना आधार पर रेवेन्यू 12प्रतिशत गिरकर 12,928 करोड़ रुपए रहा, जो एडिबल ऑयल की कीमतों में भारी गिरावट का असर है। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में रेवेन्यू 14,724 करोड़ रुपए था। जून तिमाही में कंपनी का सालाना आधार पर 71प्रतिशत गिरकर 130 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले फाइनेंशियल ईयर की पहली तिमाही में 443 करोड़ रुपए था। वहीं, कंपनी का मार्जिन 3प्रतिशत से गिरकर में 1प्रतिशत हो गया। अडाणी विल्मर के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर अंगशु मलिक ने कहा, एडिबल ऑयल की कीमतों में गिरावट के माहौल में ऊंची लागत वाली इन्वेंट्री से हमारा मार्जिन प्रभावित हुआ है। एडिबल ऑयल और इंडस्ट्री के जरूरी सामानों के सेगमेंट की कीमत में 15प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि टोटल सेल वैल्यू में 25प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

टॉप-50 डिफॉल्टर्स ने बैंकों के 87295 करोड़ नहीं लौटाए: मेहुल चोकसी की गीतांजलि जेम्स पर सबसे ज्यादा 8,738 करोड़ रुपए बकाया

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि टॉप 50 विलफुल डिफॉल्टरों पर 31 मार्च 2023

तक बैंकों और वित्तीय संस्थानों का 87,295 करोड़ रुपए बकाया है। इन विलफुल डिफॉल्टर्स में भगोड़े मेहुल चोकसी की गीतांजलि जेम्स लिमिटेड, ऋषि अग्रवाल की एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड, आरईआई एग्रो लिमिटेड और एरा इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड शामिल हैं। वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि विलफुल डिफॉल्टर यानी जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों में से टॉप 10 पर शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंकों का 40,825 करोड़ रुपए बकाया है। वहीं भगोड़े मेहुल चोकसी की गीतांजलि जेम्स सबसे बड़ी विलफुल डिफॉल्टर है। उस पर बैंकों का 8,738 करोड़ रुपए बकाया है। एक अलग जवाब में कराड ने कहा कि 2022-23 में फ्रॉड के 66,069 मामले सामने आए। इससे 85.25 करोड़ का नुकसान हुआ।

फिच ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग घटाई, व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने जताया कड़ा एतराज

नई दिल्ली । फिच रेटिंग्स ने अमेरिकी सरकार की क्रेडिट रेटिंग को एएए से घटाकर एए+ कर दिया है, जिसके लिए शासन के मानकों में लगातार गिरावट का हवाला दिया गया है। यह गिरावट हाल के ऋण सीमा नाटक के बाद आई है, जहां सांसद इस साल की शुरुआत में ऋण सीमा सौदे पर अंतिम मिनट तक बातचीत कर रहे थे, जिससे देश की पहली चूक का खतरा था। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 6 जनवरी का विद्रोह भी इसका एक प्रमुख योगदान कारक था। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि बाइडन प्रशासन के अधिकारियों
के साथ बैठक में फिच रेटिंग्स के प्रतिनिधियों ने छह जनवरी के विद्रोह को बार-बार एक महत्वपूर्ण चिंता के रूप में रेखांकित किया क्योंकि यह अमेरिकी शासन से संबंधित मामला है। रेटिंग में कमी के पीछे अपने तर्क को समझाते हुए फिच ने कहा, अगले तीन साल में राजकोषीय स्थिति में गिरावट, सरकार पर कर्ज का बोझ बढ़ने और पिछले दो दशकों में एए और एएए रेटिंग वाले समकक्षों की तुलना में शासन में गिरावट का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, फिच ने कहा कि रेटिंग घटाने का निर्णय केवल नवीनतम ऋण सीमा
गतिरोध के कारण नहीं लिया गया है, बल्कि राजकोषीय और ऋण मामलों के संबंध में पिछले 20 वर्षों में शासन के मानकों में लगातार गिरावट के कारण भी लिया गया है। इस घटनाक्रम पर बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

पीएमओ के नाम पर ठगी करने वाले के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट, बड़े-बड़े कारोबारियों को ऐसे लगाया चूना

नई दिल्ली।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), वरिष्ठ नौकरशाहों और नेताओं के करीबी के रूप में खुद को पेश कर कई लोगों से ठगी करने के आरोप में कथित ठग संजय प्रकाश राय उर्फ संजय शेरपुरिया के खिलाफ धनशोधन रोधी कानून के तहत आरोपपत्र दायर किया है। ईडी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अभियोजन की शिकायत 28 जुलाई को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत में धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत के समक्ष दायर की गई थी और अदालत ने 31 जुलाई को इसका संज्ञान लिया। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला लखनऊ पुलिस की ओर से दायर एक प्राथमिकी से उपजा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राय ने खुद को वरिष्ठ राजनेताओं और नौकरशाहों का करीबी बताकर और खुद को एक प्रभावशाली, एक सामाजिक कार्यकर्ता और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जुड़ा बताकर आम जनता से बड़ी मात्रा में धन ठगा। ईडी ने कुछ महीने पहले दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजीपुर, पुणे और गांधीधाम में 42 स्थानों पर तलाशी के बाद राय को गिरफ्तार किया था।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि एक मामले में राय ने कारोबारी गौरव डालमिया और उनके परिवार को ईडी द्वारा की जा रही जांच में गिरफ्तारी का डर पैदा कर 12 करोड़ रुपये का चूना लगाया। ईडी ने कहा कि कुल राशि में से छह करोड़ रुपये की राशि डालमिया फैमिली ऑफिस ट्रस्ट से जनवरी, 2023 में यूथ रूरल एंटरप्रेन्योर फाउंडेशन (वाईआरईएफ) के बैंक खाते में प्राप्त हुई, डालमिया फैमिली ऑफिस ट्रस्ट में गौरव डालमिया ट्रस्टी हैं।

16 फरवरी 2019 को कंपनी अधिनियम के तहत गैर-लाभकारी कंपनी बनाकर की गई ठगी

ईडी के अनुसार, राय ने 16 फरवरी, 2019 को कंपनी अधिनियम के तहत वाईआरईएफ को एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में शामिल किया और वाईआरईएफ का पंजीकृत पता उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के पोस्ट सहेरी के करैला गांव में था। हालांकि, वाईआरईएफ की वास्तविक परिचालन गतिविधियां मकान नंबर एक, दिल्ली राइडिंग क्लब, सफदरजंग रोड, नई दिल्ली से की जा रही हैं, जो राय का आवासीय पता भी है। एजेंसी ने कहा कि हालांकि राय वाईआरईएफ में किसी आधिकारिक पद पर नहीं हैं, लेकिन वह कंपनी के दिन-प्रतिदिन के मामलों को नियंत्रित करते हैं और अंतिम लाभार्थी हैं।

छह करोड़ रुपये का भुगतान राय को डालमिया फैमिली ऑफिस ट्रस्ट से वाईआरईएफ में दान के रूप में मिला था। राय पर आरोप है कि उन्होंने डालमिया फैमिली ऑफिस ट्रस्ट से प्राप्त छह करोड़ रुपये के भुगतान के संबंध में फर्जी दस्तावेज तैयार किए ताकि लेन-देन की वास्तविक प्रकृति को छिपाया जा सके।

वाईआरईएफ के खाते में प्राप्त छह करोड़ रुपये के अलावा, राय को डालमिया से छह करोड़ रुपये की राशि नकद में मिली थी, जिसे बाद में पुराने आभूषणों की बिक्री की आड़ में दिल्ली स्थित कुछ आभूषण विक्रेताओं से आवास (हवाला) प्रविष्टियों के रूप में उनके बेटों यश संजयप्रकाश राय और सुजल संजयप्रकाश राय के बैंक खातों में रखा गया था।

ईडी के अनुसार एक अन्य मामले में राय पर आरोप है कि उसने शिप्रा एस्टेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मोहित सिंह को वरिष्ठ राजनेताओं और नौकरशाहों के साथ अपने संपर्क दिखाकर धोखा दिया और झूठे वादे करके उनसे एक करोड़ रुपये ठगे। ईडी ने आरोप लगाया है कि एक करोड़ रुपये का भुगतान दान की आड़ में वाईआरईएफ के बैंक खाते में किया गया। राय ने बिंदु फैशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नवीन कुमार मल्होत्रा से एक करोड़ रुपये और मेटाडिजाइन सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सुनील चंद गोयल से 51.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। ईडी ने इससे पहले राय की 14.54 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की थी।

एसबीआई अमृत-कलश स्कीम में 15 अगस्त तक निवेश का मौका

इसमें सीनियर सिटिजन को 7.60प्रतिशत और अन्य को मिल रहा 7.10प्रतिशत सालाना ब्याज

नई दिल्ली।
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्पेशल फिक्स डिपॉजिट स्कीम अमृत कलश इस महीने 15 अगस्त को खत्म हो रही है। इस स्कीम के तहत सीनियर सिटिजन को एफडी पर 7.60प्रतिशत और अन्य को 7.10प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस फिक्स डिपॉजिट स्कीम में 400 दिन के लिए निवेश करना होता है। ऐसे में अगर आप एफडी पर ज्यादा ब्याज चाहते हैं तो इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। हम आपको इसके बारे में बता रहे हैं।

ये एक स्पेशल टर्म डिपॉजिट

अमृत कलश एक स्पेशल रिटेल टर्म डिपॉजिट यानी एफडी है। इसमें सीनियर सिटिजन को 7.60प्रतिशत और आम नागरिकों को 7.10प्रतिशत के दर से इंटरेस्ट रेट मिलता है। इसमें अधिकतम 2 करोड़ रुपए की एफडी करा सकते हैं। अमृत कलश स्कीम के तहत आपको ब्याज का भुगतान प्रति महीना, प्रति तिमाही और हर छमाही किया जाता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार एफडी ब्याज का पेमेंट तय कर सकते हैं। ऑनलाइन या ऑफलाइन कर सकते हैं निवेश

इस स्कीम में निवेश करने के लिए आप बैंक के ब्रांच जाकर भी निवेश कर सकते है। वहीं नेटबैंकिंग और एसबीआई ऐप के जरिए भी इसमें निवेश किया जा सकता है। अमृत कलश पर आम एफडी की तरह ही लोन लेने की सुविधा भी मिलती है।

एसबीआई वीकेयर स्कीम में भी 30 सितंबर तक कर सकेंगे निवेश

एसबीआई ने अपनी एक अन्य स्पेशल टर्म डिपॉजिट स्कीम वीकेयर की लास्ट डेट को भी आगे बढ़ाया है। अब इस स्कीम में 30 सितंबर 2023 तक निवेश किया जा सकता है। एसबीआई की इस स्कीम में सीनियर सिटीजन को 5 साल या उससे ज्यादा की अवधि के डिपॉजिट पर 50 बेसिस पॉइंट्स का एक्स्ट्रा ब्याज मिलेगा। सीनियर सिटिजन को 5 साल से कम के रिटेल टर्म डिपॉजिट पर आम पब्लिक के मुकाबले 0.50प्रतिशत ज्यादा ब्याज मिलता है। वहीं वीकेयर डिपॉजिट स्कीम के तहत 5 साल या इससे ज्यादा की एफडी पर 1प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

बीवायडी पर भारत में टैक्स चोरी का आरोप: जांच के दायरे में चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनी, डीआरआई लगा सकती है जुर्माना

नई दिल्ली।
चीन की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनी बीवायडी पर भारत में टैक्स चोरी करने का आरोप लगा है। देश में असेंबल और बेची जानी वाली कारों के लिए जो पार्टस् मंगाए थे, उस पर बहुत कम टैक्स पेमेंट किया है। वहीं, भारत सरकार के रेवेन्यू इंटेलिजेंस विंग ने कहा कि बीवायडी ने 9 मिलियन डॉलर (74 करोड़) का कम टैक्स पेमेंट किया है। हालांकि, जब डीआरआई ने इसकी जांच शुरू की तो बीवायडी ने बचे हुए टैक्स का पेमेंट कर दिया।

कंपनी पर अतिरिक्त टैक्स चार्ज और जुर्माना लगा सकती है डीआरआई

रिपोर्ट के अनुसार, डीआरआई ने अभी तक बीवायडी को नोटिस नहीं जारी किया है, लेकिन अभी जांच जारी है। डीआरआई कंपनी पर अतिरिक्त टैक्स चार्ज और जुर्माना लगा सकती है। इस मामले में अभी तक कंपनी या सरकार की ओर से ऑफिशियल तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी गई है।

भारत में इलेक्ट्रिक सेडान बेचती है कंपनी

अभी बीवायडी भारतीय मार्केट में इलेक्ट्रिक एटो 3, इलेक्ट्रिक सेडान बेचती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी भारत में जल्द ही एक और अपनी इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर सकती है। बिक्री के हिसाब से अभी बीवायडी दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल मेकर कंपनी है।

हाल ही में सरकार ने ठुकराया है बीवायडी के निवेश का प्रस्ताव

हाल ही में सरकार ने बीवायडी के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के प्रस्ताव को ठुकराया है। बीवायडी हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के साथ पार्टरशिप करके बनाने के लिए प्लांट लगाना चाहती थी, जिसके लिए कंपनी ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के पास प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। इसके बाद विभिन्न विभागों से इसके बारे में इनपुट मांगा था। चर्चा के दौरान सेफ्टी को लेकर कई सवाल उठाए थे।

सीईओ उत्तराधिकार मसले पर आरबीआई से कोई सूचना नहीं मिली, दिसंबर तक है उदय कोटक का कार्यकाल

नई दिल्ली ।
निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा कि उसे अपने कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के उत्तराधिकार के बारे में रिजर्व बैंक से कोई सूचना नहीं मिली है। इसके वर्तमान सीईओ उदय कोटक का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त हो रहा है और सीईओ के कार्यकाल को सीमित करने से जुड़े आरबीआई के नए नियमों के अनुसार, वह कार्यालय में नहीं बने रह सकते हैं। कोटक ने घोषणा की है कि वह ऋणदाता में गैर-कार्यकारी बोर्ड के सदस्य के रूप में बने रहेंगे, जिसमें उनकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है, जिससे यह प्रमुख प्रमोटर शेयरधारकों वाले निजी क्षेत्र के कुछ बड़े बैंकों में से एक बन गया है। बैंक ने एक बयान में

कहा, हम यह बताना चाहते हैं कि आरबीआई की ओर से कोटक महिंद्रा बैंक या उसके निदेशक मंडल के सदस्यों को सीईओ के उत्तराधिकार को लेकर कोई औपचारिक या अनौपचारिक सूचना नहीं दी गई है। बैंक का यह बयान उस मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया के तौर पर आया है, जिसमें कहा गया था कि नियामक बैंक पर किसी बाहरी व्यक्ति को उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त करने के लिए दबाव डाल रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आरबीआई इस बात की समीक्षा कर रहा है कि कोटक महिंद्रा बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली बीमा सहायक कंपनियों में हिस्सेदारी से कोई जोखिम है या नहीं। इससे पहले मीडिया में आई एक खबर के अनुसार, बैंक ने उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक कार्यकारी खोज फर्म को नियुक्त किया है और केवीएस मणियन और शांति एकांबरम चयन के लिए आंतरिक उम्मीदवारों में शामिल थे। बैंक के बयान में कहा गया है कि उसे बीमा इकाइयों में अपनी हिस्सेदारी की मात्रा के बारे में आरबीआई सहित नियामकों से मंजूरी मिल गई है और इस पहलू पर भी नियामक से कोई सूचना नहीं मिली है। गौरतलब है कि निवेशकों ने हाल ही में उदय कोटक के उत्तराधिकारी के मुद्दे पर कुछ बेचैनी दिखाई है ऐसा शेयर मूल्यों पर दबाव से पता चलता है।

हीरो मोटोकॉर्प ने हार्ले डेविडसन एक्स440 की कीमत 10,500 बढ़ाई

आज तक बुकिंग करने वाले कस्टमर्स को कम कीमत में मिलेगी बाइक

नई दिल्ली।
हीरो मोटोकॉर्प ने पिछले महीने लॉन्च हुई हार्ले-डेविडसन एक्स440 की कीमत 10,500 रुपए बढ़ा दी है। कंपनी ने बताया है कि यह बढ़ोतरी सभी वैरिएंट पर लागू होगी। हालांकि, 3 अगस्त यानी आज तक इसकी बुकिंग करने वाले कस्टमर्स को इंट्रोडक्ट्री कीमत पर ही बाइक मिलेगी।

हीरो मोटोकॉर्प के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर निरंजन गुप्ता ने कहा, लॉन्च के समय से हार्ले-डेविडसन एक्स440 ने इंडस्ट्री में उत्साह पैदा किया है। हमने इसे 2.29 लाख की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया था। अब हम नई कीमत की घोषणा कर रहे हैं जो ऑनलाइन बुकिंग की अगली विंडो पर लागू होगी। इंट्रोडक्ट्री कीमत के साथ वर्तमान ऑनलाइन बुकिंग विंडो 3 अगस्त को बंद हो जाएगी।

हार्ले डेविडसन की यह पहली मेड-इन-इंडिया बाइक

हार्ले-डेविडसन की यह पहली मेड-इन-इंडिया बाइक है, जिसे हीरो मोटोकॉर्प ने

पार्टनरशिप के साथ डेवलप किया है। ये बाइक 3 जुलाई को भारत में लॉन्च हुई थी और उसके अगले दिन 4 जुलाई से बुकिंग शुरू हुई थी।

हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि बाइक की बुकिंग को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। इसकी ऑनलाइन बुकिंग विंडो 3 अगस्त को बंद हो जाएगी। वहीं, 1 सितंबर से पूरे देश में कस्टमर्स को बाइक की टेस्ट राइड दी जाएगी। हालांकि, यह टेस्ट राइड उन्हें ही मिलेगी, जिन्होंने बाइक की बुकिंग की है।

हार्ले-डेविडसन एक्स440: डिजाइन

न्यू हार्ले-डेविडसन एक्स440 में स्क्वॉयरिश फ्यूल टैंक, के साथ गोल हेडलाइट, हेडलाइट के ऊपर राउंड स्पीडो मीटर, चौड़े हैंडल बार के साथ इंडिकेटर्स और मिरर्स दिए गए हैं। हेडलाइट में रिंग जैसा प्रोजेक्टर दिया गया है, जिसके ऊपर हार्ले-डेविडसन लिखा हुआ है। इसके साथ ही सर्कुलर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है।

हार्ले-डेविडसन एक्स440: इंजन

कंपनी ने हार्ले-डेविडसन एक्स440 में ऑयल-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया है, जिसे 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है। यह इंजन 27 की पॉवर और 38 का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इंजन 20 पेट्रोल के अनुसार बनाया गया है।

हार्ले-डेविडसन एक्स440: ब्रेकिंग और फीचर्स

हार्ले-डेविडसन एक्स440 के फीचर्स की बात करें तो इसमें एंटी-लॉक ब्रैकिंग सिस्टम के साथ डुअल-चैनल (फ्रंट और रियर में डिस्क ब्रेक) दिया गया है। यह प्रीलोड-एडजस्टेबल ट्विन शॉक एब्जॉर्बर के साथ आती है। इसके साथ फ्रंट व्हील 18 इंच का है और रियर व्हील 17 इंच का है। इसमें स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ नेविगेशन, कॉल और मैसेज को मैनेज करने वाली एक यूनिट दी गई है। इसके अलावा एक चार्जिंग सॉकेट भी दिया गया है।

हार्ले-डेविडसन एक्स440 के राइवल्स

हार्ले-डेविडसन एक्स440 का मुकाबला रॉयल एनफील्ड 350 रेंज से है, जिसमें क्लासिक 350, हंटर और मीटियोर शामिल हैं। इसके अलावा होंडा 350 और 350 बेनेली इम्पीरियल 400 और अपकमिंग ट्रायम्फ स्पीड 400 को भी ये बाइक टक्कर देगी।

पवन सिंह का नया सावन गीत 'भोले भंडारी' हुआ रिलीज

भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह का सावन के महीने में भगवान शिव की भक्ति में एक और धमाकेदार गाना 'भोले भंडारी' रिलीज हो गया है। पवन सिंह के इस गाने को उनके फैंस और भोजपुरी संगीत प्रेमियों का खूब प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है। इस वजह से इस गाने को रिलीज होते लाखों लोगों ने देख लिया है और मिलियन व्यूज होने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। पवन के इस गाने में लंबे समय बाद चांदनी सिंह भी नजर आ रही हैं। एक बार फिर से पवन सिंह और चांदनी सिंह की केमेस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रहा है और गाना अब वायरल होना शुरू हो गया है। पावर स्टार पवन सिंह भोजपुरी के सबसे बेहतरीन और दिग्गज सिंगरों की श्रेणी में आते हैं और इसलिए उनके गानों का इंतजार भी लोगों द्वारा बड़ी बेसब्री से किया जाता है। ऐसे में उनका नया गाना रिलीज हुआ है। इस गाने में पवन सिंह, अभिनेत्री चांदनी सिंह से कहते हैं कि जब से ते गईल गद्दारी रे तब से दिल बस गईले भोले भंडारी रे। आपको बता दें कि पवन का यह गाना आदिशक्ति फिल्म्स से रिलीज हुआ है।

इसको लेकर पवन सिंह ने कहा कि गाना को हमने कन्सेप्चुअल बनाया है। लोग अक्सर प्रेम में धोखा खाकर गलत कदम उठा लेते हैं। वैसे लोगों के लिए हमारा गाना प्रेरणा है कि जब भी आपके साथ ऐसी कोई घटना हो, तब आप अपने आराध्य को अपने दिल में बसा लें। हम सबों से आग्रह करेंगे कि वे हमारे गाने को जरूर देखें। गौरतलब है कि गाना भोले भंडारी को पावर स्टार पवन सिंह ने शिल्पी राज के साथ मिलकर गाया है। पवन सिंह को तो भोजपुरी सिनेमा में आवाज का जादूगर कहा जाता है। वहीं, शिल्पी राज को सुरों की मल्लिका कहा जाता है। इस गाने की गीतकार विशाल भारती और संगीतकार श्याम सुंदर हैं।

लव करुं या शादी फिल्म की शूटिंग, 20 दिन तक आगरा में मुंबईया कलाकारों का जमावड़ा

-बड़े पर्दे पर नजर आएंगे अली असगर

मुंबई (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के आगरा शहर में पिछले कई दिनों से लव करू या शादी फिल्म की शूटिंग चल रही है। फिल्म निमार्ता जयप्रकाश शाह के नेतृत्व में यह मूवी बनाई जा रही है। फिल्म में लव रोमांस और कॉमेडी का तड़का है। फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। मूवी लॉन्च होने से पहले आगरा में लव करू या शादी की पूरी कास्ट टीम ने सक्सेस पार्टी इनवाइट की । इस मूवी में चुलबुले मामा का किरदार निभाने वाले मशहूर कॉमेडियन अली असगर ने बात की ।अपनी दमदार कॉमेडी से पूरे देश में अलग पहचान बनाने वाले अली असगर द कपिल शर्मा शो में दादी और नानी के किरदार में नजर आते थे। लेकिन 2017 में उन्होंने द कपिल शर्मा शो को छोड़ दिया । इसके बाद से वह बड़े पर्दे पर नजर नहीं आए थे। लंबे वक्त के बाद अब वह इस मूवी के जरिए लोगों के बीच फिर से नजर आएंगे। अली असगर का कहना है कि भले ही वे लंबे वक्त से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आए हैं। लेकिन उनके दादी और नानी वाले किरदार को लोग आज ही पसंद करते हैं। अगर आज उसकी चर्चा हो रही है तो ये उनके के लिए फख की बात है। फिल्म आदि पुरुष पर उठे बवाल पर अली असगर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक यह फिल्म नहीं देखी है। मेरा अब तक का करियर बिना विवादों के रहा है। मैं नॉन कंट्रोवर्शियल एक्टर हूं। रही बात मूवी की तो मैं आदि पुरुष मूवी नहीं देख पाया क्योंकि मैं सूट के लिए बाहर था। एक एक्टर होने के नाते में कहूंगा कि कलाकार को हमेशा विवादों में नहीं पड़ना चाहिए और न ही लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ करना चाहिए। प्यार करूं या फिर शादी मूवी में अली असगर एक चुलबुले मामा का किरदार निभा रहे हैं। ऐसा मामा जो खुद बैचलर है और अपने लिए प्यार ढूंढ रहा है। लव करूं या शादी जैसा कि नाम से पता चल रहा है। अक्सर कई यंग लड़के लड़कियां शुरूआत में लव के चक्कर में पढ़ते हैं और बाद में फिर फैमिली में ड्रामा होता है।

बहुत बढ़िया कहा मिस्टर मूर्ति : सुजैन खान

-करीना की आलोचना से खुश हुई ऋतिक की एक्स वाइफ

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान नके लिए इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति की सराहना की है। इस वीडियो को एक नए पोर्टल के इंस्टाग्राम हैंडल पर भी शेयर किया गया, जहां सुजैन ने उनकी तारीफ की। उन्होंने लिखा, बहुत बढ़िया कहा मिस्टर मूर्ति। करीना और ऋतिक ने साथ में कभी खुशी कभी गम, यादें और मुझसे शादी करोगे जैसी फिल्मों में काम किया है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें मूर्ति ने बताया कि कैसे करीना ने फ्लाइट में अपने फैंस को नजरअंदाज किया, जिसमें वह भी थे। मूर्ति ने कहा, उस दिन मैं लंदन से आ रहा था और मेरे बगल वाली सीट पर करीना कपूर बैठी थीं। इतने सारे लोग उसके पास आए और उन्होंने नमस्ते कहा। उसने प्रतिक्रिया देने की जहमत भी नहीं उठाई। मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ। जो कोई भी मेरे पास आया, मैं खड़ा हो गया और हमने एक मिनट या आधे मिनट तक बात की और वो लोग उसी की उम्मीद कर रहे थे। जबकि, करीना के समर्थन में आते हुए मूर्ति की पत्नी सुधा ने कहा कि उनके लाखों फैंस हैं। वह थक गयी होगी। नारायण मूर्ति ने आगे कहा, यह मुद्दा नहीं है। मुद्दा यह है कि जब कोई प्यार दिखाता है, तो आप भी उसे वापस दिखा सकते हैं, चाहे जितना भी सीक्रेट तरीके से कर सकें। मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है। ये सब आपके अहंकार को कम करने के तरीके हैं, बस इतना ही।

लोकेश कनगराज ने जारी किया संजय लुक

बालीवुड अभिनेता संजय दत्त ने हाल ही अपना 64वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर, निर्देशक लोकेश कनगराज ने आगामी फिल्म लियो से एंटनी दास के रूप में अभिनेता के लुक का अनावरण किया। फिल्म में दत्त खलनायक की भूमिका निभाएंगे जबकि थलपति विजय मुख्य किरदार निभाएंगे। संजय दत्त के जन्मदिन पर अभिनेता के साथ-साथ उनके प्रशंसक भी जश्न मनाने की मुद्रा में हैं। निर्देशक लोकेश कनगराज ने ट्विटर का सहारा लिया और अपनी आगामी फिल्म लियो से अभिनेता की एक छोटी सी झलक पेश की। फिल्म में संजय दत्त प्रतिपक्षी एंटनी दास की भूमिका निभा रहे हैं और उनका मुकाबला किसी और से नहीं बल्कि थलपति विजय से होगा। वीडियो में संजय दत्त उतने ही खतरनाक लग रहे हैं, जितने हमेशा एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में नजर आते थे।

सलमान चाहकर भी नहीं छोड़ पा रहे बिग बॉस

-बोले-मेरे फैंस मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि

मुंबई (ईएमएस)। सुपरस्टार सलमान खान ने खुलासा किया है कि वह कई बार शो बिग बॉस ओटीटी 2 छोड़ने की धमकी देने के बाद भी वापस क्यों आ जाते हैं। सलमान ने कहा, मेरे फैंस मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि और गौरव हैं! मैं जो कुछ भी हूं उनकी वजह से हूं। हां, मैं शो में अपना आपा खो देता हूं और कभी-कभी बाहर भी चला जाता हूं लेकिन मैं हमेशा केवल और केवल अपने फैंस के लिए वापस आता हूं, जो बड़ी ही बेसब्री के साथ मेरे वीकेंड का वार का इंतजार करते हैं। बिग बॉस एक भारतीय रियलिटी शो फ्रेंचाइजी है जो डच रियलिटी शो बिग ब्रदर पर बेस्ड है। बिग बॉस मूल रूप से हिंदी भाषा में शुरू किया गया था, और तब से इसे कन्नड़, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मराठी और मलयालम सहित भारतीय उपमहाद्वीप में बोली जाने वाली सात भाषाओं में विस्तारित किया गया है। सलमान 2010 में इसके सीजन 4 के साथ एक होस्ट के रूप में शो में शामिल हुए थे। तब से वह एक दशक से ज्यादा समय से शो का हिस्सा हैं। वर्तमान में शो के ओटीटी वर्जन में, कंटेस्टेंट्स में पूजा भट्ट, एल्विश यादव, अभिषेक मल्हान, आशिका भाटिया, मनीषा रानी, बेबिका धुर्वे, जद हदीद और अविनाश सचदेवा शामिल हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 जियो सिनेमा पर प्रसारित होता है, जो दर्शकों को उनके पसंदीदा किरदारों की 24 घंटे कवरेज देता है।

स्टार प्लस के शो बातें कुछ अनकही सी में उषा उथुप बिखेरेंगी जलवा

मुंबई (ईएमएस)। स्टार प्लस अपने नए शो बातें कुछ अनकही सी में पापुलर सिंगर उषा उथुप को लेकर आ रहा है। चैनल अपने शो को प्रमोट करने के लिए एक बॉलीवुड सिंगर को बोर्ड पर लाने जा रहा है। बता दें कि वेटरेन सिंगर एक म्यूजिक वीडियो के जरिए शो का प्रचार करती नजर आएंगी। अब क्योंकि यह शो मुख्य किरदार वंदना के बारे में है, जिसने तमाम मुश्किलों के बाद सफलता हासिल की है, उसकी आवाज और प्रतिभा बहुत ही असामान्य है। वहीं उषा उथुप खुद एक अनकन्वेंशनल टैलेंट हैं जिन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री में अपना नाम खूब रौशन किया है। ऐसे में उषा उथुप की कहानी इस शो के साथ बिल्कुल फिट बैठती है और वो शो कनेक्ट करती है। हालांकि ये खबर उषा उथुप के सभी प्रशंसकों के लिए एक सौगात होगी, क्योंकि उन्हें उनकी आवाज सुनने का मौका फिर से मिलेगा। दर्शकों को बातें कुछ अनकही सी शो में उषा उथुप की संगीत यात्रा, उनके संघर्ष की कहानियां और सभी मुश्किलों के खिलाफ जो उन्होंने जीत हासिल की, देखने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि स्टार प्लस हमेशा असाधारण और नए कंटेंट एक्सप्लोर करने के लिए जाना जाता है। अब यह पहली बार है कि स्टारप्लस किसी फिक्शन शो के बैकग्राउंड के रूप में म्यूजिक का इस्तेमाल करने जा रहा है। और बातें कुछ अनकही सी के साथ ये चैनल कुछ अलग और प्रासंगिक करने के लिए तैयार है। इस शो के साथ राजन शाही निमार्ता के रूप में जुड़ रहे हैं। यह कहानी एक अनोखी आवाज वाली लड़की के जीवन और प्यार के बारे में है, जो सभी मुश्किलों के बीच म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है।

चंकी ने मजेदार अंदाज में ड्रीम गर्ल 2 का प्रमोशन किया

बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे के पिता और एक्टर चंकी पांडे ने मजेदार अंदाज में फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का प्रमोशन किया है। एक्टर ने इसी के साथ खुलासा किया है की फिल्म का ट्रेलर कब रिलीज होगा। चंकी ने ये वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें चंकी के साथ उनकी बेटी अनन्या पांडे भी नजर आ रही हैं। इस वीडियो में चंकी पूजा यानी आयुष्मान खुराना से चोरी छिपे फ्लर्ट करते हुए नजर आए। बीते दिन फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था जिसमें रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के रॉकी यानी रणवीर सिंह ड्रीम गर्ल 2 की पूजा से बात करते हुए दिखाई दिए थे। टीजर में उनका चेहरा नहीं दिख रहा था। आयुष्मान खुराना के क्रॉस-ड्रेस्ड किरदार पूजा को शाहरुख खान की फिल्म से फोन पर बात करते हुए भी देखा गया था। वीडियो के साथ ही चंकी ने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च की जानकारी भी दी है।

शादी के पांच साल बाद पिता बनने वाले हैं जस्टिन बीबर

लॉस एंजेलिस (ईएमएस)। मशहूर पॉप सिंगर जस्टिन बीबर और उनकी सुपरमॉडल पत्नी हैली बीबर शादी के लगभग पांच साल बाद अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार हैली पिछले साल दिसंबर में फर्टिलिटी डॉक्टरों से सलाह ले रही थीं और अब वह गर्भवती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं है कि अफवाह कहां से शुरू हुई, लेकिन कपल की आउटिंग की एक हालिया तस्वीर ने प्रेग्नेंसी की अटकलों को हवा दे दी है। कपल को हाल ही में ड्रेक के इट्स ऑल ए ब्लर टूर कॉन्सर्ट में हिस्सा लेते हुए देखा गया था। शो के दौरान, हैली ने एक छोटे से बेबी बंप की झलक दिखाई। ऑनलाइन वायरल हो रही तस्वीर में, 26 वर्षीय मॉडल खड़ी है। उन्होंने ब्लैक क्रॉप टॉप और पैंट पहनी हुई है। क्रॉप टॉप में उनका छोटा सा बेबी बंप दिख रहा है, जिसे वह अपना दोनों हाथों से छिपाने की कोशिश कर रही है। वहीं, जस्टिन बीबर उनके बगल में एक बड़े से स्पीकर पर बैठकर म्यूजिक कॉन्सर्ट का आनंद ले रहे है। उन्होंने सिंपल वाइट टी-शर्ट, डेनिम शॉर्ट्स और एक ब्लैक कैप पहनी हुई है। तस्वीर को देख फैंस कमेंट कर रहे है। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, क्या वह प्रेग्नेंट है? ऐसा लगता है। जस्टिन और हैली, जो इस सितंबर में अपनी पांचवीं शादी की सालगिरह मनाएंगे, ने पहले संकेत दिया था कि वे बच्चा चाहते हैं।

श्रद्धा कपूर को फैन ने किया फिल्मी अंदाज में प्रपोज

बेहद टैलेंटेड और खूबसूरत बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर अपनी मासूमियत और फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। उनकी क्यूटनेस ने लाखों फैंस का दिल जीत लिया है। श्रद्धा जहां भी जाती हैं अपने फैंस से मिलती हैं और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाती हैं। हाल ही में श्रद्धा को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया और देखते ही देखते एक फैन ने उन्हें प्रपोज कर दिया। श्रद्धा के फैन उनसे मिलने के लिए फूलों का खास गुलदस्ता लेकर आए थे। उनका यह वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और कई लोग इस पर कमेंट कर रहे हैं। श्रद्धा कपूर सफेद शॉर्ट पैंट और फुल स्लीव्स टॉप पहनकर एयरपोर्ट पहुंचीं। जैसे ही श्रद्धा अपनी कार से उतरती हैं, उनका फैन गुलदस्ता लेकर आता है। वह एक घुटने पर बैठ जाता है और उसे प्रपोज करता है। श्रद्धा ने भी उनका सम्मान किया, उनसे हाथ मिलाया और तस्वीरें लीं। इस वीडियो पर यूजर्स के तरह-तरह के मजेदार कमेंट्स भी आ रहे हैं। उनमें से एक ने पूछा, यहां कौन आया, जबकि दूसरे ने श्रद्धा की तारीफ करते हुए कहा, वह कितनी विनम्र और फिट हैं। श्रद्धा कपूर ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म स्त्री-2 का पहला शेड्यूल पूरा किया है और घर वापस आ गई हैं। हाल में मेकर्स ने फिल्म के सीक्वल की घोषणा की थी।

बॉयफ्रेंड रॉकी के दूसरे बच्चे की मां बनने वाली रिहाना

पॉप स्टार रिहाना बॉयफ्रेंड रॉकी के दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। रिहाना प्रेग्नेंसी के आखिरी पड़ाव पर हैं। इसी बीच रिहाना को रॉकी संग सांता मोनिका में डिनर डेट पर स्पॉट किया गया, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि मॉम-टू-बी रिहाना बार्बी पिंक सपोर्ट्स ब्रा के साथ मैचिंग जॉगर्स पहने नजर आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने व्हाइट स्नीकर्स पेयर किए हैं। नेक पर चोकर, चेहरे पर ब्लैक गॉगल्स और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। कैमरे के सामने अपना बड़ा सा बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए रिहाना पूरे कॉन्फिडेंस के साथ पोज दे रही हैं। वहीं उनके बॉयफ्रेंड रॉकी का भी परफेक्ट लुक देखने को मिल रहा है।

फिर बनेंगी बावर्ची, मिली और कोशिश

ऋषिकेश मुखर्जी की बावर्ची व मिली और गुलजार की कोशिश जब बनी थीं तो मुख्यधारा के सिनेमा का हिस्सा नहीं थीं। मगर अपने यहां समांतर और मेनस्ट्रीम सिनेमा के बीच भी एक धारा रही है। ऋषिकेश और गुलजार का सिनेमा इसी तीसरी धारा का प्रतिनिधित्व करता है। यह ऐसी फिल्मों की धारा थी जो बहुत ज्यादा नहीं चलती थीं, पर अपना काम चला लेती थीं। इनकी खूबी यह थी कि वे कमर्शियल यानी मुख्यधारा के दर्शकों की तरह समांतर सिनेमा के प्रशंसकों को भी पसंद आती थीं। वास्तविकता तो यह है कि कमर्शियल सिनेमा के बहुत से दर्शक इसी धारा से होकर समांतर सिनेमा तक पहुंचे। इस धारा ने अपने फिल्म इतिहास की अनेक महत्वपूर्ण फिल्में दी हैं। इन्हीं में से तीन फिल्मों बावर्ची, मिली और कोशिश को फिर से बनाने की घोषणा हुई है। असल में इन तीनों फिल्मों के निमार्ता एनसी सिप्पी थे। उनके पोते समीर राज सिप्पी ने ही जादूगर फिल्म्स के साथ मिल कर इनके रीमेक का ऐलान किया है। बावर्ची में राजेश खन्ना, मिली में अमिताभ बच्चन और कोशिश में संजीव कुमार नायक थे, मगर इन तीनों ही फिल्मों की हीरोइन जया बच्चन थीं। जादूगर फिल्म्स के अबीर सेनगुप्ता और अनुश्री मेहता के मुताबिक वे इन फिल्मों को नए कलेवर और नई शैली में बनाएंगे। समीर राज सिप्पी मानते हैं कि इन क्लासिक फिल्मों को आज के परिप्रेक्ष्य और आधुनिक नजरिये में ढालने का समय आ गया है। पता नहीं वह कौन सा समय होता है जब किसी पुरानी मशहूर फिल्म को फिर से बनाने की जरूरत पैदा हो जाए। और ऐसा करके कोई क्या हासिल कर सकता है? संजय लीला भंसाली ने एक भव्य देवदास बना दी, मगर क्या वह शरतचंद्र, बिमल रॉय और दिलीप कुमार की देवदास का विकल्प हो सकती है? हर फिल्म और हर कहानी का शायद अपना एक समय होता है। उसका समय बार-बार नहीं आता। नए परिप्रेक्ष्य और आधुनिक नजरिये से उन्हीं कहानियों को दोबारा बना कर कहीं हम उन मूल फिल्मों से जुड़ी यादों को धूसरित तो नहीं कर देंगे जो लोगों ने दशकों बाद भी एहतियात से संजो कर रखी हैं?

सूडोकु नवताल- 6511

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6510 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7258

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	व	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

शब्द जाल में 'न' से शुरु होनेवाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

नगमा, नजराना, नयनतारा, नवीन,नमस्कार, नयनाभिराम, नवज्योति, नवजीवन, नवनीत, नवनिर्माण,

शब्दजाल - 7257 का हल

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श्र	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6211

5		3			6	2
	31	1	25	5	33	
3		5	4		6	7
	27		28	1	37	6
2			1		5	
	36	6	37	3	35	
		4			2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6210 का हल

3	7	2	5	1	6	4
6	33	1	25	5	31	3
1	7	6	2	3	4	5
5	39	4	31	6	34	7
4	7	5	3	2	6	1
2	36	7	36	7	30	2
7	1	3	5	4	2	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

वेस्टइंडीज के मैनेजमेंट पर हार्दिक बोले– बेसिक सुविधाएं तो देते: उम्मीद है आगे ऐसा नहीं होगा; फ्लाइट 4 घंटे लेट थी, खिलाड़ियों की नींद पूरी नहीं हुई

त्रिनिदाद।
टीम इंडिया के स्टैंड-इन कैप्टन हार्दिक पंड्या ने वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के मैनेजमेंट पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, हम लग्जरी नहीं मांग रहे, लेकिन बेसिक सुविधाएं तो मिलनी ही चाहिए। कई सीनियर खिलाड़ियों ने भी बीसीसीआई से कम्प्लेन की कि वनडे सीरीज से पहले फ्लाइट 4 घंटे लेट हुई थी। जिस कारण मैच से पहले खिलाड़ियों की नींद पूरी नहीं हो सकी। टीम इंडिया ने वनडे सीरीज 2–1 से जीती, हार्दिक ने भारत के लिए दूसरे और तीसरे मैच में कप्तानी की।

1. पिछले साल भी खराब मैनेजमेंट था – ये (त्रिनिदाद) एक अच्छा ग्राउंड है। अगली बार अगर हम वेस्टइंडीज आए तो चीजें सुधारी जा सकती हैं। ट्रैवलिंग जैसी चीजों पर वेस्टइंडीज बोर्ड को थोड़ा ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम लग्जरी की डिमांड नहीं करते, लेकिन बेसिक सुविधाएं तो मिलनी ही चाहिए। पिछले साल भी दौरे पर सुविधाएं बहुत खराब थीं। मुझे लगता है कि वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को इस बात की ओर ध्यान देना चाहिए कि खिलाड़ियों और स्टाफ को बेसिक फैसिलिटी मिल जाए। उसके अलावा दौरे पर बेहतरीन क्रिकेट देखने को मिला।

2. खिलाड़ी बोले, देर रात की फ्लाइट 4 घंटे लेट हुई – टीम इंडिया के बाकी क्रिकेटर्स ने भी फ्लाइट डिले होने की शिकायत की थी। खिलाड़ियों ने कहा था कि त्रिनिदाद से बारबाडोस की फ्लाइट रात को 4 घंटे देरी से पहुंची। जिस कारण वनडे सीरीज के शुरुआती मुकाबले से पहले खिलाड़ियों की नींद पूरी नहीं हो सकी। कई सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीसीआई से रिक्वेस्ट भी की कि 2 मैचों के बीच अगर बहुत कम टाइम बचे तो लेट नाइट फ्लाइट्स नहीं रखें। टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला 24 जुलाई को त्रिनिदाद में खत्म हुआ था, टीम को 2 दिन बाद ही 27 जुलाई को बारबाडोस में वनडे सीरीज का पहला मैच खेलना था। इसी के बीच फ्लाइट ट्रैवलिंग की शिकायत खिलाड़ियों ने बीसीसीआई से की।

3. हार्दिक बोले, कोहली की एडवाइस बैटिंग में काम आई – हार्दिक ने मैच में फिफ्टी लगाई। इस पर उन्होंने कहा, मैं लम्बी बैटिंग करना चाहता था। गेम से पहले मैंने विराट (कोहली) से बात की थी। उन्होंने मुझे पिच पर थोड़ा टाइम बिताने के लिए कहा और 50-ओवर फॉर्मेट में ढलने की एडवाइस दी। उनके अनुभव ने मेरी मदद की, उनसे बात कर मुझे काफी अच्छा लगा।

4. युवा खिलाड़ियों को मौका मिलना जरूरी – हार्दिक ने कहा, विराट और रोहित जैसे सीनियर खिलाड़ियों को आराम मिलना जरूरी है। इससे ऋतुराज गायकवाड जैसे युवा खिलाड़ियों को परफॉर्म करने का मौका मिलता है। हम भी युवाओं को ज्यादा मौके देना चाहते हैं। भारत ने वेस्टइंडीज को तीसरा वनडे 200 रन के बड़े अंतर से हराया। इसी के साथ टीम ने 3 मैचों की वनडे सीरीज 2–1 से अपने नाम की।

न्यूज ब्रीफ

कोलंबिया के अंतर्राष्ट्रीय जेम्स रोड्रिग्ज साओ पाउलो में शामिल

रियो डी जेनेरो। ब्राजीलियाई सीरी ए क्लब ने कहा है कि कोलंबिया के अंतरराष्टीय प्लेमेकर जेम्स रोड्रिग्ज दो साल के अनुबंध पर साओ पाउलो में शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं। अप्रैल में ग्रीस के ओलंपियाकोस से अलग होने के बाद 32 वर्षीय खिलाड़ी मुफ्त ट्रांसफर पर आते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2006 में कोलंबिया के एनविगाडो के साथ अपना पेशेवर करियर शुरू करने के बाद से यह कई देशों में उनका 10वां क्लब होगा। रोड्रिग्ज ने 2014 फीफा विश्व कप में अपने असाधारण प्रदर्शन के संदर्भ में सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, यही वह जगह थी जहां मुझे दुनिया को दिखाया गया था। उन्होंने कहा, मैं इस जादुई जगह पर सबसे महत्वपूर्ण शर्ट पहनने का मौका नहीं चूक सकता। यह सबसे अधिक अंतरराष्टीय खिताब जीतने वाले ब्राजीलियाई क्लब की शर्ट है। यहां ब्राजील और साओ पाउलो में अद्भुत चीजें होती हैं। रोड्रिग्ज, जिनके करियर में रियल मैड्रिड, बायर्न म्यूनिख, एवर्टन, अल-रेयान, मोनाको और पोर्टो शामिल हैं, ने तीन महीने से अधिक समय तक प्रतिस्पर्धी रूप से नहीं खेला है। साओ पाउलो इस सीज़न में अब तक 16 मैचों में 25 अंकों के साथ ब्राज़ील की 20-टीम सीरी ए स्टैंडिंग में आठवें स्थान पर है।

स्टोक्स ने आक्रामक रणनीति अपनाकर खेल का तरीका बदला : वॉन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने एशेज सीरीज में टीम के अच्छे प्रदर्शन टीम के लिए कप्तान बेन स्टोक्स की जमकर प्रशंसा की है। वॉन का मानना है कि आने वाले समय में स्टोक्स अब तक के सबसे महान कप्तान बनेंगे। उन्होंने कहा कि स्टोक्स काफी क्षमताएं हैं। स्टोक्स की कप्तानी में हाल ही में इंग्लैंड ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद भी वापसी करते हुए सीरीज बराबरी पर ला दी। अगर चौथे टेस्ट मैच में बारिश न हुई होती तो मेजबान टीम एशेज सीरीज जीत सकती थी। वॉन ने कहा, वह केवल 14 महीनों से टीम की कमान संभाल रहा है पर पहले से ही वह इंग्लैंड के महानतम कप्तानों में से एक लग रहा है। मुझे लगता है कि समय आने पर उन्हें इंग्लैंड का अब तक का सबसे महान टेस्ट कप्तान माना जाएगा। वॉन ने कहा, कप्तान के रूप में स्टोक्स ने अब 18 में से 13 टेस्ट जीते हैं, जो अविश्वसनीय है। इससे टीम पर उसके प्रभाव का अंदाजा आप लगा सकते हैं। मुझे लगता है कि आने वाले समय में स्टोक्स को ऐसे कप्तान के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने आक्रामक रणनीति अपनाकर टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को बदलने में सहायता की और यह निश्चित रूप से एक आदर्श विरासत है। उन्होंने आगे कहा कि स्टोक्स को भविष्य में एक ऐसे कप्तान के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने टीम में अपने खिलाड़ियों के साथ टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को बदलने का प्रयास किया। इसका लाभ ये हुआ है कि टेस्ट के प्रति लोगों का रुझान फिर बढ़ा है।

झल्लाए पृथ्वी शॉ ने इंग्लिश क्रिकेट में मचाया कोहराम, वॉर्म-अप मैच में खेली तूफानी पारी, वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली। भारतीय टीम से लगातार नजरअंदाज होने से झल्लाए पृथ्वी शॉ अपने करियर दोबारा पटरी पर लाने में जुटे हुए हैं। पृथ्वी शॉ ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने का फैसला किया है। इस समय वो नॉर्थेम्प्टनशायर के लिए खेल रहे हैं। पृथ्वी शॉ ने स्टीलबैक्स के खिलाफ अंतर-टीम वॉर्म-अप मैच में धुआंधार अर्धशतकीय पारी खेली। 23 साल के पृथ्वी शॉ ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक शॉट्स खेले और केवल 39 गेंदों में 65 रन बना दिए। नॉर्थेम्प्टनशायर के सोशल मीडिया अकाउंट ने पृथ्वी शॉ की पारी की क्लिप शेयर की, जिसमें मुंबई के बल्लेबाज की शानदार पारी देखने को मिली। पृथ्वी शॉ पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम भारत पहुंची, कोच बोले– यहां खेलना हमेशा उत्साहजनक रहता है

चेन्नई।
एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में भाग लेने के लिए पाकिस्तान के पुरुष हॉकी कोच शेख शाहनाज अपनी टीम के साथ चेन्नई पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टीम भारत में खेलने के लिए हमेशा उत्साहित रहती है। भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान और चीन के चेन्नई पहुंचने से शहर का माहौल उत्साहजनक हो गया। चीन की पुरुष हॉकी टीम ने सीधे चेन्नई के लिए उड़ान भरी, वहीं पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ने अमृतसर के अटारी-वाघा बॉर्डर के जरिये भारत में प्रवेश किया, जहां से उन्होंने बेंगलुरु होते हुए चेन्नई के लिए उड़ान भरी।

टूर्नामेंट की तैयारियों और भारत में खेलने के बारे में बात करते हुए पाकिस्तान के कोच शेख शाहनाज ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हम भारत में खेलने के लिए हमेशा उत्साहित रहते हैं और इससे निश्चित रूप से दबाव बढ़ता है, लेकिन अच्छी क्वालिटी वाले खिलाड़ी जानते हैं कि कैसे प्रदर्शन करना है और अच्छा प्रदर्शन करना है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट तीन अगस्त से 12 अगस्त तक चेन्नई में खेला जाएगा। हॉकी इंडिया के अनुसार, टूर्नामेंट में छह टीमें – भारत, पाकिस्तान, कोरिया, चीन, मलेशिया और जापान एक-दूसरे से भिड़ेंगी। पाकिस्तान, जिसने भारत के बराबर तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है, इस टूर्नामेंट की दो सबसे सफल टीमें हैं। पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत तीन अगस्त को मलेशिया के खिलाफ करेगा। कोच ने कहा, हम यहां सकारात्मक हॉकी खेलने के लिए हैं और मेरा मानना है कि भारत और पाकिस्तान को एक-दूसरे के खिलाफ अधिक से अधिक मैच खेलने चाहिए क्योंकि इससे दोनों टीमों को अपने-अपने खेल को अगले स्तर पर ले जाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए एक अच्छी तैयारी के रूप में काम करेगी क्योंकि हम चीन में उन्हीं टीमों के खिलाफ खेलेंगे। इसलिए यह टूर्नामेंट हमें अपने विरोधियों की ताकत और कमजोरियों की पहचान करने में मदद करेगा। कोच ने कहा- हमें कम से कम टूर्नामेंट का फाइनल खेलने की उम्मीद है। आजकल आपको युवा खिलाड़ियों को टीम में जोड़कर अपनी टीम को मजबूत करने का मौका होता है। यह अब आधुनिक हॉकी का एक महत्वपूर्ण पहलू बन गया है। युवा खिलाड़ियों के पास न केवल बेहतर फिटनेस स्तर है, बल्कि वे टीम में नई ऊर्जा, प्रतिबद्धता, स्वभाव और कौशल भी लाते हैं और वे आसानी से बदलते हॉकी माहौल में खुद को ढाल सकते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि टीम में कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवाओं का मिश्रण आधुनिक हॉकी में अधिक प्रभावी है। पाकिस्तान के कप्तान उमर भुट्टा ने कहा, हमारी टीम के कई युवा खिलाड़ी हाल ही में जूनियर एशिया कप में खेले थे। इसलिए उनके लिए यह टूर्नामेंट कुछ हद तक परिचित होगा और उन्हें यहां की परिस्थितियों से अभ्यस्त होना और ऐसे उच्च स्तरीय टूर्नामेंट में खेलना बहुत मुश्किल नहीं होगा क्योंकि मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी को दबाव सहने की आदत होती है और कठिन परिस्थितियों में प्रदर्शन करें। इसके अलावा मेरे पास भारत में खेलने की कुछ अद्भुत यादें हैं जब मैं आखिरी बार पांच साल पहले 2018 विश्व कप में भाग लेने के लिए इस देश में आया था। इस बार भी मैं एक टीम के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने और जितना हो सके उतना अनुभव हासिल करने की उम्मीद के साथ यहां आया हूं। इसके अलावा आगामी एशियाई खेलों को लेकर यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है क्योंकि हम इस प्रतियोगिता में विभिन्न टीम संयोजनों को आजमाने और अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने में सक्षम होंगे, जो अंततः हमें एक टीम के रूप में सुधार करने में मदद करेगा।

दूसरी ओर चीन की नजर पहली बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर है। वे हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 का अपना पहला मैच तीन अगस्त को मेजबान भारत के खिलाफ खेलेंगे। चीन के कोच हैकिन वेंग ने अपनी तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा, हमने टूर्नामेंट के लिए बहुत अच्छी तैयारी की है और हम भारत में खेलने के लिए उत्साहित हैं। यहां के लोग बहुत अच्छे हैं और हम यहां एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए उत्सुक हैं। चेन्नई में मौसम और खेल की स्थिति के बारे में आगे बात करते हुए, हैकिन ने कहा, यहां मौसम बहुत गर्म है। हालांकि, जिस मैदान पर टूर्नामेंट खेला जाएगा यह काफी हद तक वैसा ही है जैसा हमारे पास चीन में है। इसलिए यह हमारे लिए एक अतिरिक्त लाभ होगा।

चार बार का विजेता अमेरिका नॉकआउट में, पुर्तगाल बाहर

ऑकलैंड।
चार बार का विजेता अमेरिका पुर्तगाल के खिलाफ ग्रुप मुकाबला गोलरहित (0-0) ड्रॉ खेलकर महिला फुटबाल विश्वकप के नॉकआउट चरण में पहुंच गया। वहीं, पुर्तगाल टूर्नामेंट से बाहर हो गया जो इसमें पहली बार खेल रहा था। मौजूदा विजेता अमेरिका को मैच के दौरान गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन वे पुर्तगाल की टीम के डिफेंस को तोड़ने में सफल नहीं हो पाए।

अमेरिकी खिलाड़ी मेगन रेपिनो को गोल करने का मौका मिला और उन्होंने गेंद पर किक लगाई, लेकिन गेंद गोल पोस्ट में नहीं जा पाई। अमेरिकी टीम के कोच वलाटको ने कहा कि हम जानते हैं कि गोल नहीं कर पाए। हम अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। हम अगले दौर में पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड ने चीन को 6-1 से दी शिकस्त

इंग्लैंड ने चीन की टीम को महिला फुटबाल विश्वकप में 6-1 से शिकस्त देकर अंतिम-16 में जगह बनाई। इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक दो गोल लॉरेन जेम्स (41वां और 65वां मिनट) ने किए। उनके अलावा एलेसिया रूसो (चौथा मिनट), लॉरेन हेंप (26वां मिनट), च्लोए केली (77वां मिनट) और रेचल डैली (84वां मिनट) ने एक-एक गोल दागा। चीन के लिए एकमात्र गोल वांग शुआंग ने 57वें मिनट में पेनाल्टी पर किया।

नीदरलैंड ने वियतनाम को 7-0 से हराया नीदरलैंड ने पहले हाफ में 15 मिनट के अंदर चार गोल करके वियतनाम को 7-0 से हरा दिया। इसी के साथ नीदरलैंड ग्रुप-ई में शीर्ष स्थान पर रहा। नीदरलैंड की ओर से एस्मी ब्रग्ट्स (18वां और 57वां मिनट) और जिल रूर्ड (23वां और 83वां मिनट) ने दो-दो गोल दागे जबकि लेइकी मर्टेंस (आठवां मिनट), कात्जा स्नोइस (11वां मिनट) और डेनियली वान डि डोंक (45वां मिनट) ने एक-एक गोल किया।

शिवम की वापसी में धोनी की रही अहम भूमिका

मुम्बई।
आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल ऑलराउंडर शिवम दुबे के करियर में आये आये बदलाव के पीछे भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धीनी। आईपीएल में धोनी की टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) में आने के बाद से ही शिवम की टीम इंडिया में वापसी हुई है। 25 साल के शिवम ने 2019 में ही भारतीय टीम की ओर से डेब्यू किया था पर वह शुरुआती चमक दिखाने के बाद निरंतरता की कमी के कारण टीम से बाहर हो गये थे। ऐसे में उन्हें साल 2020 में टीम से बाहर कर दिया गया था। शिवम का जादू फिर आईपीएल में चलना भी बंद हो गया। उनकी पहली आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयस चैलेंजर्स बैंगलोर ने भी शिवम को 2020 के सत्र के बाद रिलीज कर दिया था। इसके बाद उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने अपने साथ जोड़ा था पर वह वहां भी नाकाम रहे। इसके बाद उन्हें सीएसके ने खरीदा। यहीं से शिवम की किस्मत बदल गयी।

सीएसके में आने के बाद शिवम का पूरा खेल ही बदल गया। वह एक बेहतर बल्लेबाज के रूप में उभरकर सामने आए। धोनी ने आईपीएल के दौरान दुबे की काफी सहायता की और उनको और अच्छा करने में मदद की। दुबे धोनी की गाइडेंस के चलते आक्राम बल्लेबाजी करने लगे। उन्होंने आईपीएल 2022 और 2023 में अपने खेल से सबको प्रभावित किया। इसके चलते उनकी टीम इंडिया में अब दोबारा वापसी हो गई।

शिवम ने आईपीएल 2023 में कुल 16 मुकाबले खेले थे। उन्होंने 16 मैचों में खेली गई 14 पारियों में 159 के गजब स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 411 रन ठोके। उन्होंने 37.36 की औसत से रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाये। इससे पहले उन्होंने एक सत्र में तीन अर्धशतक पहले कभी नहीं लगाये थे। इस शानदार बल्लेबाजी के कारण ही उन्हें दोबार टीम इंडिया में शामिल किया गया।

सिटी ओपन: मैडिसन ने झेंग को हराया, फ्रांसिस टियाफो ने भी पहले दौर में जीत दर्ज की

वाशिंगटन।
नंबर 7 वरीयता प्राप्त अमेरिकी मैडिसन कीज ने एक दशक में पहली बार सिटी ओपन में जीत दर्ज की और शुरुआती मुकाबले में चीन की झेंग किनवेन को 7-5, 6-1 से हराया।

जीत के साथ कीज ने 20 वर्षीय झेंग की पांच मैचों की जीत का सिलसिला खत्म किया, जिन्होंने दो सप्ताह पहले पालेर्मो के क्ले कोर्ट पर अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीता था।

अमेरिकी खिलाड़ी ने झेंग के सामने बने रहने के लिए पहले सेट में 4-4 पर तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए। लेकिन कीज ने एक जबरदस्त बैकहैंड से विरोधी खिलाड़ी को गलती करने पर मजबूर किया और अपना पहला सेट पॉइंट 6-5 में बदल दिया।

झेंग के मैच के 10 डबल फॉल्ट में से दो डबल फाल्ट के कारण दूसरे सेट में कीज को 2-0 की बढ़त मिल गई और सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने वहां से जीत हासिल की।

कीज जेनिफर ब्रैडी के साथ दूसरे दौर के मुकाबले के लिए वापस आएंगी, जिन्होंने लगभग दो वर्षों में अपनी पहली टूर-स्तरीय जीत हासिल की।

इस बीच, एक अन्य अमेरिकी फ्रांसिस टियाफो ने असलान करात्सेव के खिलाफ 7-6(5), 7-6(5) की जीत के साथ अपने पुरुष एकल अभियान की शुरुआत की।

विंबलडन के बाद अपने पहले मैच में खेलते हुए, 25 वर्षीय टियाफो ने दूसरे सेट में 5-4 की सर्विस पर एक सेट प्वाइंट बचाया और बाद में टाई-ब्रेक में पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीते।

करात्सेव के खिलाफ अपनी दूसरी एटीपी हेड-टू-हेड जीत हासिल करने के बाद, विश्व नंबर 10 टियाफो का दूसरे दौर में 18 वर्षीय चीनी स्टार शांग जुनचेंग के खिलाफ पहली बार मुकाबला होगा।

इंडिया-पाकिस्तान वर्ल्ड कप मैच की तारीख बदली

15 नहीं, 14 अक्टूबर को मुकाबला; पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड बदलाव के लिए राजी

नई दिल्ली।
वनडे वर्ल्ड कप में 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले की तारीख बदल दी गई है। यह मैच अब 14 अक्टूबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड तारीख में बदलाव के लिए राजी हो गया है।

श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के मैच की तारीख भी बदली गई है। यह मैच 12 अक्टूबर को खेला जाना था। अब यह मुकाबला 10 अक्टूबर को होगा। इस बदलाव के चलते पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले 3 दिन का गैप मिल जाएगा।

वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से खेला जाएगा और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने जून के आखिर में इसका शेड्यूल जारी किया था। दूसरी टीमों के कुछ मैच का समय भी बदला जा सकता है। आईसीसी जल्द ही नया शेड्यूल जारी करेगा। सुरक्षा कारणों से बदली जा रही है

तारीख सुरक्षा एजेंसियों ने अहमदाबाद में 15 अक्टूबर को होने वाले मैच को लेकर चिंता जाहिर की थी। एजेंसियों ने कहा था कि इस तारीख को नवरात्रि का पहला दिन होगा। ऐसे में पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने में दिक्कत हो सकती है। इसके बाद आईसीसी और बीसीसीआई ने पाकिस्तान बोर्ड से संपर्क किया और 2 ग्रुप मैचों की तारीख बदलने पर बात की।

भारत का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से

भारतीय टीम वर्ल्ड कप 2023 में अपने अभियान की शुरूआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह मुकाबला 8 अक्टूबर को खेला जाएगा। दोनों टीमें 8 अक्टूबर को चेन्नई में आमने-सामने होंगी।

वर्ल्डकप के 2 वेन्यू बदलवाने की पाकिस्तान की मांग खारिज

पाकिस्तान 2023 वनडे वर्ल्ड कप में अपने दो लीग मैच की जगह बदलवाना चाहता था, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक आईसीसी और बीसीसीआई ने उसकी ये मांग खारिज कर दी है। मांग खारिज करने का आधार यह है कि पाकिस्तान ने यह नहीं बताया था कि वह वेन्यू क्यों बदलवाना चाहता है।

देवधर ट्रॉफी : अर्जुन ने दिलायी दक्षिणी क्षेत्र को जीत

नई दिल्ली। अर्जुन तेंदुलकर आजकल देवधर ट्रॉफी में दक्षिणी क्षेत्र की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। अर्जुन ने मध्य क्षेत्र की टीम के बल्लेबाज यश दुबे को आउट कर मैच में अपनी टीम की वापसी करायी। यश की इस मैच आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्हें आउट करने में आंखिरकार अर्जुन सफल रहे। उन्होने पारी का 42वां ओवर करते हुए यश को अपना शिकार बनाया। यश ने अर्जुन की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर वह इसमें पूरी तरह से सफल नहीं रहे ऐसे में गेंद उनके बल्ले का किनारा लेते हुए सीधी फील्डर के हाथों में पहुंच गयी। इस प्रकार यश की पारी 77 रन पर समाप्त हुई। अर्जुन ने इसके अलावा आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे शिवम मावी को भी 38 रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। अर्जुन ने दो अहम विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बॉलीवुड ही नहीं, ओटीटी पर भी हुमा छोड़ रहीं छाप

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हुमा ने सिर्फ अपनी खूबसूरती ही नहीं बल्कि एक्टिंग से भी लोगों के दिलों में जगह बनाई है। गैंग्स ऑफ वासेपुर हो या फिर महारानी हर फिल्म में निभा चुकीं धमाकेदार रोल। इन दिनों हुमा ओटीटी पर आई फिल्म तरला को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म में हुमा शेफ तरला का किरदार निभा रही हैं। हुमा बॉलीवुड के साथ-साथ अब ओटीटी पर भी राज कर रही हैं। आइए जानते हैं उन फिल्मों के बारे में जिससे हुमा ने जीते लाखों-करोड़ों फैंस के दिल। साल 2012 में आई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से हुमा ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। दुनियाभर में हुमा की यह फिल्म हिट साबित हुई थी। फिल्म में एक्ट्रेस ने मोहसिना का किरदार निभाया था। एक्ट्रेस ने इस फिल्म से काफी लोगों का प्यार बटोरा था। फिल्म को आप सभी नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

गैंग्स ऑफ वासेपुर के बाद एक थी डायन, बदलापुर, जॉली एलएलबी 2, बेल बॉटम, गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्मों में नजर आई टैलेंटेड हुमा कुरैशी। फिल्म बेल बॉटम में हुमा कुरैशी नेगेटिव रोल में नजर आई थीं। फिल्म में हुमा के रोल को काफी सराहना मिली थी। हुमा कुरैशी के अलावा अक्षय कुमार भी शानदार रोल निभाते नजर आए थे। थिएटर में रिलीज हुई इस फिल्म को अब आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। हुमा कुरैशी सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर मोनिका ओ माय डार्लिंग में राजकुमार राव संग नजर आई थीं। इस कॉमेडी क्राइम फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। फिल्म में हुमा, राजकुमार राव के अलावा राधिका आप्टे भी नजर आई थीं। ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर आई हुमा कुरैशी की फिल्म डबल एक्सएल ने उनकी परफॉरमेंस पर चार चांद लगाए थे। फिल्म में बेहतरीन रोल निभाने के लिए हुमा ने 15 - 20 किलो तक का वजन बढ़ाया था। अपने बढ़ते वजन को लेकर हुमा कुरैशी काफी चर्चा में बनी रही थीं। डबल एक्सेल में हुमा के साथ सोनाक्षी सिन्हा मुख्य किरदार में नजर आई थी। साल 2019 में आई नेटफ्लिक्स सीरीज लीला में हुमा कुरैशी काफी खुबसुरत लग रहीं थी। सीरीज में एक्ट्रेस ने बेहद शानदार अभिनय किया था। वेब सीरीज में हुमा में शालिनी का किरदार निभाया था। आज भी लोगों को हुमा की वेब सीरीज को देखना पसंद है। वेब सीरीज महारानी में हुमा कुरैशी ने भोली-भाली *रानी भारती* का किरदार निभाया था। साधारण महिला के बाद सीएम का किरदार निभाकर हुमा ने हर किसी को हैरान कर दिया था। एक्ट्रेस की यह वेब सीरीज दर्शकों पर अपनी शानदार छाप छोड़ चुकी है। अब तक इस वेब सीरीज के दो सीजन आ चुके हैं। जी 5 पर रिलीज हो चुकी फिल्म तरला दलाल सेलिब्रिटी शेफ और फूड राइटर तरला दलाल की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में हुमा ने निभाया तरला दलाल का किरदार। फिल्म को उनके चाहने वालों ने खूब पसंद किया है। बता दें सेलिब्रिटी शेफ तरला दलाल ने काफी कुकिंग पर किताबें लिखी हैं।

चाय की जगह गुनगुना पानी से करें सुबह की शुरुआत

मिलते हैं कई गजब के फायदे

हम में से ज्यादातर लोग अपनी दिन की शुरुआत एक कप चाय के साथ करते हैं। चाय के बिना लोगों की सुबह ही नहीं होती। लेकिन क्या आपको पता है खाली पेट चाय पीने से गैस होती है। इसके बजाय आप सुबह-सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पी सकते हैं। सदियों से हमारे बड़े-बुजुर्ग सुबह उठते ही गर्म पानी पीते आ रहे हैं। सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं। इससे शरीर की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं। तो आइए जानते हैं कि सुबह सबसे पहले गुनगुना पानी क्यों पीना चाहिए ?

टॉक्सिक पदार्थ बाहर निकालता है : अगर आप रोजाना नींबू की 2-3 बूंदे डालकर गुनगुना पानी पीते हैं, तो इससे आपके शरीर में मौजूद टॉक्सिक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। गुनगुना पानी पीने से शरीर का तापमान बढ़ने लगता है, जिससे मेटाबॉलिक दर भी बढ़ता है।

वजन कम करने में मददगार : अगर आप वजन तेजी से घटाना चाहते हैं, तो रोजाना गुनगुने पानी में जीरा डालकर पिएं। इससे बहुत जल्द आपका वजन घटने लगेगा।

पाचन बेहतर बनाता है : पाचन संबंधी समस्या से परेशान हैं, तो रोजाना सुबह गुनगुना पानी पिएं। सुबह खाली पेट और रात को खाने के बाद गर्म पानी पीने से पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

हाइड्रेट रखता है : सुबह-सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है। जिससे शरीर में पानी की कमी नहीं होती और आप जल्दी बीमार नहीं होते हैं।

सर्दी-खांसी में लाभदायक : रोज सुबह उठकर गुनगुना पानी पीने से सर्दी-जुकाम से राहत मिलती है। साथ ही इम्युनिटी भी बढ़ती है।

स्किन के लिए फायदेमंद : रोज सुबह उठकर गर्म पानी पीने से स्किन भी चमकदार होती है। अगर आप स्किन पर नेचुरल निखार चाहते हैं, तो रोजोना पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। इससे चेहरे पर ग्लो आता है, साथ ही कील-मुंहासों और अन्य त्वचा संबंधी समस्या से छुटकारा मिलता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**